news@group5.in group5news group5news

www.group5news.com

सदैव आपके साथ...

हिन्दी दैनिक

ग्रुप-5 समाचार

www.group5news.com/epaper

लखनऊ || बुधवार || 2 अप्रैल , 2025 वर्षः 17 || अंक : 103 || पृष्ठः 12 || मूल्यः 2/-

अंदर पढ़ें
» 08 भारत के लिए सबसे मैच खेलने वाली हॉकी खिलाड़ी...
» 07 एसईटी 2025 और एसआईटीईई 2025 के...
» 11 जाट में सनी देओल संग नजर आएंगी उर्वशी ...

चतुर्थ मां कूष्माण्डा

कू' का अर्थ है छोटा, 'ष्' का अर्थ है ऊर्जा और 'अंडा' का अर्थ है ब्रह्मांडीय गोला सृष्टि या ऊर्जा का छोटे से वृहद ब्रह्मांडीय गोला। सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में ऊर्जा का संचार छोटे से बड़े में होता है। यह बड़े से छोटा होता है और छोटे से बड़ा; यह बीज से बढ़ कर फल बनता है और फिर फल से दोबारा बीज हो जाता है।

राजस्थान में गर्मी का सितम, 42 डिग्री पहुंचा पारा

- भीषण गर्मी से होगा बुरा हाल, लू को लेकर चेतावनी जारी

जयपुर (एजेंसी)। गर्मी ने पूरे देश में अपनी दस्तक दे दी है और अप्रैल की शुरुआत में ही पारा चढ़ने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ सकता है। उत्तर भारत में जहां तेज धूप और लू चलने की संभावना है, वहीं दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में हल्की बारिश की उम्मीद जताई जा रही है। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई इलाकों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। राजधानी दिल्ली में पारा 40 डिग्री के करीब पहुंच गया है, जबकि राजस्थान के कुछ इलाकों में यह 42 डिग्री तक दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में लू चलने की चेतावनी जारी की है। दक्षिण भारत के तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की बारिश के आसार हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम के

चलते यहां बादल छाए रह सकते हैं और कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इससे तापमान में कुछ गिरावट आएगी और लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। बंगाल, ओडिशा, असम, मेघालय और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में बादल छाए रह सकते हैं और हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, इन इलाकों में अगले दो-तीन दिनों तक बारिश जारी रह सकती है, जिससे तापमान में मामूली गिरावट आ सकती है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी गर्मी बढ़ने लगी है। भोपाल, इंदौर, रायपुर और ग्वालियर जैसे शहरों में तापमान 38-41 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया है। यहां भी अगले कुछ दिनों में लू चलने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भी तापमान सामान्य से ऊपर जा रहा है। हालांकि, ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम सुहावना बना हुआ है, लेकिन मैदानी हिस्सों में गर्मी ने अपनी पकड़ बना ली है।

हिमाचल की गद्दी संस्कृति को मिली वैश्विक पहचान

- चंबा की बेटी ने लंदन फैशन सम्मेलन में पेश किया शोध

भरमौर (एजेंसी)। लंदन में आयोजित प्रतिष्ठित हैलेंडर फैशन सम्मेलन 2024 में हिमाचल प्रदेश की गद्दी संस्कृति को विश्व स्तर पर पहचान मिली है। चंबा जिले में भरमौर के रजौर गांव की बेटी तनिशवी ठाकुर ने इस सम्मेलन में गद्दी

दुल्हन की पारंपरिक पोशाक पर अपना रिसर्च पत्र प्रस्तुत किया। तनिशवी ने अपनी रिसर्च में गद्दी दुल्हन की पारंपरिक पोशाक का विकास वैश्वीकरण और सांस्कृतिक एकीकरण का प्रभाव विषय पर काम किया। विश्वभर से चुने गए शोधार्थियों में तनिशवी का चयन एक विशेष उपलब्धि है।

अटारी बॉर्डर से भारतीय सीमा में घुसा पाकिस्तानी

- बीएसएफ ने पकड़ कर पुलिस को सौंपा, कंटीली तारों के पास पहुंचा

अमृतसर (एजेंसी)। अमृतसर के ग्रामीण क्षेत्र में पुलिस और सीमा सुरक्षा बल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सोमवार रात एक पाकिस्तानी नागरिक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की गई है। ये नागरिक पाकिस्तान से भारतीय सीमा लांघ कंटीली तारों के पास पहुंच गया था। इसके बाद इसे गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान मोहम्मद हमजा पुत्र आबिद हुसैन, निवासी गांव मोजा सरदारगढ़ जिला रहीम यार खान पाकिस्तान के रूप में हुई है। मोहम्मद को रात अमृतसर की भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बनी बॉर्डर आउट पोस्ट भरोपाल के पास से हिरासत में लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने थाना घरिंडा में बीएनपी नंबर 72 के तहत मामला दर्ज किया है।

दुनिया के सबसे ऊंचे रेल ब्रिज का उद्घाटन 19 को

- कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का भी इनॉगरेशन

श्रीनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर जाएंगे। सबसे पहले वे ऊधमपुर में दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज (चिनाब ब्रिज) का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे कटरा (माता वैष्णो देवी) पहुंचकर जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि फिलहाल

जम्मू रेलवे स्टेशन पर मरम्मत का काम चल रहा है, इस वजह से ट्रेन सेवा अस्थायी रूप से कटरा से शुरू की जा रही है। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद अगस्त से यह ट्रेन जम्मू से चलना शुरू करेगी। जम्मू से श्रीनगर की दूरी करीब 250 किमी है। 25 जनवरी को कटरा-श्रीनगर रूट का सफल ट्रायल हुआ था। ट्रेन सुबह 8 बजे कटरा से रवाना हुई और 11 बजे श्रीनगर पहुंची।

- गुजरात के बनासकांठा की पटाखा फैक्ट्री में भीषण ब्लास्ट

एमपी के 18 मजदूरों की मौत, तीन गंभीर घायल

दो दिन पहले ही मजदूरी करने पहुंचे थे

बनासकांठा (एजेंसी)। गुजरात के बनासकांठा के नजदीक डीसा में मंगलवार सुबह 8 बजे पटाखा फैक्ट्री में बॉयलर फटने से मध्य प्रदेश के 18 मजदूरों की मौत हो गई। 3 की हालत गंभीर है। वहीं, 5 मजदूर मामूली रूप से घायल हैं। फैक्ट्री डीसा तहसील के धुनवा रोड पर है। मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। विस्फोट के दौरान मजदूर फैक्ट्री में काम कर रहे थे। विस्फोट इतना भीषण था कि कई मजदूरों के अंग 50 मीटर दूर तक बिखर गए। फैक्ट्री के पीछे खेत में भी कुछ मानव अंग मिले हैं। फायर ब्रिगेड को आग पर काबू पाने में 5 से 6 घंटे लगे। हादसे के शिकार सभी मृतक और घायल मजदूर मध्य प्रदेश के हरदा जिले के हंडिया गांव के रहने वाले हैं। फैक्ट्री से मिली जानकारी के मुताबिक सभी 2 दिन पहले ही मजदूरी के लिए यहां आए थे और पटाखे बनाने का काम कर रहे थे। फिलहाल, मृतकों की पहचान की जा रही है। बताया जा रहा है कि पटाखा फैक्ट्री में बॉयलर फटने से ये हादसा हुआ। इस हादसे में मारे गए सभी लोग मध्य प्रदेश से हैं। मरने वाली सभी मजदूर है। मामने की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि पहले बॉयलर फटा, फिर फैक्ट्री में आग लगी। आसपास के खेतों में भी लाश के चीथड़े मिले हैं। ये फैक्ट्री खूबचंद सिंधी की है।

पश्चिम बंगाल में सिलेंडर ब्लास्ट, 8 लोगों की मौत

भाजपा का आरोप-बम बनाने की अवैध फैक्ट्री चल रही थी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना जिले के पाथर प्रतिमा इलाके में 31 मार्च, यानी सोमवार देर रात सिलेंडर में ब्लास्ट हुआ था। हादसे में मरने वालों की संख्या मंगलवार को 8 हो गई। पहले यह आंकड़ा 7 था। अधिकारियों के मुताबिक मरने वालों में 4 बच्चे और 4 महिलाएं शामिल हैं। सुंदरबन जिले के एसपी कोटेश्वर राव ने बताया कि हादसा ढोलाघाट गांव में रात 9 बजे का है। मरने वाले एक ही परिवार के हैं। पुलिस के मुताबिक शुरुआती जांच में 2 गैस सिलेंडर में ब्लास्ट की जानकारी है। वहीं भाजपा विधायक और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि यहां क्रूड बम बनाने की अवैध फैक्ट्री चल रही थी।

राजस्थान में फैक्ट्री से गैस-लीक, तीन लोगों की मौत

60 से ज्यादा हुए थे बेहोश, 2 की हालत गंभीर

जयपुर (एजेंसी)। ब्यावर में तेजाब फैक्ट्री के गोदाम में खड़े टैंकर से नाइट्रोजन गैस के लीक होने से कंपनी मालिक सहित 3 की मौत हो गई। दो लोगों की हालत अब भी गंभीर है। हादसे से प्रभावित 60 से ज्यादा लोगों ब्यावर और अजमेर सरकारी हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। गैस के असर से कई पालतू जानवर और आवारा कुत्तों की भी मौत हुई है। घटना ब्यावर थाने के बाड़िया क्षेत्र की सुनील ट्रेडिंग कंपनी में सोमवार रात की है। फैक्ट्री के नजदीक के कई घरों को खाली करवाया गया है। इस हादसे में कंपनी मालिक सुनील सिंघल (47) की मौत हो गई। वो रातभर गैस को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे थे। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अजमेर जेएलएन हॉस्पिटल रेफर किया गया था। सोमवार रात को ही इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं, मंगलवार सुबह दो और पीड़ित नरेंद्र सोलंकी (40) और दयाराम (52) ने भी दम तोड़ दिया। जेएलएन में दो मरीज अब भी गंभीर हालत में एडमिट हैं।

यज्ञ के लिए भिक्षा लेने निकलीं महिलाओं पर पत्थरबाजी

- कोडरमा में ड्रोन से छतों की तलाशी ले रही पुलिस, पत्थर होने का शक, इलाके में तनाव

कोडरमा (एजेंसी)। कोडरमा जिले के छतरबर गांव में यज्ञ के लिए भिक्षा मांगने निकली महिलाओं पर पत्थरबाजी की गई है। इस पत्थरबाजी के बाद इलाके में तनाव बना हुआ है। हांलाकि एहतियातन इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती कर दी गई है। अभी स्थिति नियंत्रण में है। वहीं पुलिस इलाके की मॉनिटरिंग और घटना की जांच ड्रोन से कर रही है। जानकारी के अनुसार चेचाई गांव की महिलाएं यज्ञ के लिए मंगत

मांगने निकली थीं। इस दौरान छतरबर में कुछ असामाजिक तत्वों ने उन पर पत्थर फेंका। इसके बाद तनाव बढ़ गया। दरअसल चेचाई गांव में 9 से 17 अप्रैल तक महायज्ञ का आयोजन होना है। इसलिए गांव की 50-60 महिलाएं 7 गांवों से भिक्षा मांगने निकली थीं। इनमें से 11 महिलाएं अपने सिर पर कलश रखकर लाइन में चल रही थीं। छतरबर गांव से गुजरते समय दूसरे समुदाय के कुछ लोगों ने छत से पत्थर फेंका। इससे महिलाओं के सिर पर रखे कलश क्षतिग्रस्त हो गए। महिलाओं ने तुरंत मोबाइल फोन से अपने गांव के लोगों को सूचना दी। चेचाई के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। इससे माहौल तनावपूर्ण हो गया।

मेरे छोटे-छोटे बच्चे हैं टांग में रॉड भी डली है

- उम्रकैद की सजा मिली तो जज के सामने गिड़गिड़ाने लगा पादरी बजिंदर

मोहाली (एजेंसी)। पंजाब के मोहाली की जिला अदालत ने रेप केस में दोषी पाए गए पादरी बजिंदर सिंह को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत की ओर से उम्रकैद की सजा सुनाए जाने के बाद दोषी बजिंदर सिंह रहम की भीख मांगने लगा। वह अदालत के सामने गिड़गिड़ाने लगा। हालांकि, पुलिस उसे कस्टडी में लेकर रवाना हो गई। इस मामले में पीड़ित के वकील ने बताया कि कोर्ट ने बजिंदर को सजा सुनाते हुए कहा कि उसे अंतिम सांस तक जेल में रहना होगा। सजा से बचने के लिए पादरी बजिंदर कोर्ट में गिड़गिड़ाने लगा। उसने कहा कि मेरे बच्चे छोटे हैं और पत्नी बीमार है।

वक्फ संशोधन बिल लोकसभा में आज दोपहर 12 बजे होगा पेश

- 8 घंटे चर्चा होगी, तेलगूदेशम पार्टी ने किया समर्थन का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन बिल 2 अप्रैल को प्रश्नकाल के बाद दोपहर 12 बजे लोकसभा में पेश होगा। स्पीकर ओम बिरला ने इस पर 8 घंटे चर्चा का समय निर्धारित किया है। इसके बाद बिल लोकसभा में पास किया जाएगा। बीजेपी ने अपने सभी सांसदों को सदन में मौजूद रहने के लिए व्हिप जारी कर दिया है। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी ने जब इस बात की जानकारी दी तब विपक्ष ने कहा कि चर्चा 12 घंटे होनी चाहिए। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि बिल पर चर्चा का समय बढ़ाया जा सकता है। हालांकि विपक्ष ने बीए की बैठक से वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सरकार पर अपने एजेंडे को थोपने और विपक्षी सदस्यों की बात नहीं सुनने का आरोप लगाया।

- **तेलगूदेशम पार्टी ने किया समर्थन का ऐलान-** एनडीए में दूसरी सबसे बड़ी पार्टनर टीडीपी ने संसद में वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन करने का ऐलान किया है। चंद्राबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी के लोकसभा में 16 सांसद हैं। पहले यह संभावना जताई जा रही थी तेलगूदेशम पार्टी वक्फ बिल पर न्यूट्रल पोजीशन बनाकर दूरी बनाए रख सकती है। वह न तो इसका समर्थन करेगी और न ही विरोध करेगी। पार्टी के प्रवक्ता प्रेम कुमार जैन ने यह जानकारी दी है।

बुलडोजर ऐक्शन ने हमारी 'अंतरात्मा' को झकझोर दिया है

- सुप्रीम कोर्ट ने यूपी में बुलडोजर ऐक्शन पर जताई नाराजगी
- कहा-यह अमानवीय, 10-10 लाख मुआवजा देने का आदेश

प्रयागराज (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को प्रयागराज डेवलपमेंट अथॉरिटी को 2021 में मकान गिराने पर फटकार लगाई। कोर्ट ने अधिकारियों के इस बुलडोजर ऐक्शन को अमानवीय, अवैध बताया। कहा, इस कार्रवाई के दौरान दूसरों की भावनाओं और अधिकारों का ख्याल नहीं रखा गया। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जवल भुइयां की बेंच ने कहा, देश में लोगों के रिहायशी घरों को इस तरह से नहीं गिराया जा सकता है। इसने हमारी अंतरआत्मा को झकझोर दिया है। प्रयागराज प्रशासन ने 2021 में गैंगस्टर अतीक की प्रापर्टी

समझकर एक वकील, प्रोफेसर और 3 अन्य के मकान गिरा दिए थे। सुप्रीम कोर्ट में वकील जुल्फिकार हैदर, प्रोफेसर अली अहमद और अन्य लोगों ने याचिका दाखिल की थी। ये वो लोग हैं, जिनके मकान तोड़े गए थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इनकी याचिकाएं ठुकरा दी थीं। सुप्रीम कोर्ट ने डेवलपमेंट अथॉरिटी को आदेश दिया कि जिनके मकान गिराए गए हैं, उन्हें 6 हफ्तों के भीतर 10-10 लाख रुपए मुआवजा दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- राइट टु शेल्टर नाम भी कोई चीज होती है। उचित प्रक्रिया नाम की भी कोई चीज होती है।

इस तरह की कार्रवाई किसी तरह से भी ठीक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्जल भुइयां ने यूपी के अंबेडकर नगर में 24 मार्च की घटना का जिक्र करते हुए कहा, अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान एक तरफ झोपड़ियों पर बुलडोजर चलाया जा रहा था तो दूसरी तरफ एक 8 साल की बच्ची अपनी किताब लेकर भाग रही थी। इस तस्वीर ने सबको शॉक्ड कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट में जब पहले इस केस की सुनवाई हुई तो पीड़ितों की तरफ से वकील अभिमन्यु भंडारी ने दलील दी। उन्होंने कहा था, अतीक अहमद नाम का एक गैंगस्टर था, जिसकी 2023 में हत्या कर दी गई थी।

अफसरों ने पीड़ितों की जमीन को अतीक की जमीन समझ लिया। उन्हें (राज्य को) अपनी गलती स्वीकार कर लेनी चाहिए। इस दलील पर यूपी सरकार ने कहा था कि हमने याचिकाकर्ताओं को नोटिस का जवाब देने के लिए उचित समय दिया गया था।

साक्षात्कार में बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

राजनीति मेरे लिए फुल टाइम जॉब नहीं, मैं असल में योगी हूं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भविष्य में उनके प्रधानमंत्री बन सकने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा है कि राजनीति उनके लिए फुल टाइम जॉब नहीं है और वह दिल से योगी हैं। आदित्यनाथ ने साक्षात्कार के दौरान कहा कि उनका प्राथमिक काम उत्तर प्रदेश के लोगों की सेवा करना है जो उनकी पार्टी ने उन्हें सौंपा है। उन्होंने कहा, मैं उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री हूं और पार्टी ने मुझे राज्य के लोगों की सेवा करने के लिए यहां रखा है। आदित्यनाथ ने संभावित प्रधानमंत्री के रूप में उनके प्रति बढ़ते समर्थन के बारे में पूछे जाने पर कहा, राजनीति मेरे लिए एक फुल टाइम जॉब नहीं है। इस समय मैं यहां काम कर रहा हूं लेकिन वास्तविकता में मैं हूं तो एक योगी ही। यह पूछे जाने पर कि उनकी राजनीति में कब तक बने रहने की योजना है, मुख्यमंत्री ने कहा, इसकी भी एक समयसीमा होगी। यह पूछे जाने पर कि क्या उनके जवाब का मतलब यह है कि राजनीति उनके लिए फुल टाइम जॉब नहीं है, आदित्यनाथ ने दोहराया, हां मैं वही कह रहा हूं। धर्म और राजनीति के संबंध में अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, हम धर्म के पक्ष को सीमित दायरे में कैद करके रखते हैं और राजनीति को भी हम चंद मुट्ठीभर लोगों की कैद में रखते हैं। सारी समस्या वहीं से खड़ी होती है। उन्होंने कहा, राजनीति अगर स्वार्थ के लिए है तो वह समस्या पैदा करेगी। राजनीति अगर परमार्थ के लिए है तो वह समाधान देगी। हमें तय करना होगा कि हमें समाधान का रास्ता अपनाना है या समस्या का रास्ता अपनाना है और मुझे लगता है कि धर्म भी यही (सिखाता) है। आदित्यनाथ ने कहा, धर्म जब स्वार्थ के लिए होता है, आत्मकल्याण के लिए होता है तो वह नई-नई चुनौतियां देगा, नई-नई समस्याएं देगा और जब व्यक्ति परमार्थ के लिए अपने आप को होम करता है, अपने आप को समर्पित करता है तो वह नए-नए रास्ते दिखाएगा, प्रगति के नए-नए रास्ते सुझाएगा। आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय परंपरा धर्म को स्वार्थ से नहीं जोड़ती। उन्होंने कहा, भारत की परंपरा में भारतीय मनीषा ने धर्म को स्वार्थ के साथ नहीं जोड़ा है। उसके दो हित बताए गए हैं कि सांसारिक जीवन में उत्कर्ष का मार्ग प्रशस्त करना, विकास के मार्ग को प्राथमिकता देना और इस लौकिक जीवन में एवं पारलौकिक जीवन के लिए मोक्ष की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ना। **(एजेंसी)**

जिन राज्यों के नेता भाषा विवाद को हवा दे रहे हैं, वे पिछड़ रहे है : योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लेकर की जा रही राजनीति की आलोचना की और कहा कि जिन राज्यों के नेता इस विवाद को हवा दे रहे हैं, वे राज्य पिछड़ते जा रहे हैं। आदित्यनाथ ने साक्षात्कार में यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश में रोजगार के बड़े अवसर पैदा हो रहे हैं और इस तरह की संकीर्ण राजनीति युवाओं की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा, उत्तर प्रदेश में रोजगार के नए अवसर खुल रहे हैं, नौकरियां सृजित की जा रही हैं। जो लोग भाषा को लेकर विवाद पैदा कर रहे हैं, वे अपने राजनीतिक हितों को पूरा कर सकते हैं लेकिन एक तरह से युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों पर प्रहार कर रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन का जिक्र कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा, वो कोई भी हों, वे यही कर रहे हैं। यही कारण है कि ये राज्य धीरे-धीरे पिछड़ते जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा, उनके पास कोई अन्य मुद्दा नहीं है और वे अपने राजनीतिक हितों को हासिल करने के लिए भावनाओं को भड़का रहे हैं।

कांग्रेस जिस रास्ते पर जा चुकी है, मुझे नहीं लगता कि उसके पनपने की कोई संभावना बची है : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस अपने मूल से भटक चुकी है, अपने मूल्यों से भटक चुकी है और अपने अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है, और वह अपना मृत्यु प्रमाणपत्र स्वयं लिखने की ओर अग्रसर है। योगी आदित्यनाथ ने समाचार एजेंसी के साथ एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि कांग्रेस ने जो रास्ता अपनाया है, उसे देखते हुए देश में उसके बढने या पनपने की कोई संभावना नहीं है और लोग अब उसका समर्थन नहीं कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि राजग एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रीय और नीतीश कुमार के राज्य नेतृत्व में बिहार विधानसभा चुनाव जीतेगा।

आदित्यनाथ ने भाजपा के केंद्रीय नेताओं के साथ मतभेदों की खबरों को खारिज किया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राजनीति उनके लिए फुल टाइम जॉब नहीं है और वह दिल से योगी हैं। योगी आदित्यनाथ ने लोगों के एक वर्ग द्वारा उन्हें भारत के भावी प्रधानमंत्री के तौर पर देखे जाने के सवाल पर सीधी प्रतिक्रिया देने से बचते हुए यह जवाब दिया। आदित्यनाथ ने पीटीआई-भाषा के साथ एक साक्षात्कार के दौरान उनके और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के केंद्रीय नेताओं के बीच मतभेद की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि वह पार्टी की वजह से मुख्यमंत्री की कुर्सी पर हैं।

उत्तर प्रदेश 2030 तक देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश तेजी से आर्थिक प्रगति कर रहा है और यह 2030 तक राष्ट्रीय औसत के बराबर प्रति व्यक्ति आय के साथ देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। आदित्यनाथ ने समाचार एजेंसी के साथ साक्षात्कार में कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उनके आठ साल के कार्यकाल के दौरान उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। उन्होंने पिछले कुछ दशक में राज्य के विकास की उपेक्षा करने के लिए पिछली सरकारों की आलोचना की। मुख्यमंत्री ने कहा, जब भारत स्वतंत्र हुआ था, तब उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत के बराबर थी। वित्त वर्ष 2016-17 में यह घटकर राष्ट्रीय औसत की एक-तिहाई रह गई। हम इसे 2016-17 के स्तर से दोगुना करने में सफल हुए हैं।

विपक्ष चाहता था पिछली कुंभ त्रासदियों की तरह इस बार भी सैकड़ों मौतें होतीं : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि विपक्ष चाहता था कि पिछली कुंभ त्रासदियों की तरह इस बार भी सैकड़ों मौतें होतीं , लेकिन उनकी सरकार की ओर से की गई शानदार व्यवस्था और जनता के सहयोग से यह सुनिश्चित हुआ कि जनवरी में हुई भगदड़ की घटना के दौरान प्रत्येक पीड़ित को तत्काल चिकित्सा सुविधा मिली। समचार एजेंसी के साथ एक विशेष साक्षात्कार में योगी ने अस्पताल में पीड़ितों से हुई मुलाकात को याद किया। उन्होंने बताया कि पीड़ितों ने उनसे कहा, सरकार दोषी नहीं है। हम पवित्र स्नान के लिए हड़बड़ी में घाटों की तरफ भाग रहे थे... पुलिस ने हमें रोकने की कोशिश की, लेकिन हम तड़के चार बजे तक घाटों पर स्नान करने के लिए आतुर थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि श्रद्धालुओं ने उनसे कहा कि वे अफरा-तफरी में घिर गए, लेकिन किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई मत कीजिए। योगी ने विपक्षी दलों के इस आरोप को खारिज कर दिया कि सरकार ने भगदड़ की घटना में मरने वाले लोगों की वास्तविक संख्या छिपाई है। उन्होंने 2025 के महाकुंभ मेले में किए गए सुरक्षा उपायों की तुलना पिछली सरकारों में हुए कुप्रबंधन से की। योगी ने कहा, 2013 में (समाजवादी पार्टी के शासन के दौरान) कोई पक्का घाट या गलियारा नहीं बनाया गया था।

सड़कें नमाज के लिए नहीं, यातायात के लिए हैं, बाकियों को हिंदुओं से अनुशासन सीखना चाहिए : मुख्यमंत्री योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़कों पर नमाज अदा करने के खिलाफ मुसलमानों को प्रशासन द्वारा दी गई चेतावनी का बचाव करते हुए कहा है कि सड़कें यातायात के लिए होती हैं। आदित्यनाथ ने मुसलमानों से यह भी कहा कि वे हिन्दुओं से धार्मिक अनुशासन सीखें, जो विशाल महाकुंभ मेले में शामिल हुए लेकिन इस दौरान अपराध, तोड़-फोड़ या उत्पीडन् की कोई घटना नहीं हुई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने विशेष साक्षात्कार के दौरान वक्फ (संशोधन) विधेयक के आलोचकों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड स्वार्थी हितों के साथ-साथ लूट खसोट के अड्डा बन गए हैं और इन्होंने मुसलमानों के कल्याण के लिए बहुत कम काम किया है। योगी आदित्यनाथ ने हिंदू मंदिरों और मठों द्वारा शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में किए गए दान का उदाहरण देते हुए सवाल किया कि क्या कई गुना अधिक संपत्ति होने के बावजूद किसी वक्फ बोर्ड ने इस तरह का कल्याणकारी कार्य किया है? उन्होंने कहा, देखिए, हर अच्छे कार्य का विरोध होता है। वैसे ही वक्फ संशोधन विधेयक पर भी हो-हल्ला हो रहा है। ये जो हो-हल्ला कर रहे हैं, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या कोई ऐसा कल्याणकारी काम है जो वक्फ बोर्ड के माध्यम से किया गया हो? सारे समाज की बात तो छोड़िए, क्या वक्फ संपत्तियों का इस्तेमाल मुसलमानों के कल्याण के लिए किया गया है? मुख्यमंत्री ने कहा कि ये व्यक्तिगत स्वार्थ के अड्डे बने हुए हैं। चंद लोगों की लूट- खसोट के अड्डे बने हुए हैं। यह (वक्फ) किसी भी सरकारी संपत्ति पर जबरन कब्जा करने का माध्यम बना हुआ है और सुधार इस समय की मांग है तथा हर सुधार का विरोध होता है। देश, काल और परिस्थिति के अनुसार हमें उसके लिए तैयार होना चाहिए और मुझे लगता है कि इसका लाभ मुस्लिम समाज को भी होगा।

पहली बार परिवहन निगम में आउटसोर्स डिपो इंचार्ज की हुई भर्ती

बस स्टेशन और वर्कशॉप भी निजी हाथों में

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम में धीरे-धीरे निजीकरण बढ़ रहा है। चालक - परिचालक अब निजी फर्मों से भर्ती किए जा रहे हैं। रोडवेज के वर्कशॉप निजी हाथों में सौंप जा रहे हैं। बस स्टेशनों को भी प्राइवेट हाथों में दिया जा रहा है। यही नहीं कंसल्टेंट भी बाहर से ही रखे जा रहे हैं। इन सबके बाद अब पहली बार डिपो इंचार्ज भी प्राइवेट फर्म के जरिए ही भर्ती किए गए हैं। परिवहन निगम ने डिपो इंचार्ज और विधि अधिकारियों की भर्ती की जिम्मेदारी वंशिका नाम की फर्म को दी थी। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम में दिन प्रतिदिन अधिकारियों और कर्मचारियों की संख्या कम होती जा रही है। ऐसे में डिपो और बस स्टेशन का संचालन भी मुश्किल होने लगा है। बसों के संचालन के लिए चालकों की कमी है तो वर्कशॉप और बस स्टेशन पर अधिकारियों की कमी से परिवहन निगम जूझ रहा है। सीधे पदों पर भर्ती पिछले कई सालों से बंद है। ऐसे में निगम प्रशासन के सामने एक ही रास्ता बचा है कि बाह्य स्त्रोत अधिकारियों और कर्मचारियों की भर्ती की जाए। अब इसी रास्ते पर परिवहन निगम तेजी से आगे बढ़ भी रहा है। दो दिन पहले ही परिवहन निगम प्रशासन की तरफ से एक निजी फर्म से साक्षात्कार के जरिए 68 डिपो इंचार्ज की नियुक्ति की गई है, वहीं छह विधि अधिकारी भी इसी तरह रखे गए हैं। कुल मिलाकर 68 डिपो इचांर्ज की बाह्य स्रोत भर्ती हुई है। इनमें 26 जनरल कैटेगरी, 16 ओबीसी कैटेगरी, 12 अनुसूचित जाति कैटगरी के, एक अनुसूचित जनजाति और और तीन ईडब्ल्यूएस कोटे से हैं। इसके अलावा विधि अधिकारी भी आउटसोर्स ही रखे गए हैं। इनकी संख्या छह है।

19 कार्यशालाओं को भी किया निजी फर्मों के हवाले

इससे पहले उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम प्रशासन ने अपनी 19 कार्यशालाओं को भी निजी फर्म के हवाले कर दिया। इनमें मेरठ का सोहराब गेट डिपो, सहारनपुर क्षेत्र का छुटमलपुर डिपो, अलीगढ़ क्षेत्र का एटा डिपो, कानपुर क्षेत्र का विकास नगर डिपो, नजीराबाद डिपो, हरदोई डिपो, अवध डिपो, जीरो रोड डिपो, ताज डिपो, साहिबाबाद डिपो, बदायूं डिपो, इटावा डिपो, झांसी डिपो, कैंट डिपो, बांदा डिपो और बलरामपुर डिपो।

23 बस स्टेशन पीपीपी मॉडल पर

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने अपने 23 बस स्टेशनों को पीपीपी मॉडल पर विकसित करने का फैसला लिया। यानी यह बस स्टेशन प्राइवेट फर्म बनाकर तैयार करेंगी और अगले 90 सालों के लिए इन्हें अपने कब्जे में लेंगी। इनमें चारबाग (लखनऊ), सोहराबगेट (मेरठ), जीरो रोड (प्रयागराज), अमौसी (लखनऊ) , अयोध्याधाम, रायबरेली, कौशाम्बी (गाजियाबाद) बस स्टेशन (गाजियाबाद), डिपो कार्यशाला अमौसी (लखनऊ), बस स्टेशन बुलन्दशहर, बस स्टेशन डिपो कार्यशाला साहिबाबाद (गाजियाबाद), नोएडा बस स्टेशन, फाउन्ड्रीनगर बस स्टेशन/डिपो कार्यशाला (आगरा)।

वीआईपी नंबरों की बुकिंग आज से

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। उप संभागीय परिवहन कार्यालय ट्रांसगोमती देवा रोड़ लखनऊ में आज से नए निजी हल्के वाहनों की सीरीज 'क्यूएल' शुरू हो रही है। वीआईपी नंबर चाहने वाले 5 से 8 अप्रैल तक बोली लगा सके। वीआईपी नंबरों के आवेदक 2 अप्रैल से 4 अप्रैल तक रजिस्ट्रेशन करा सकते है। यह जानकारी एआरटीओ प्रशासन हिमांशु जैन ने दी। उन्होंने बताया कि बुधवार से हल्के वाहनों की सीरीज शुरू हो रही है।वीआईपी नंबरों की चाहत रखने वाले आवेदक परिवहन विभाग की वेवसाइट-parivahn.gov.in/fancy पर बुक कर सकते है।

लखनऊ नगर निगम ने गृहकर वसूली का नया रिकॉर्ड बनाया, नागरिकों का आभार

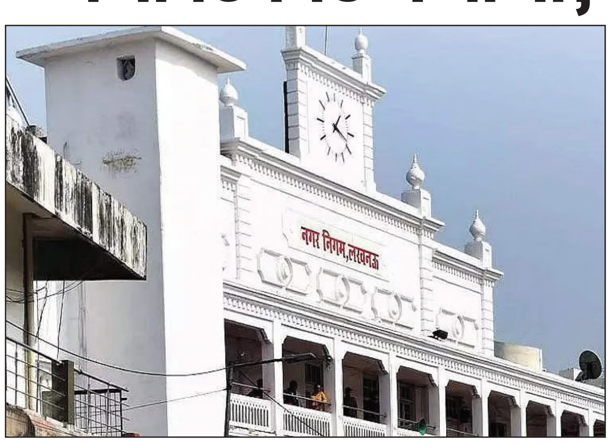

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। लखनऊ नगर निगम ने इस साल गृहकर वसूली के मामले में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। नगर निगम ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक की सबसे अधिक राशि, 579.03 करोड़ रुपये गृहकर के रूप में जमा की है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 150 करोड़ रुपये अधिक है। इस कर वसूली में माननीय महापौर सुषमा खर्कवाल जी के मार्गदर्शन से लगातार टैक्स में वृद्धि हुई। महीने के चारों शुक्रवार को समाधान दिवस आयोजित किया गया। जिसमें लोगों की जीआईएस से जुड़ी समस्याओं का निस्तारण करके टैक्स जमा कराया गया। नगर आयुक्त श्री इन्द्रजीत सिंह ने लखनऊ के नागरिकों को उनकी सक्रिय भागीदारी और समय पर कर जमा करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि नगर निगम अपनी आय बढ़ाने और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए लगातार प्रयासरत है।

सीलिंग अभियान से बढ़ी वसूली

बड़े बकायेदारों से वसूली के लिए निगम ने 6000 से अधिक भवनों को सील किया। इससे लंबित गृहकर की वसूली तेजी से हुई और नगर निगम को बड़ा आर्थिक लाभ मिला।

वर्षों में लगातार बढ़ती आय

नगर निगम की गृहकर वसूली लगातार बढ़ रही है।

वर्ष	गृहकर वसूली (रु. करोड़ में)
2013-14	107.98
2014-15	130.14
2015-16	150.44
2016-17	192.26
2017-18	177.02
2018-19	234.16
2019-20	208.21
2020-21	270.84
2021-22	290.08
2022-23	341.36
2023-24	425.84
2024-25	579.03

डिजिटल भुगतान से आसान हुआ टैक्स जमा करना

निगम ने गृहकर भुगतान को आसान बनाने के लिए डिजिटल माध्यमों को बढ़ावा दिया है। अब नागरिक एसएमएस अलर्ट, ऑनलाइन बैंकिंग, पेटीएम, यूपीआई और अन्य डिजिटल माध्यमों से आसानी से अपना गृहकर जमा कर सकते हैं। वर्ष 2024-25 में :-

- ऑनलाइन बैंकिंग से 1.40 लाख ट्रांजेक्शन हुए, जिससे 62.19 करोड़ रुपये जमा हुए।
- पेटीएम क्यूआर कोड से 40 हजार ट्रांजेक्शन हुए, जिससे 22.86 करोड़ रुपये प्राप्त हुए।
- आरटीजीएस और एनईएफटी के जरिए क्रमशः 84.74 करोड़ और 75.55 करोड़ रुपये की वसूली हुई।
- बीबीपीएसी से 59,025 लोगों ने भुगतान किया, जिसमें 23.83 करोड़ रुपये जमा हुए। व्हाट्सऐप के माध्यम से 74 भवन स्वामियों ने 3,19,469 रुपये जमा किए हैं।

समग्र कर वसूली में जबरदस्त उछाल

फिलहाल नगर निगम ने 5,05,689 भवन मालिकों (आवासीयः 4,33,581 व कमर्शियलः 72,108) से गृहकर वसूला है। पिछले वित्तीय वर्ष में 4,16,000 भवन मालिकों ने गृहकर जमा किया था। कुल कर वसूली में भी लगभग 50प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

- 2023-24 में: नगर निगम ने कर व करेत्तर से 909 करोड़ रुपये टैक्स जमा किया था।
- 2024-25 में: यह आंकड़ा इस वित्तीय वर्ष 1355.32 करोड़ रुपये पहुंच गया।

नगर निगम की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से लखनऊ शहर को और अधिक सुव्यवस्थित और विकसित करने में मदद मिलेगी। नगर आयुक्त ने सभी करदाताओं से आगे भी समय पर गृहकर जमा करने की अपील की, जिससे शहर की सुविधाएं और बेहतर की जा सकें।

नगर निगम लखनऊ के यूजर चार्ज कलेक्शन में 48प्रतिशत की बढ़ोतरी

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ द्वारा जारी यूजर चार्ज कलेक्शन और तुलना रिपोर्ट (2024-25) के अनुसार, इस वर्ष कुल वसूली में 48प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। 2023-24 में जहां रु12.84 करोड़ का कलेक्शन हुआ था, वहीं 2024-25 में यह बढ़कर रु19.13 करोड़ हो गया।

जोन-वार तुलना (2023-24 बनाम 2024-25)

जोन 1:	रु1,46,60,564	रु2,05,27,599 (40प्रतिशत वृद्धि)
जोन 2:	रु73,80,926	रु1,06,49,477 (44प्रतिशत वृद्धि)
जोन 3:	रु2,07,55,982	रु2,74,66,968 (32प्रतिशत वृद्धि)
जोन 4:	रु2,36,80,290	रु4,13,42,969 (74प्रतिशत वृद्धि)
जोन 5:	रु1,38,05,087	रु1,71,62,472 (24प्रतिशत वृद्धि)
जोन 6:	रु1,46,01,793	रु2,67,85,468 (83प्रतिशत वृद्धि)
जोन 7:	रु93,84,208	रु2,02,08,366(115प्रतिशत वृद्धि)
जोन 8:	रु2,41,41,347	रु2,72,03,663 (13प्रतिशत वृद्धि)

अवैध खनन पर मुकदमा दर्ज डम्फर सीज

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के महिगवां थाना क्षेत्र में अवैध खनन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है। सरकारी जमीन पर अवैध खनन करने के आरोप में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है और एक डंपर को सीज कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक, बीकेटी के ग्राम भौली निवासी मंगल और महिगवां निवासी शिवकुमार शुक्ला समेत अन्य लोग अवैध खनन में संलिप्त थे। बताया जा रहा है कि राजधानी में लगातार अवैध खनन हो रहा है, जिसमें कुछ पुलिसकर्मियों की शह भी मिली हुई है। थाना मड़ियांव के मुबारकपुर निवासी राम अचल की जेसीबी भी इस अवैध खनन में इस्तेमाल की जा रही थी। मामले में कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और खनन अधिकारी इस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है।

हीट वेव से बचाव के लिए क्षेत्रीय अधिकारियों को दिए निर्देश

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम मुख्यालय में मंगलवार को प्रदेश के सभी अधिकारियों के साथ वीडियो कॉफ्रेंसिंग के मध्यम से मासूम अली सरवर, प्रबंध निदेशक, परिवहन निगम ने परिवहन निगम मुख्यालय मे बैठक की। बैठक में बसों में आग लगने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए विभिन्न तरीके से कर्मचारियों को जागरूक किये जाने के निर्देश दिये। गर्मी के मौसम को देखते हुए रोडवेज के अधिकारी अपनी सभी बसों में 13 बिंदु और 31 बिंदु के निर्देश का पालन कराएंगे। वातानुकूलित बसों में पर्दे बढ़ाए जाएं। अग्निशमनयंत्र की वैधता देख ली जाए और क्रियाशील हो। समय से सभी कर्मचारियों और चालक परिचालकों को डेमोंस्ट्रेसन के माध्यम से ट्रेनिंग दी जाए। सभी बस स्टेशन पर वॉटर कूलर क्रियाशील रहे और उनकी सफाई भी समय समय पर कराई जाए। सभी अधिकारी ध्यान दें अपने कर्मचारियों और आने वाले यात्रियों के लिए बैठने के लिए कुर्सिया/बेंच की सुविधा के साथ शेड हो। सभी अधिकारियों को सीएमओ से ओआरएस के पैकेट लेकर अपने अधीनस्थ कर्मचारियों और स्टेशन पर आने वाले यात्रियों को उपलब्ध्य कराया जाए जिससे अधिक गरम मौसम में उनका बचाव हो सके।

'घोंघाबसन्त सम्मेलन' में ममता कुलकर्णी की धूम!

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ। प्रत्येक वर्षों की तरह इस वर्ष भी अखिल भारतीय सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं समाजसेवी संस्था 'रंगभारती' द्वारा रवींद्रालय लखनऊ में विश्व का सबसे पुराना हास्य-आयोजन 'घोंघाबसंत सम्मेलन' हास्य-उत्सव के रूप में 1 अप्रैल को पूरे उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। हंसी के धमाकों में लोगों ने हास्य-उत्सव का जमकर आनन्द लिया। समारोह में मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक थे, जिन्होंने अपने सम्बोधन में इस बात की प्रशंसा की कि श्याम कुमार जी के नेतृत्व में 'रंगभारती' ने अनेक नई-नई शुरुआतें कीं, जिनमें से एक प्रयोग 'घोंघाबसंत सम्मेलन' है। वर्ष 1961 में इसे देश के पहले हास्य कविसम्मेलन के रूप में शुरू किया गया था। 'घोंघाबंसत सम्मेलन' शीर्षक यह हास्य-उत्सव विगत 64 वर्षो से आयोजित हो रहा है तथा इसे विष्व का सबसे पुराना हास्य-आयोजन माना जाता है। देशभर में इस आयोजन की बहुत ख्याति है। आयोजन में विशेष अतिथि के रूप में ब्रजेष पाठक की पत्नी नम्रता पाठक, महंत देव्यागिरि आदि भी उपस्थित थीं।बतादे कि 'रंगभारती' की स्थापना 1961 में हुई थी तथा उसी वर्ष 'रंगभारती' ने 'घोंघाबसंत सम्मेलन' के रूप में देश का पहला हास्य कविसम्मेलन इलाहाबाद(प्रयागराज) के परी भवन में आयोजित किया था, जो बाद में रवीन्द्रालय की स्थापना होने पर लखनऊ में सम्पन्न होने लगा। देश के अन्य विभिन्न नगरों में भी 'रंगभारती' हास्य-उत्सव के आयोजन करती आ रही है, जिसके अन्तर्गत बड़े-बड़े हास्य कविसम्मेलन सम्पन्न होते हैं। इन 'हास्य-उत्सवों' का उद्देश्य होता है- 'आज की तनावभरी जिन्दगी में हंसना-हंसना 'घोंघाबसन्त सम्मेलन' में इन सुविख्यात हास्य-व्यंग्य कवियों ने अपनी रचनाओं से खूब मनोरंजन कियाः- डॉ. सुरेष अवस्थी (कानपुर), समीर शुक्ल (फतेहपुर), कमलेष मौर्य 'मृदु (सीतापुर),अमित अनपढ़ (लखनऊ), अरविंद झा (लखनऊ), जमुना प्रसाद पांडेय 'अबोध' (रायबरेली), निर्भय निष्छल (लखनऊ), संदीप अनुरागी (बाराबंकी), विनोद सिंह कलहंस (बलरामपुर), डॉ. ताराचंद 'तनहा' (अयोध्या), राज बनारसी (वाराणसी), श्याम कुमार (लखनऊ) आदि । बतादे कि वर्ष 1961 में 'रंगभारती' द्वारा आयोजित देश के प्रथम हास्य-कविसम्मेलन में हास्यरस के महाकवि एवं 'रंगभारती' के सदस्य स्वर्गीय बेढब बनारसी ने भाग लिया था। महाकवि बेढब बनारसी के नाम पर स्थापित 'बेढब बनारसी रंगभारती सम्मान' इस वर्ष सुविख्यात हास्य-व्यंग्य कवि एवं अपनी रचनाओं से देश-विदेश में धूम मचाने वाले रचनाकार डॉ. सुरेश अवस्थी को प्रदान किया गया।

लखनऊ समेत उत्तर प्रदेश में 31500 जगहों शांतिपूर्वक ईद की नमाज हुई

» संभल में नमाजियों पर बरसाए गये फूल
» लखनऊ में ईद की नमाज में पांच लाख से ज्यादा मुस्लिम हुए शामिल
» सहारनपुर में ईद के बाद कुछ लोगों ने फिलिस्तीन का झंडा दिखाया

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश समेत पूरे देश में ईद का त्यौहार बड़े हर्षोल्लास और अमन-शांति के साथ मनाया गया है। राजधानी लखनऊ के ऐशबाग ईदगाह में प्रदेश की सबसे बड़ी ईद उल फित्र की नमाज अता की गई है। इसमें करीब पांच लाख से ज्यादा मुस्लिम शामिल हुए थे। इसके अलावा संभल, सहारनपुर, अयोध्या और आगरा समेत प्रदेश के सभी जिलों में ईद की नमाज सकुशल संपन्न हो गई है। सभी जिलों में मस्जिद, ईदगाह समेत नमाज अदा की जाने वाली अन्य जगहों पर भारी मात्रा में पुलिस फोर्स तैनात की गई थी। इसको लेकर डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि प्रदेश में 31,500 से ज्यादा जगहों पर ईद की नमाज सकुशल अता की गई है। शाम में भी यह सतर्कता बरती जाएगी। लखनऊ में ऐशबाग ईदगाह के अलावा टीले वाली मस्जिद समेत अन्य जगहों पर बड़ी संख्या में मुसलमान ईद की नमाज अता करने के लिए पहुंचे थे। नमाज के बाद अरबी में खुतबा अब्दुल हई रशीद फरगी महली ने दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में औरतों ने भी ईदगाह पहुंचकर ईद की नमाज अदा की। महिलाओं की नमाज के लिए विशेष इंतिजाम किए गए थे। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस मौजूद थी। पुलिस ड्रोन और एआई की मदद से निगरानी रख रही थी। इसके अलावा आगरा में ताजमहल परिसर में ईद-उल-फितर 2025 के मौके पर लोगों ने नमाज अदा की है। संभल में सईद अख्तर इसरायली ने धार्मिक सौहार्द की मिसाल पेश की है। उन्होंने ईद के मौके पर नमाजियों पर पुष्प वर्षा की। इस तरह प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी ईद की नमाज सकुशल संपन्न हुई।

ईद तपस्या और त्याग का प्रतीक : उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक

ईद के मौके पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि ईद के मुबारक मौके पर मैं उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से प्रदेशवासियों को बहुत-बहुत बधाईयां और शुभकामनाएं देता हूं। ईद का त्योहार एक दूसरे के साथ खुशियां मनाने और गले मिलने का त्योहार है। पीएम मोदी 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के तहत जन-जन को जोड़ते हुए मुस्लिम समाज और सर्व समाज के जीवन में उत्थान लाने के लिए काम कर रहे हैं। प्रदेश का सर्वांगीण विकास 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के आधार पर हो रहा है।

हम सभी मिल-जुलकर भाईचारे के साथ रहें, मैं यही संदेश देता हूं : दानिश

अल्पसंख्यक राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि ईद भाईचारे का त्योहार है। हम 30 दिनों तक रोजा रखते हैं। यह त्योहार तपस्या और त्याग का प्रतीक है। खासकर मुस्लिम समाज के लिए हमारी डबल इंजन की सरकार ने धरातल पर बहुत ईमानदारी के साथ काम किया है। हम सभी मिल-जुलकर भाईचारे के साथ रहें, मैं यही संदेश देता हूं।

पूरे प्रदेश में ईद की नमाज हुई सकुशल सम्पन्न : डीजीपी

यूपी डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में ईद-उल-फितर की नमाज शासन की ओर से दिए गए निर्देशों के क्रम में सकुशल संपन्न हुई है। लोगों ने धर्म गुरुओं के कहने और शासन के निर्देशों के अनुसार सार्वजनिक स्थानों पर नमाज नहीं पढ़ी है। शाम में भी यह सतर्कता बरती जाएगी। मैं इस अवसर पर सभी को ईद-उल-फितर की सभी को शुभकामनाएं देता हूं। वहीं संभल जिले के एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि संभल जिले में 100 से ज्यादा ईदगाहों और मस्जिदों में नमाज अदा की गई है। सुबह 10:30 बजे तक सभी नमाजें शांतिपूर्वक संपन्न हो गईं है। हालांकि सहारनपुर में ईद की नमाज के बाद कुछ लोगों के कथित तौर पर फिलिस्तीन का झंडा दिखाने और नारेबाजी करने का वीडियो वायरल हुआ था। इस मामले का संज्ञान लेकर एसपी सिटी व्योम बिंदल ने कहा कि जांच की जा रही है। जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नशे के लिए पैसा नहीं दिया तो मां व पिता को पीटा

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। गोसाईंगंज इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति ने नशे के लिए पैसा देने से मना करने पर अपने ही मां व पिता की पिटाई कर दी। पिता ने बेटे के खिलाफ गोसाईंगंज थाने पर मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित बेचालाल निवासी ग्राम सुरियामऊ गोसाईंगंज जिला लखनऊ का मूल निवासी है। उन्होंने बताया कि 29 मार्च की रात लगभग 11बजे रात में पीड़ित का लडका लवकुश नशा करने के लिए मां बिटाना से जबरन रुपया माँग रहा था उनके द्वारा रूपया देने से इन्कार करने पर गन्दी-2 गालिया देते हुए धार दार औजार से मारा पीटा जिससे उनके दाहिने हाथ के अगूंठे में चोट आई है। बचाव करने पर पीड़ित को भी गन्दी -गन्दी गालिया देते हुए लात घूसो आदि से मारा पीटा।

बस्ती के बीच शराब ठेके को लेकर लोगों ने दिया धरना

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र के मझिगवां में बस्ती के बीच में खुल रहे शराब के ठेके के विरोध में ग्रामीणों व भाकियू कार्यकर्तओं ने धरना दिया। मंझिगवां में बस्ती के अंदर शराब का ठेका खोला जा रहा जिसको बस्ती के बीच से हटाने को लेकर ग्रामीणों व भारतीय किसान यूनियन के लोगों ने मंगलवार को धरना दिया। धरना दे रहे लोगों का कहना है कि बस्ती के अंदर शराब का ठेका खुलने से उधर से निकलने वाली छात्राओं व महिलाओं के साथ ही आम लोगों पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ेगा। आसपास के लोगों का रहना दुश्वार हो जाएगा। इसके चलते हम लोग प्रशासन से मांग कर रहे है कि यह ठेका यहां से हटाकर कहीं और खोला जाए। धरने में विनोद कुमार दिनेश पाल बैजनाथ मेवालाल बद्रीप्रसाद शिवकुमार सावित्री केशवती शिवरानी विद्यावती सहित अन्य महिलायें व पुरूष मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में व्यक्ति का मिला शव

» हत्या कर डेड बॉडी फेंकने की आशंका
» पुलिस बता रही सड़क हादसा
» सरोजनीनगर इलाके की घटना

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। सरोजनीनगर कोतवाली क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में एक अधेड़ का शव पड़ा मिला। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल कर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के पास मिले आईडी कार्ड से उसकी शिनाख्त की। पुलिस ने कहा है कि आईडी कार्ड के आधार पर उसकी पहचान बिहार स्टेट के मुजफ्फरपुर चंदौली हरखौली कटरा निवासी ज्ञानी माझी 45 के रूप में हुई। शिनाख्त के बाद पुलिस ने इसकी सूचना मृतक के परिजनों को दे दी है। मृतक के परिवार में उसकी पत्नी वा दो बेटे और दो बेटियां हैं। बताते हैं कि सोमवार सुबह करीब 7बजे सरोजनीनगर में गहरू रजबहा नहर स्थित बसंत खेड़ा-गहरू के बीच सार्वजनिक शौचालय के पास झाड़ियों के किनारे शव पड़ा देख राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मृतक के शरीर में कई जगह चोटों के निशान होने के अलावा उसका पूरा शरीर धूल से लिपटा हुआ था। लोगों में चर्चा है कि हत्या कर शव को यहां फेंका गया है। वहीं मृतक के परिजनों की माने तो करीब साल भर पहले ज्ञानी को गांव में ही रहने वाला अनिल साहनी मजदूरी करने के लिए बुलाकर घर से लाया था। लेकिन परिजनों का कहना है ज्ञानी यहां कहां और किसके साथ रहता था, यह उन्हें नहीं पता है। उधर सरोजनीनगर पुलिस इस सड़क दुर्घटना बता रही है। पुलिस का कहना है कि किसी वाहन की टक्कर लगने से उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का पता लग पाएगा।

ट्रेन की चपेट में आने से पांच गौवंशों की मौत

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। सोमवार को एक बड़ा हादसा हुआ अमानीगंज में रेलवे लाइन पर तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आने से पांच बेसहारा गौवंशो की मौत हो गई। मलिहाबाद माल रोड पर पड़ने वाली रेलवे क्रासिंग के पास सोमवार दोपहर बाद लखनऊ से दिल्ली जा रही सुपरफास्ट ट्रेन की चपेट में आने से 3 गौवंशो की मौत हो गई उनके शव छत विक्षत हो गए।जबकि दो गौवंश गंभीर घायल है जिनका उपचार चल रहा है। स्थानीय लोगों ने रेलवे विभाग की लापरवाही पर नाराजगी जताई है। रेलवे ट्रैक पर बेसहारा पशुओं का घूमना आम बात हो गई है। इससे पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। लेकिन प्रशासन ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। लोगों ने रेलवे ट्रैक के आसपास सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। साथ ही बेसहारा पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की भी मांग की है। उनका कहना है कि प्रशासन को जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करना चाहिए।प्रभारी निरीक्षक बैजनाथ ने बताया कि पशु चिकित्सकों की मदद से मृत गौवंशो का पोस्टमार्टम कराया गया सोमवार शाम को से उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

फावड़े से किया जानलेवा हमला, मुकदमा दर्ज

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। बंथरा इलाके में दरवाजे पर बैठी एक महिला को दबंगों ने बिना किसी वजह ही गाली देने लगे। जब तक पीड़िता कुछ समझ पाती तब तक उसके पति पर फावड़े से हमला कर दिया। इस मामले की एक शिकायत महिला शिव देवी ने थाने पर देकर आरोपियों के खिलाफ गाली देने और फावड़े से हमला करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की पड़ताल कर रही है। बंथरा के लतीफ़ नगर निवासी शिव देवी पत्नी स्वर्गीय छोटा ने पुलिस को बताया कि 31मार्च-25 को शाम 6 बजे अपने दरवाजे पर थी। तभी इतने में गुड्डू पुत्र नन्हा, सनी पुत्र गुड्डू अचानक शिव देवी को गंदी-गंदी गालियां देने लगा और कहा की कल खेत बेचा है, रुपए नहीं देगी और गाली देते हुए कहा कि मिट्टी क्यों डाली। जब तक शिव देवी कुछ समझ पाती तब तक दबंगों ने उसके पति गुड्डू, नन्हा ने शिव देवी के सिर पर फावड़े से जान लेवा हमला कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तफ्तीश शुरू कर दी है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर को वाहन ने रौंदा, मौत

» वर्क-फ्रॉम होम कर रहा था इंजीनियर
» इकलौते बेटे की मौत से मां बेसुध

ग्रुप 5 संवाददाता

फाइल फोटो

लखनऊ। राजधानी में देवा रोड स्थित टेल्को के पास रविवार देर रात एक अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार सॉफ्टवेयर इंजीनियर गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर उन्हें गंभीर हालत में राम मनोहर लोहिया अस्तपताल में भर्ती कराया। जहां उनकी मौत हो गई। बाराबंकी देवा रोड स्थित राम विहार निवासी बिजनेसमैन धनंजय पांडे पत्नी रंजना और इकलौते बेटे क्षितिज (34) के साथ रहते थे। उन्होंने बताया कि बेटा क्षितिज पांडे (34) एक मल्टी नेशलन कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर था। आजकल वह वर्क फ्रॉम होम कर रहा था। उन्होंने बताया- क्षितिज रविवार देर शाम स्कूटी से कुछ ही देर में लौटने की बात कह कर निकला था। रात करीब 11 बजे घर वापस लौटते वक्त टेल्को के पास किसी वाहन की चपेट में स्कूटी आ गई। जिससे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसकी सूचना पुलिस ने दी थी। दूसरी तरफ इकलौते बेटे क्षितिज की मौत के बाद से मां रंजना का रो-रोकर बुरा हाल है चिनहट पुलिस के मुताबिक, राहगीरों ने एक युवक के घायल होने की सूचना दी। मौके पर पहुंच कर गंभीर रूप से घायल क्षितिज को इलाज के लिए राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचाया गया। साथ ही उसके परिजनों के विषय में जानकारी कर सूचना दी गई। जहां उसकी मौत हो गई। सीसीटीवी फुटेज की मदद से स्कूटी में टक्कर मारने वाले वाहन के विषय में जानकारी जुटाई जा रही है।

गोमती नदी में डूबे दो युवक, दोनों की मौत

» बिशनपुर घाट पर नहाते समय हादसा
» दोनों एक ही गांव के रहने वाले

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। माल थाना क्षेत्र में गोमती नदी में नहाने के दौरान दो युवकों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान महीठा के बिशुनपुर घाट के पास के मवई गांव निवासी सर्वेश कुमार (23) पुत्र छोटेलाल और सर्वेश (22) पुत्र मूलचंद के रूप में हुई है। माल थाना प्रभारी आनंद कुमार द्विवेदी ने बताया कि दोनों युवक नदी में नहाने गए थे। नदी में डूबने से उनकी मौत हो गई। एक ही गांव के दो युवकों की मौत से पूरे इलाके में शोक की लहर है। घटना के बाद से मृतकों के परिवारों में मातम छाया हुआ है। गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। स्थानीय प्रशासन मामले की जांच कर रहा है। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मानसिक रूप से परेशान युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। मलिहाबाद क्षेत्र के हरिहरपुर गांव में किसान ने बीमारी से परेशान होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान वसीम अहमद के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया वसीम अहमद काफी समय से मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे।मंगलवार सुबह 8 बजे शौंच के लिए घर से निकले थे 9 बजे जब वह घर पर नहीं पहुंचे तो उनके भाई और परिवार के अन्य सदस्य उनकी तलाश में जुट गए। काफी देर तक खोजबीन करने के बाद गांव के ही दोस मोहम्मद के बाग में पहुंचे जहां वसीम का शव पेड़ से लुंगी के सहारे लटका मिला। परिजनों ने बताया वसीम लंबे समय से किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित थे जिससे वह अत्यधिक तनाव में रहते थे। आशंका जताई जा रही है कि इसी तनाव के चलते उन्होंने आत्महत्या कर ली। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। मृतक वसीम आठ भाई थे परिवार में पत्नी रूबी और बेटा यूसुफ बेटी सायरा और बानों है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

मिट्टी डालने के विरोध में लात घुसों और लाठी डंडों से मारा पीटा

जान से मारने की धमकी दी, रिपोर्ट दर्ज

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। बंथरा इलाके में मिट्टी डालने को लेकर एक व्यक्ति को लाठी डंडों और लात घुसो से मारा पीटा और जान से मारने की धमकी दी गयी है। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल कर आगे की कार्रवाई में लगी है। बंथरा के लतीफ़नगर निवासी किरण पत्नी गुड्डू रावत ने बताया कि 31मार्च-25 को मेरी अनुपस्थित में समय करीब 5 बजे शाम ही मेरे ही परिवार के ही रमेश पुत्र स्वर्गीय शंकर रावत संजू व बबलू स्वर्गीय गया प्रसाद रावत व शैलेन्द्र पुत्र संजू ने मेरे पति गुड्डू रावत को अकेला पाकर मनमानी तरीके से मिट्टी डालने के विरोध मे एक जुट होकर लात घुसो और लाठी डंडों से मारा पीटा और बीच बचाव करने के बाद भागे विपक्षियों ने जान से मारने की धमकी भी दे डाली। इससे परेशान होकर डरी-सहमी पीड़िता किरण ने थाने पर तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य अभियन्ता/थर्मिट पोर्शन प्लांट उ.रे. चारबाग, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई.–निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	निविदा सं0	कार्य का नाम
1	10/टी.पी.पी./चारबाग/लखनऊ/2023-24	आयरन ऑक्साइड फ्लेक्स (मिल स्केल) तथा स्टील चिप्स की कैल्सीनिंग और छनाई के लिए थर्मिट पोर्शन प्लांट के परिसर में इलेक्ट्रिक रोटरी कैल्सीनेटर का निर्माण और स्थापना तथा, स्थापित इलेक्ट्रिक रोटरी कैल्सीनेटर से ही एजेंसी के अपने मशीनरी, उपकरण और संयंत्रों के साथ थर्मिट पोर्शन प्लांट के परिसर में वर्ष 27–2026, के लिए 29–2028 और 28–2027 टीपीपी/उ.रे. लखनऊ/की आवश्यकता के अनुसार आयरन ऑक्साइड फ्लेक्स (मिल स्केल) और स्टील चिप्स की कैल्सीनिंग, छनाई तथा मैटेरियल हैंडलिंग का कार्य।
2	अनुमानित लागत	रू0 14,14,72,406.49 मात्र।
3	धरोहर राशि	रू0 857400.00 मात्र।
4	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 36 माह।
5	निविदा डालने की प्रारम्भिक तिथि	11.04.2025
6	निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि एवं निविदा खुलने की तिथि तथा समय	निविदा 25.04.2025 को 15:00 बजे तक जमा किए जा सकेंगे एवं निविदा उसी दिन समय 15:30 बजे खोली जायेगी।
7		न्यूनतम पात्रता की शर्तें:
अ	तकनीकी	(ए) निविदाकार ने पिछले 07 (सात) वर्षों के दौरान निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी एक कार्य को सफलतापूर्वक पूरा या प्रर्याप्त रूप से पूरा किया हो, जिस महीने में निविदा आमंत्रित की गयी थी, उससे पहले के महीने के अन्तिम दिन को समाप्त करना होगा। तीन समान कार्य जिनकी लागत, निविदा की विज्ञापित मूल्य के 30 प्रतिशत के बराबर राशि से कम न हो। या दो समान कार्य जिनका लागत, निविदा की विज्ञापित मूल्य के 40 प्रतिशत के बराबर राशि से कम न हो। या एक समान कार्य की लागत, निविदा के विज्ञापित मूल्य के 60 प्रतिशत के बराबर राशि से कम नहीं होनी चाहिए।
ब	वित्तीय	निविदाकर्ता का न्यूनतम औसत वार्षिक संविदात्मक कारोबार V/N (वी/एन) या 'V' (वी) जो भी कम हो; जहाँ V (वी) = निविदा की विज्ञापित मूल्य करोड़ रूपये में। N (एन) = कार्य पूरा करने के लिए निर्धारित वर्षों की संख्या, जिसके लिए बोलियां आमंत्रित की गयी है। औसत वार्षिक संविदात्मक कारोबार की गणना, पिछले तीन वित्तीय वर्षों में कुल संविदात्मक भुगतान के औसत के रूप में की जायेगी, लेखा परीक्षित बैलेन्स शीट के अनुसार। तथापि, यदि पिछले वर्ष का तुलन–पत्र अभी तक तैयार/लेखापरीक्षित नहीं है, तो औसत वार्षिक संविदात्मक कारोबार की गणना के लिए चौथे पिछले वर्ष की लेखा परीक्षित तुलन–पत्र पर विचार किया जाएगा।
8	एक समान कार्य	मिल स्केल/नेल चिप्स को भूनना या स्टील कास्टिंग/फैब्रिकेशन का कार्य
9	वेबसाइट का विवरण एवं कार्यालय का नाम जहाँ निविदा का विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in, कार्यालय उप मुख्य अभियन्ता/थर्मिट पोर्शन प्लान्ट उ.रे. चारबाग, लखनऊ

नोट :- **1.** कोई भी निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए ठेकेदारों द्वारा भारतीय रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। **2.** समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। **3.** मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। **4.** निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेगी। **निविदा सू0सं0–04/टी.पी.पी./चारबाग/लखनऊ/2024–25 दिनांक 29.03.2025 986/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सिलेंडर फटने से गृहस्थी के साथ कई किसानों के खेत जले

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। गोसाईगंज के जमालपुर कुर्मियान गांव में मंगलवार की दोपहर आचानक एक मजदूर के झोपड़ी में रखा गैस सिलेंडर आचानक फट गया। जिससे मजदूर की गृहस्थी जलने के साथ कई किसानों की खेत मे खड़ी फसल भी जलकर राख हो गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया जिससे आग फैलने से रुक सकी। जानकारी ने मुताबिक जमालपुर कुर्मियान गांव में रहने वाले मजदूर इरफान की झोपड़ी में मंगलवार की दोपहर आचानक सिलेंडर फट गया। जिससे उसकी झोपड़ी के साथ गृहस्थी का सारा सामान जल कर राख हो गया। सिलेंडर के टुकड़े पास के खेतो में गिरने से किसान गुड्डी, जाहिद अली, शत्रोहन, कल्लू, तथा सद्दीक के खेतों से आग की लपटें उठना शुरू हो गई। ग्रामीणों ने तत्काल फायर ब्रिग्रेड को सूचना दी मौके पर पहुंचे दमकल के कर्मियों ने कड़ी मसक्कत के बाद आग पर काबू पा सके। नही तो आग और भी बिकराल रूप लेकर कई किसानों की फसल राख कर देती।

कब्रिस्तान में अगरबत्ती से लगी आग

» किसान की पांच विश्वा गेहूं की फसल जलकर राख
» दमकल की गाड़ियों ने पाया आग पर काबू

लखनऊ। सरोजनीनगर इलाके में कब्रिस्तान में अगरबत्ती से अचानक आग लग गई। इससे किसान की 5 विश्वा गेहूं की फसल भी जल कर राख हो गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के नारायणपुर स्थित एक कब्रिस्तान में जलाई गई अगरबत्ती से आग भड़क गई। सुबह करीब साढ़े 9 बजे स्थानीय लोगों ने फायर कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची दो दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।लेकिन पास में खड़ी सुमेरी लाल की 5 विश्वा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई । कब्रिस्तान में घासफूस व झाड़ियों में आग लगी थी । वहां से बढ़ कर गेहूं की खेत में भी फैल गई।मौके पर मौजूद फायर ब्रिगेड की यूनिट ने अतिशीघ्र खींच कर आग को बुझाना शुरू किया। गेहूं को आग से बढ़ने से रोकते हुए बड़ी मशक्कत आग को बुझाया। जानकारी करने पर की सुलेमा और शेख मंसूरी पुत्र साहब दीन के लगभग 2 विश्वा मे खड़ी गेहूं की फसल जल गई थी। पुलिस ने कहा है कि आग को बुझा दिया गया है। इससे कोई जन हानि नहीं हुई है।

ईद की रात दबंगों का बवाल

परिवार पर हमला किया, तीन घायल

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। राजधानी के इटौंजा थाना क्षेत्र में ईद का त्योहार हिंसा की घटना से दागदार हो गया। महोना नगर पंचायत के वार्ड नंबर 8 शेख टोला में एक दर्जन दबंगों ने एक परिवार पर हमला कर दिया। घटना सोमवार रात करीब 10 बजे की है। आरिफ खान और जीशान के बीच मामूली कहासुनी हुई। इसके बाद जीशान अपने साथियों को लेकर आया। जीशान के साथ उसका भाई सलमान, एहतिशाम, शफीक की पत्नी, दामाद अशफाक, सगीर खान, शफीक की दूसरी पत्नी का बेटा सारिक और आमीन समेत करीब एक दर्जन लोग थे। बताया जा रहा है कि सभी ने मिलकर आरिफ खान पर हमला किया। बचाव में आई आरिफ की मां मन्नो पर भी हमलावरों ने ईंट से वार किया। इस हमले में आरिफ और उनकी मां को गंभीर चोटें आईं। आरिफ की बहन शना खान ने बताया कि उन्होंने महोना नगर पंचायत स्थित पुलिस चौकी प्रभारी रविंद्र पाल को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन पीड़ित आरिफ को ही ढूंढने लगी। हमलावर खुलेआम घूमते रहे।

इटौंजा थाने में शिकायत दर्ज कराई

पुलिस ने कहा है कि मंगलवार को पीड़ित परिवार ने इटौंजा थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने घायलों को सरकारी अस्पताल में मेडिको लीगल के लिए भेजा। उपचार के बाद सीटी स्कैन के लिए बलरामपुर अस्पताल रेफर कर दिया गया। शना ने बताया कि उनका भाई आरिफ बाहर नौकरी करता है और ईद मनाने घर आया था। ईद की खुशियां इस घटना से मातम में बदल गईं।

मुख्यमंत्री ने बरेली में 933 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया

बरेली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बरेली में 933 करोड़ रुपए की 132 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने राज्य में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए अत्याधुनिक जीवन रक्षक सुविधाओं से लैस 2554 नए एंबुलेंस वाहनों को भी हरी झंडी दिखाई। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सरकारी स्कूलों में दाखिले को बढ़ावा देने के लिए स्कूल चलो अभियान और संक्रामक रोगों के उन्मूलन के उद्देश्य से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अपने संबोधन में लोगों के कल्याण के लिए बुनियादी ढांचे के विकास और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने स्कूल चलो अभियान पर जोर देते हुए कहा, कोई भी बच्चा छूटने न पाए। हम सबको स्कूल चलो अभियान के साथ जुड़ना होगा। यह जिम्मेदारी मैं आप सबको सौंपने के लिए आया हूं। यह केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह समाज की जिम्मेदारी भी बनती है। समाज भी इस बात को खुद पर ले कि अगर कोई बच्चा अनपढ़ रह जाता है तो यह समाज और राष्ट्र के लिए भी एक चुनौती है। इसका खामियाजा पूरे समाज और

देश को भुगतना पड़ता है। आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 में बेसिक शिक्षा परिषद की स्थिति अत्यंत खराब थी, तमाम स्कूल बंदी की कगार पर थे और ना उनमें शौचालय की व्यवस्था थी और ना ही फर्नीचर की, लेकिन आज स्थिति बदल चुकी है। आदित्यनाथ ने कहा, उत्तर प्रदेश में 2017 में एक करोड़ 24 लाख बच्चों ने नामांकन कराया था जिनमें से 60 प्रतिशत बच्चे ऐसे थे जो कभी स्कूल नहीं जाते थे, लेकिन आज मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि स्कूलों का कायाकल्प कराने के बाद हमने एक करोड़ 91 लाख बच्चों के अभिभावकों के बैंक खाते में प्रति बच्चा 1200 रुपए की दर से राशि भेजने का काम किया। उन्होंने कहा कि 96 फीसदी स्कूल ऐसे हैं जिनमें ऑपरेशन कायाकल्प के माध्यम से बालक और बालिकाओं के लिए अलग-अलग शौचालय की व्यवस्था, पेयजल की व्यवस्था, स्कूल की फ्लोरिंग की व्यवस्था, स्मार्ट क्लास की व्यवस्था, डिजिटल लाइब्रेरी की व्यवस्था और फर्नीचर की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक करोड़ 91 लाख बच्चों को वर्ष में दो स्कूल वर्दी, बैग, किताबें, जूते-मोजे और स्वेटर अनिवार्य रूप से सरकार के स्तर पर दिए जाते हैं और आज बच्चों के मन में आता है कि वह भी इस समाज के नागरिक हैं। मुख्यमंत्री ने शिक्षकों से आह्वान करते हुए कहा, मैं आप से आह्वान करूंगा कि इस अभियान के साथ जुडक़र, इस राष्ट्रीय मिशन को आगे बढ़ाकर प्रदेश की साक्षरता को बढ़ाएं और हर बच्चे को साक्षर और सुयोग्य बनाएं। उन्होंने कहा, यहां पर उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों से, जनता जनार्दन से सभी गुरुजनों से और सभी धर्माचार्यों से मैं अपील करूंगा कि हर बच्चे को खास तौर पर बेटी को जरूर स्कूल भेजें। आपके द्वारा किया गया यह कार्य देश के निर्माण में आपकी भूमिका को आगे बढ़ाने में योगदान देगा। कोई भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित नहीं रहने पाए। यह जिम्मेदारी पूरे उत्तर प्रदेश वासियों को मैं सौंप रहा हूं। मुख्यमंत्री ने बेसिक शिक्षा परिषद में छात्र और शिक्षक का अनुपात ठीक करने के लिए।,25,000 से अधिक शिक्षकों की भर्ती का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार पीएम श्री योजना के तहत 1500 विद्यालयों का कायाकल्प भी कर रही है। अटल आवासीय स्कूलों की तरह बेसिक शिक्षा परिषद ने भी हर जनपद में मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय शुरू करने का निर्णय लिया है। पहले चरण में 57 जिलों में यह विद्यालय शुरू होने जा रहे हैं। इसे आगे के चरणों में तहसील, विकासखंड और न्याय पंचायत स्तर पर स्थापित किया जाएगा। इस अवसर पर विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की शुरुआत करने वाले मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा, आज उत्तर प्रदेश सरकार संचारी रोग नियंत्रण के एक बड़े कार्यक्रम को आगे बढ़ा रही है। इंसेफेलाइटिस, डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, कालाजार जैसी विषाणु जनित बीमारियों से बचाव के लिए व्यापक जन जागरूकता कार्यक्रम की श्रृंखला में आज हम यहां पर आए हैं। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्र अलग-अलग संचारी रोगों के लिए अत्यंत संवेदनशील हैं। अगर आप पूर्वी उत्तर प्रदेश में जाएंगे तो गोरखपुर, बस्ती मंडल के कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बस्ती इत्यादि जिले इंसेफेलाइटिस के लिए अत्यंत संवेदनशील हैं। बरेली मंडल के बरेली, बदायूं, पीलीभीत और आसपास के जिले मलेरिया की दृष्टि से संवेदनशील हैं। आगरा मंडल के जनपद डेंगू के लिए संवेदनशील हैं। वाराणसी और उसके आसपास के जिले कालाजार के लिए, झांसी और उसके आसपास के जनपद चिकनगुनिया के लिहाज से संवेदनशील माने जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में प्रदेश के अंदर डबल इंजन (केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार) सरकार के प्रयास के परिणामस्वरूप इंसेफेलाइटिस पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया गया है, जबकि इसके पहले जुलाई से नवंबर के बीच हजारों बच्चों की मौत गोरखपुर और आसपास के जनपदों में इससे होती थी। उन्होंने कहा कि मलेरिया लगभग नियंत्रित हो चुका है, लेकिन इसे जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए वह यहां बरेली में आए हैं। **(भाषा)**

कसाइयों से संबंध रखने वालों को गोबर में दुर्गंध ही मिलेगी : सपा प्रमुख पर आदित्यनाथ का तंज

बरेली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) और उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमला करते हुए मंगलवार को कहा कि गौकशी करवाने और कसाइयों के साथ संबंध रखने वाले सपा के लोग गौ माता की सेवा करना क्या जानें, उन्हें तो गोबर में दुर्गंध ही मिलेगी। मुख्यमंत्री ने यहां विभिन्न परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, यक निराश्रित गोवंश समाजवादी पार्टी ने दिए हैं और इसीलिए इन्होंने गायों को लावारिस छोड़ दिया था। देखिए ना, समाजवादी पार्टी के मुखिया क्या कहते हैं कि मुझे गोबर से दुर्गंध आती है। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी के लोग जो गौकशी करवाते थे, गौ तस्करों और कसाइयों के साथ जिनके संबंध थे, वे गौ माता की सेवा करना क्या जानें। उन्हें तो गौ माता के गोबर में दुर्गंध ही मिलेगी। उन्हें अपने कृत्यों में दुर्गंध नजर नहीं आती है। उन्हें गौ माता की सेवा में दुर्गंध नजर आती है और इसीलिए उनके अध्यक्ष के मुंह से यह बात निकल ही गई। आदित्यनाथ ने कहा, इनकी असलियत यही है, जो गौ माता को कसाइयों के हवाले करते थे। हमने कसाइयों को जब जहन्नुम की यात्रा में भेजा तो इनको परेशानी हुई। मुख्यमंत्री ने यह बयान हाल में सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा कन्नौज में की गई उस टिप्पणी के बाद दिया है, जिसमें उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में एक सवाल पर कहा था, ये जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोग हैं, उनकी नफरत की दुर्गंध है। मैं तो कन्नौज के सुगंध वाले लोगों से कहूंगा कि भारतीय जनता पार्टी की इस दुर्गंध को हटाएं। आप बताइए यह दुर्गंध पसंद करते हैं इसीलिए गौशाला बना रहे हैं। आदित्यनाथ ने पूर्व में बरेली में हुए दंगों का जिक्र करते हुए कहा, बरेली अब बदल चुका है। यह वही बरेली है, याद करिए 2017 से पहले जहां वर्ष में पांच, सात, 10 दंगे हुआ करते थे... पिछले आठ वर्ष में बरेली में कोई दंगा नहीं हुआ। बरेली अब चंगा है। उन्होंने कहा, अब सब दंगाई चूहे की तरह बिलबिलाते हैं लेकिन बाहर निकलने का दुस्साहस नहीं कर पाते हैं। उन्हें मालूम है कि दंगा करेंगे तो इसका परिणाम क्या होगा। बाप-दादा ने जो कमाई की होगी, वह भी एक झटके में सरकार जब्त करके गरीबों में बंटवाने का काम करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब निराश्रित गोवंशीय पशु को पालने पर सरकार 1500 रुपए प्रति पशु के हिसाब से उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा, आम के आम और गुठलियों के भी दाम, इसी को कहते हैं। यानी गौ माता की सेवा का पुण्य भी पाओ और सरकार से अनुदान भी पाओ। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर बरेली की पहचान के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा, पिछली सरकारों ने बरेली को झुमके के साथ जोड़ा था। हम लोगों ने बरेली को नाथ नगरी के रूप में पहचान दिलाई है, नाथ गलियारा देकर आपको आपकी पौराणिक पहचान दिलाने का काम किया है। उन्होंने कहा, आज बरेली में निवेश आ रहा है। यहां पर उद्योग लग रहे हैं। तमाम निवेश हो रहे हैं। बरेली आज एक गंदी सिटी के रूप में नहीं बल्कि स्मार्ट सिटी के रूप में अपनी पहचान बनाकर देश और दुनिया में अपनी धमक के साथ आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने नमामि गंगे योजना का भी जिक्र करते हुए कहा, अविरल और निर्मल गंगा की परिकल्पना को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साकार किया है। उसके बदले में हमें भव्य और दिव्य कुंभ मिला। हम आभारी हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कारण उत्तर प्रदेश को यह भव्य और दिव्य कुंभ आयोजित करने का अवसर मिला और उत्तर प्रदेश की पहचान वैश्विक स्तर पर पहुंची। **(भाषा)**

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईद का पर्व, लोगों ने एक दूसरे की दी बधाई

जैदपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। खुशियों के पर्व ईद को लेकर नमाज के बाद लोग एक दूसरे को गले लगाकर ईद के पर्व की बधाई देते नजर आये। वहीं इस मौके पर विधायक सहित अन्य नेताओं ने कस्बे पहुंचकर लोगों को ईद पर्व की बधाई दी। जानकारी के अनुसार रमजान माह के बाद खुशियो का पर्व बहुत ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। ईद के दूसरे दिन भी सिवाईयों सहित विभिन्न प्रकार के पकवान बनाकर मेहमानो की आवभगत की गयी। वहीं विधायक गौरव रावत, समाजसेवी मोहम्मद सालिम सहित तमाम नेताओं ने इस खुशी के माहोल म ेलोगों के घरों में जाकर बधाई देते नजर आये। जबकि हिंदू मुस्लिम ने

एकता का प्रतीक जैदपुर में सभी लोगों ने मिलकर पर्व को मनाया कोई गुलाब देकर एकता का सबूत देता रहा तो गले लगाकर खुशियों में शामिल शामिल रहे। वहीं सुरक्षा को लेकर जैदपुर पुलिस लगातार मेहनत करती रही। कोतवाल संतोष कुमार सिंह के साथ भारी संख्या में पुलिस बल क्षेत्र में गश्त कर लोगों को सुरक्षा का एहसास दिलाता रहा। इस मौके पर पूर्व चेयरमैन रियाज़ अहमद चेयरमैन, प्रतिनिधि दाऊद अलीम, अबु उमेर अंसारी, ताहिर अंसारी, राम सिंह,शाहे आलम, मोहम्मद कासिम, सभासद, अल्ताफ सभासद, आलम, सुफियान, शाहरूख, नसीम, शहाबुद्दीन सिद्दीकी आदि लोगों ने एक दूसरे को खुशियों के पर्व की बधाई दी है।

सरयू नदी में नहाते समय चाचा-भतीजे की डूबने से मौत

बलिया। जिले के मनियर क्षेत्र में नवका बाबा मंदिर में दर्शन करने आए गोरखपुर निवासी चाचा-भतीजे की मंगलवार को सरयू नदी में स्नान करते समय डूबने से मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गोरखपुर जिले के चौरी चौरा थाना क्षेत्र के खास डुमरी बसंत टोला के रहने वाले कुछ श्रद्धालु नवका बाबा मंदिर में दर्शन करने आए थे। उन्होंने कहा कि मंगलवार की सुबह करीब सात बजे वीरू पटेल (15) और उसके चाचा भीम पटेल (35) संत शरण दास बाबा के मंदिर के पास सरयू नदी में स्नान करने गए। इस दौरान गहरे पानी में चले जाने से वे डूब गए। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने मंगलवार को बताया कि गोताखोरों की मदद से दोनों के शव नदी से बाहर निकाले गए। शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिए गए हैं।**(भाषा)**

दबंगों ने बच्चों की लड़ाई में युवक से की मारपीट,गम्भीर

जैदपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। बच्चों की लड़ाई मे हुए विवाद में लोगों ने मिलकर एक व्यक्ति को जमकर मारा पीटा। जिसकी शिकायत पीड़ित ने थाना जैदपुर में की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार इसरार पुत्र अलाउ?द्दीन मोहल्ला वसीनगर थाना व कस्बा जैदपुर ने जैदपुर थाने मे शिकायती पत्र देते हुए बताया कि 31 मार्च 2025 को समय करीब साढ़े तीन बजे बच्चों के झगडे के चलते मोहल्ले के ही सालिम व अलीम पुत्रगण सलीम व अतीक पुत्र लतीफ ने प्रार्थी के भाई मो सिरताज को गन्दी-गन्दी गालियां देते हुए लात-घूसों व डन्डों से मारा पीटा तथा जान से मारने की धमकी दी है। मारपीट में सिरताज को गम्भीर चोट आई है। उक्त मामले में जैदपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस मुठभेड़ के बाद शातिर बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा में सोमवार देर रात को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के पास से मोबाइल फोन, नकदी, देसी तमंचा और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की है। अपर पुलिस उपायुक्त जोन प्रथम सुमित कुमार शुक्ला ने बताया कि 31 मार्च की देर रात को सेक्टर 24 थाने की पुलिस सेक्टर 11 के टी-पॉइंट के पास अवरोधक लगाकर जांच कर रही थी, तभी उन्हें बाइक पर सवार एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया। अधिकारी ने बताया कि शक होने पर पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन वह भागने लगा और जब पुलिस ने उसका पीछा किया तो उसने बचने के लिए पुलिस पर गोली चलाई। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। उन्होंने बताया कि पुलिस की गोली लगने से बदमाश घायल हो गया है। शुक्ला ने बताया कि घायल बदमाश की पहचान राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के त्रिलोकपुरी निवासी 36 वर्षीय सोहन सिंह उर्फ सोनू पुत्र अवतार सिंह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि बदमाश के पास से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त चोरी की एक मोटरसाइकिल, एक देसी तमंचा, कारतूस, विभिन्न जगहों से लूटे हुए पांच मोबाइल फोन तथा 8,500 रुपए नकद बरामद किए हैं। अपर पुलिस उपायुक्त ने बताया कि पूछताछ के दौरान बदमाश ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में लूटपाट की कई वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की। बदमाश के खिलाफ नोएडा, दिल्ली के विभिन्न थानों में 16 मामले दर्ज हैं।**(भाषा)**

पुलिस से मुठभेड़ के बाद तीन गौ तस्कर गिरफ्तार

शाहजहांपुर। जिले में मंगलवार की सुबह पुलिस से मुठभेड़ के बाद तीन गौ तस्करों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के दौरान पुलिस की गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने बताया कि पुलिस को निगोही थाना क्षेत्र के तालगांव निवासी नसीम, सलमान तथा अफजाल समेत कुछ गौ तस्करों के कठिना नदी के पास कच्चे मार्ग पर होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब उन्हें ललकारा तो आरोपियों ने पुलिस पर गोलियां चलाना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें नसीम (25) तथा सलमान (28) गोली लगने से घायल हो गए। अफजाल मौके से भाग निकला, लेकिन पुलिस ने उसे पीछा करके पकड़ लिया। हालांकि दो आरोपी घटना स्थल से भागने में सफल रहे। एसपी ने बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में खुलासा किया कि 28 मार्च को उन्होंने ही दो पशुओं का वध किया था। इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। द्विवेदी ने बताया कि आरोपियों के पास से दो तमंचे तथा एक कार के अलावा मांस काटने के उपकरण हैं। दोनों घायल गौ तस्करों को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती करा दिया है।**(भाषा)**

होटल में गोलीबारी : एक पुलिस कांस्टेबल समेत चार लोग गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर के नई मंडी क्षेत्र में दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित एक होटल में गोलीबारी के मामले में एक पुलिस कांस्टेबल समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी रूपाली राव ने बताया कि यह घटना 28 मार्च को हुई थी और गिरफ्तारियां सोमवार रात को की गई। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपियों पुलिस कांस्टेबल निशांत बालियान, शिवम बालियान, विक्रन बालियान और अश्वनी बालियान की पहचान करके उन्हें गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि निशांत लखनऊ के एक थाने में तैनात है। राव ने बताया कि पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई दो पिस्तौल और एक कार बरामद की है। जिस होटल में वारदात हुई उसके मालिक एवं भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय नेता नीतीश मलिक द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने कथित तौर पर शराब के नशे में धुत होकर गोलियां चलाई और खाने को लेकर हुए विवाद के बाद उन्हें और उनके कर्मचारियों को धमकाया। मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। **(भाषा)**

वाणिज्यिक इमारत में लगी आग, कई लोग घायल

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 20 थाना क्षेत्र में सेक्टर 18 स्थित एक वाणिज्यिक इमारत में मंगलवार दोपहर भीषण आग लग गई। घटना में कई लोग घायल हुए हैं जिन्हें नोएडा के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि नोएडा के सेक्टर 18 स्थित वाणिज्यिक इमारत कृष्णा अपरा के प्रथम मंजिल पर एक प्रॉपर्टी डीलर के कार्यालय में अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग के चलते वहां भगदड़ मच गई। कुछ लोग आग से बचने के लिए ऊपर से रस्सी के सहारे तथा कुछ खिडक़ी से बाहर कूद पड़े, जिससे कई लोगों को गंभीर चोट आई। घायलों को उपचार के लिए नोएडा के कैलाश अस्पताल सहित विभिन्न अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उन्होंने बताया कि इस घटना में विकास (37), किशोर (50), अभिनंदन (30), लक्ष्मी प्रसाद (30), नवनीत सिंह (53), जसविंदर सिंह (38), दुर्गा चंद्र (49), राहुल (34) सहित कई लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। **(भाषा)**

मालगाड़ी की चपेट में आने से रेलवे के सेक्शन इंजीनियर की मौत

बलिया । उत्तर प्रदेश में बलिया रेलवे स्टेशन पर एक मालगाड़ी की चपेट में आने से रेलवे के एक वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर की मौत हो गई। राजकीय रेलवे पुलिस के बलिया थाना प्रभारी विवेकानंद यादव ने मंगलवार को बताया कि रेलवे के वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर शंकर मंडल (58) प्लेटफार्म संख्या दो से प्लेटफार्म संख्या एक के पूर्वी छोर पर स्थित अपने कार्यालय जाने के लिए सोमवार को रेल पटरी पार कर रहे थे। इसी दौरान वह छपरा से गाजीपुर की तरफ जा रही एक मालगाड़ी की चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।शंकर मंडल बिहार में कटिहार के निवासी थे। **(भाषा)**

दृष्टि हीनता से बचने के लिए आँखों की जाँच जरूरी है : डा. अमित पटेल

अंबेडकरनगर, (ग्रुप 5 सं.)। राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर एवं नेत्र विभागाध्यक्ष डॉ. अमित कुमार पटेल ने नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में क्रांतिकारी योगदान दिया है। एमबीबीएस और नेत्र विज्ञान की पढ़ाई करने के बाद, उन्होंने बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर में 2006 से 2009 तक अध्ययन किया और फिर 2009-2011 तक वहीं सीनियर रेजीडेंट के रूप में कार्य किया। वर्ष 2011 से वे राजकीय मेडिकल कॉलेज अंबेडकरनगर में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं और वर्तमान में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक की भी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। डॉ. अमित कुमार पटेल अब तक 15,000 से अधिक नेत्र सर्जरी सफलतापूर्वक कर चुके हैं। इनमें प्रमुख रूप से मोतियाबिंद ग्लूकोमा और पलक संबंधी सर्जरी शामिल हैं। उनके नेतृत्व में हर साल करीब 1000 सर्जरी होती हैं। डॉ. पटेल ने अभिभावकों और शिक्षकों से अपील की है कि यदि किसी बच्चे को क्लासरूम में ब्लैकबोर्ड पर लिखे अक्षर साफ नहीं दिखते तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएँ। साथ ही ग्रामीणों से आग्रह किया कि खेतों में काम करने के दौरान आँख में चोट लगने पर लापरवाही न करें और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें, क्योंकि सही समय पर इलाज न मिलने से आँखों का अल्सर बढ़ सकता है, जिससे रोशनी जाने का खतरा रहता है।डॉ. पटेल के अनुसार, सर्दियों में हर दिन लगभग 40-50 मोतियाबिंद के मरीज मेडिकल कॉलेज आते हैं, जिन्हें जाँच के बाद ऑपरेशन के लिए तिथि दी जाती है। मौसम का मोतियाबिंद सर्जरी पर असर नहीं पड़ता, लेकिन गर्मियों में थोड़ी ज्यादा सावधानी बरतनी होती है।

रैली को हरी झंडी दिखाकर संचारी रोग नियंत्रण अभियान का किया गया शुभारंभ

अंबेडकरनगर, (ग्रुप 5 सं.)। विधायक कटेहरी धर्मराज निषाद, जिलाधिकारी अविनाश सिंह तथा मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ल द्वारा डॉ गणेश कृष्ण जेटली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अकबरपुर से संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना कर संचारी रोग नियंत्रण,दस्तक अभियान का शुभारंभ किया । इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण, दस्तक अभियान आज 01 अप्रैल 2025 शुरू किया गया है जो 30 अप्रैल 2025 तक चलाया जाएगा। इसका मुख्य थीम स्वस्थ व्यवहार अपनाना है, संचारी रोगों को हराना है है। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया तथा अन्य संचारी रोगों यथा कुष्ठ, डायरिया तथा दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण तथा इनका त्वरित इलाज सर्वोच्य प्राथमिकताओं के साथ

करने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिया गया। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि सभी विभाग समन्वय स्थापित कर इस अभियान के सफल संचालन हेतु अपनी भूमिका पूर्ण मनोयोग से निभाएं तथा सभी विभागों को निर्देश दिये कि वह संचारी रोग नियंत्रण अभियान का सफल आयोजन करें। दस्तक अभियान तथा संचारी अभियान में आशा व आंगनवाड़ी कार्यकत्री की पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित रही। रैली को रवाना करने से पहले जिलाधिकारी ने विधायक कटेहरी, मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा अधिकारियों/कर्मचारियों, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकत्री को अपने गांव, मोहल्ले व घर की साफ सफाई का ध्यान रखने तथा दूसरों को स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित करने की शपथ हम शपथ लेते हैं कि,व्यक्तिगत साफ सफाई का ध्यान रखेंगे। अपने घर तथा मोहल्ले के आस-पास साफ-सफाई रखेंगे। अपने समुदाय को साफ सफाई और स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे और आसपास जलजमाव ना होने देने के लिए भी प्रेरित करेंगे। हम शपथ लेते हैं की संचारी रोगों से लड़ाई में हम प्रयास करेंगे कि हमारे परिवार और समुदाय इन रोगों से मुक्त रहे। हमारे मोहल्ले अथवा हमारे आसपास के क्षेत्र में यदि कोई व्यक्ति बुखार से पीड़ित होगा तो उसके परिवार को तुरंत इलाज के लिए सरकारी अस्पताल जाने हेतु प्रेरित करेंगे। मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे देश को स्वच्छ बनाने में तथा संचारी रोगों से दूर रखने में मदद करेगा जनमानस में बीमारी से बचाव के लिए सोते समय मच्छरदानी के प्रयोग करने तथा वेक्टर जनित बीमारियो से बचाव एवं उसके इलाज के बारे में जागरूक करने के लिए प्रचार-प्रसार किये जाने पर जोर दिया जाय।

आग लगने से करीब बीस बीघे गेहूं की फसल जलकर हुई खाक

» खेतों में लगी आग ने किसानों के माथे पर खींच दी चिंता की लकीरें

ग्रुप 5 संवाददाता

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। पछुआ हवाओं के तेज झोकों के साथ ही साथ खुर्दमऊ रसूलपुर गांव के किसानों के खेतों में लगी भीषण आग ने जमकर कहर बरपाया किसानों की गाढी कमाई से खेतों में खड़ी करीब बीस बीघे गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई जिससे किसानों की आंखों में बहते आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। मंगलवार को दिन में करीब 12 बजे अज्ञात कारणो से चन्दू के खेत से फैली आग देखते देखते रामचन्द्र, हरिश्चन्द्र, बुधनू आदि किसानों के गेहूं के खेतों में लगी हुई फसल को अपने आगोश में ले लिया। चारों तरफ अफरा तफरी मच गई प्रभारी

निरीक्षक सन्तोष कुमार ने पुलिस कर्मियो एंव ग्रामीणों से यूकेलिप्टस के बड़े बड़े पत्तेदार डन्ठल तोड़वा कर आग बुझाने की बात कही इसी दौरान दर्जनों महिलाएं ने इंजन से बाल्टियों में पानी भर भर कर आग में पानी फिंकवाने लगे। भाकियू नेता एंव बदोसरांय के प्रधान निसार मेंहदी अपने दर्जनों किसानों के साथ आग बुझाने में महती भूमिका निभाई। फायर ब्रिगेड सिरौलीगौसपुर की गाडी आयी लेकिन वह घटना स्थल से 200 मीटर पहले ही चकरोड के गड्ढों में फंस गयी । फायर बिग्रेड के पुलिस कर्मी भी मौके पर पहुंचे और पत्तियों के डन्ठल से आग बुझाने में कड़ी मशक्कत की दो सैकड़ा से अधिक ग्रामीणों व पुलिस की कड़ी मशक्कत के बाद एक घन्टें बाद आग पर काबू पाया गया। घटना की सूचना पर तहसीलदार शरद सिंह राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंचे आग बुझवाने में राजस्व कर्मियों ने भी सहयोग किया तथा आग से हुए किसानों के नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट उपजिलाधिकारी सिरौलीगौसपुर को प्रेषित करने की बात बताई। उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह ने बताया है कि आग से किसानो की फसल के हुए नुकसान की रिपोर्ट आते ही किसानों को उचित मुआवजा दिया जाएगा।

आग से लगभग दो दर्जन किसानों की गेहूं की फसल हुई राख

फतेहपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। थाना मोहम्मदपुर खाला की चौकी लालपुर करौता अंतर्गत मंगलवार दोपहर को गांव नर्सरी कुतुलूपुर, रमवापुर में अचानक गेहूं की फसल में आग लग जाने से कई बीघा किसानों की फसल जलकर राख हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर को अचानक आग लगने के हादसे में कुतलूपुर, रामवापुर आदि गांवों के कई किसानो का सैकड़ों बीघे गेहूं की फसल में आग लगने से भारी नुक़सान हो गया। प्रभावित किसानो मे ताहिर प्रधान,

मुन्नी, रामसेवक,अलीम, मेराज, पुजारी, पप्पू और शाहिद शामिल है।आग से लगभग दो दर्जन से अधिक किसानों की गेहूं की तैयार फसल जलकर राख हो गई। आग की घटना देख बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्होंने पंपिंग सेट चलाकर व ट्रैक्टर से फसल को जोतकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई लेकिन वह देर से पहुंची। तब तक ग्रामीणों ने स्थिति को नियंत्रित में कर लिया था। स्थानीय पुलिस ने राजस्व विभाग को घटना की जानकारी दी। सूचना पर पहुंची राजस्व विभाग की टीम ने किसानों की क्षतिग्रस्त हुई फसल और खेतों का मौका मुआयना किया। एसडीएम कार्तिकेय सिंह ने बताया है कि आग से हुए फसल और अन्य नुकसान का आंकलन किया जा रहा है। राजस्व कर्मियों को रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

बाइक पर बोल्डर गिरने से घायल हुई महिला ने तोड़ा दम

अल्मोड़ा, एजेंसी। बाइक पर बोल्डर गिरने से गंभीर रूप से घायल महिला की मौत हो गई है। अल्मोड़ा क्षेत्र में बाइक पर बोल्डर गिरने से गंभीर रूप से घायल महिला की मौत हो गई है। गांव देवरापानी निवासी 33 वर्षीया अनीता पत्नी चंदन राम ने उपचार के दौरान एम्स ऋषिकेष में दम तोड़ा। बाइक पर पत्थर गिरने से गंभीर रूप से घायल हुए अनीता और चंदन सिंह को शनिवार को पीएचसी भतरौंजखान लाया गया था। यहां कोई एलोपैथिक चिकित्सक नहीं होने से उन्हें तत्काल रामनगर रेफर कर दिया गया। चंदन सिंह को भर्ती किया गया लेकिन प्राथमिक उपचार के बाद अनीता को काशीपुर रेफर कर दिया। उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया। उपचार के दौरान सोमवार सुबह महिला ने दम तोड़ दिया। 29 मार्च को अनीता भिकियासैंण गई थीं। भिकियासैंण के निगराली गांव निवासी चंदन सिंह की बाइक में बैठकर वह घर लौट रही थीं। रास्ते में डिग्री कालेज के पास ऊपर से आया एक बोल्डर उनकी बाइक पर आ गिरा। पत्थर अनीता और चंदन सिंह से टकराते हुए नीचे गिरा। गंभीर चोट आने से दोनों वहीं गिर गए। अनीता के सिर में गंभीर चोट आने से उसकी हालत नाजुक हो गई जबकि चंदन सिंह को भी गंभीर चोटें आई। उनके दो जगह फ्रैक्चर बताया गया है।

रोमांचक मुकाबले में सीआईएसएफ ने बीएचईएल को हराया

सिडकुल, एजेंसी। सोमवार को डीपीएस ग्राउंड में क्रिकेट-20 का आयोजन किया गया। सीआईएसएफ ने बीएचईएल को अंतिम गेंद पर हराकर जीत हासिल की। बीएचईएल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और 20 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 159 रन बनाए। जवाब में सीआईएसएफ की टीम ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और 20वें ओवर की अंतिम गेंद पर 160 रन बनाकर मैच जीत लिया। यह मैच दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक रहा, क्योंकि, इसमें अंतिम गेंद पर जीत-हार का फैसला हुआ।

निगम की टीम ने प्लास्टिक बेचने वालों का काटा चालान

हरिद्वार, एजेंसी। नगर निगम की टीम ने सोमवार को अभियान चलाकर गंगा घाटों पर प्लास्टिक और पन्नी बेचने वालों के चालान काटे। यह अभियान घंटाघर, सुभाष घाट, सीसीआर घाट पर अनाधिकृत रूप से प्लास्टिक बेचने वालो के विरुद्ध चला गया। इस दौरान 10 चालान काटकर पांच हजार रुपये वसूले गए। निगम की टीम को शिकायत मिली थी कि दुकानदार प्रतिबंधित पॉलीथिन समेत अन्य सामान बेच रहे हैं। दुकानदारों को कपड़े के थैलों का प्रयोग करने के लिए कहा गया। टीम ने चेतावनी दी कि अगर कोई भी दुकानदार प्रतिबंधित पॉलीथिन का प्रयोग करते पाया गया तो आगे उसके विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

दो धामों के लिए जौलीग्रांट से भी हवाई सेवा, 70 प्रतिशत तक हुई हेलीकॉप्टर की बुकिंग

देहरादून, एजेंसी। दो मई से हेलीकॉप्टर जौलीग्रांट से कुल बीस श्रद्धालुओं को लेकर उड़ान भरेगा। दो धामों की यात्रा कराने के बाद इतने ही श्रद्धालु वापस जौलीग्रांट पहुंचेंगे। जौलीग्रांट से दो धामों बदरीनाथ और केदारनाथ के लिए बीस जून तक हेलीकॉप्टर बुकिंग 70 प्रतिशत तक हो चुकी है। अक्षय तृतीया पर 30 अप्रैल को गंगोत्री, यमुनोत्री, दो मई केदारनाथ और चार मई को बदरीनाथ के कपाट खुलेंगे। चारधाम यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है। रुद्राक्ष एविएशन ने 20 जून तक के लिए 70 प्रतिशत तक की बुकिंग पूरी कर ली है। मई को कंपनी का एमआई 17 डबल इंजन हेलीकॉप्टर जौलीग्रांट हेलीपैड पहुंच जाएगा। दो मई से हेलीकॉप्टर जौलीग्रांट से कुल बीस श्रद्धालुओं को लेकर उड़ान भरेगा। दो धामों की यात्रा कराने के बाद इतने ही श्रद्धालु वापस जौलीग्रांट पहुंचेंगे। कंपनी के शेड्यूल में दो धामों के एक दिन में दर्शन और रात्रि विश्राम की सुविधा भी रहेगी।

गिरी थी मां सती की आंख, 51 शक्तिपीठ में शुमार नयना देवी करती हैं हर मुरादें पूरी

नैनीताल, एजेंसी। इन दिनों चैत्र नवरात्रि चल रहे हैं. आज नवरात्रि का तीसरा दिन है. तीसरे दिन मां दुर्गा के तीसरे रूप यानी चंद्रघंटा की पूजा की जाती है. मां चंद्रघंटा को शांत, सौम्य और ममतामयी को माना जाता है, जो अपने भक्तों की हर मनोकामना पूरी करती हैं. ऐसा ही एक मंदिर सरोवर नगरी नैनीताल में मौजूद है. यह मंदिर है मां नयना या नैना देवी का. जिसे 51 शक्तिपीठों में से एक शक्तिपीठ माना जाता है. इसकी मान्यता भगवान शिव से भी जुड़ी हुई है.

नैनीताल में गिरी थी मां सती की आंख~ मान्यता है कि देवी सती की आंख यहीं पर गिरी थी. इसी के बाद यहां यानी नैनीताल में मां नयना देवी की स्थापना हुई. देवी पार्वती का देह खंडित होने के बाद उनकी बाईं आंख यहां गिरी थी. पुराणों में वर्णित है कि देवी पार्वती के पिता दक्ष प्रजापति ने एक विशाल यज्ञ का आयोजन किया था, लेकिन यज्ञ में भगवान शिव को आमंत्रण नहीं दिया गया.

अपने पिता के यहां हो रहे अनुष्ठान में माता पार्वती बिना आमंत्रण के पहुंच गई. जहां उन्होंने देखा कि अनुष्ठान के दौरान सभी देवी-देवताओं समेत ऋषि मुनियों के बैठने के लिए उपयुक्त स्थान है, लेकिन उनके पति यानी भगवान शिव के लिए कोई स्थान तक नहीं रखा गया है, जिससे माता पार्वती काफी आहत हुईं और अपने पति का अपमान न सह सकी.

पिता की ओर से अपने पति की उपेक्षा से खिन्न होकर देवी पार्वती यज्ञ के हवन कुंड में कूदकर सती हो गईं. माता के सती होने की सूचना के बाद भगवान शिव काफी क्रोधित हो गए. उन्होंने पार्वती के देह को अग्निकुंड से निकाल कर ब्रह्मांड के चक्कर लगाने शुरू कर दिए. भगवान शिव के क्रोध को देखकर ब्रह्मांड में हाहाकार मच गया और प्रकृति का संतुलन बिगड़ने लगा.

सृष्टि का संतुलन बिगड़ने से तीनों लोकों में हाहाकार मच गया. तब सृष्टि के संरक्षक भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र से सती के देह के खंड-खंड कर दिए. जिसमें माता पार्वती की बाईं आंख यहां यानी नैनीताल में गिरी. जिसके बाद इस स्थान का नाम नैनीताल पड़ा. कहा जाता है मां सती के अंग जिस-जिस स्थान पर गिरे, उन स्थानों पर शक्तिपीठ का निर्माण हुआ, उन्हें में से एक शक्तिपीठ नैनीताल में भी स्थित है.

मां नयना देवी अपनी आंखों से हर लेती हैं दुख दर्द~ मां नयना यहां नयन रूपी भगवती के रूप में विराजमान हैं. माना जाता है कि मां दुर्गा अपनी आंखों से हर इंसान के दुख-दर्द देख लेती हैं और भक्तों की हर मनोकामना पूरी करती हैं. नवरात्रि में लगातार नौ दिनों तक मां नयना देवी मंदिर में भव्य पूजा अर्चना होती है.

टूटा पिछला रिकॉर्ड, इस बार निगम पर हुई खूब धनवर्षा...खाते में जमा हुए 57 करोड़ से अधिक

देहरादून, एजेंसी। वित्तीय वर्ष 2024-25 में नगर निगम पर खूब धनवर्षा हुई है। इसके साथ ही पिछले साल का रिकॉर्ड भी टूट गया है। पूरे साल में 57 करोड़ रुपये से अधिक नगर निगम के खाते में आए हैं। यह आंकड़ा पिछले साल से तीन करोड़ अधिक है।

पिछले साल नगर निगम के खाते में 54 करोड़ रुपये कर के रूप में जमा हुए थे। इस बार 60 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। कर जमा कराने में निगम की सख्ती के साथ ही नई पहल काफी कारगर साबित हुई है। नगर निगम ने लक्ष्य प्राप्ति के लिए बकायेदारों को नोटिस जारी करने शुरू कर दिए थे।

नगर आयुक्त ने कर जमा करने के लिए वाट्सअप माध्यम से एक नई सुविधा शुरू की थी। इसका लोगों ने खूब प्रयोग किया। एक करोड़ से ज्यादा रुपये इस व्यवस्था के माध्यम से जमा किए गए। इसके अलावा नोटिस का भी असर देखने को मिला। पिछले छह दिन में करीब छह करोड़ रुपये नगर निगम के खाते में जमा किए गए। अंतिम दिन 1.5 करोड़ रुपये जमा हुए।

वित्तीय वर्ष समाप्ति के साथ सोमवार की रात 12 बजे साफ्टवेयर लॉक हो गया। इसके बाद कर नहीं जमा हो सकेगा। बताया जाता है कि जिसका कर जमा नहीं हुआ है उसे अब 20 प्रतिशत का छूट नहीं मिलेगा। इसके अलावा 12 प्रतिशत ब्याज भी जमा करना होगा।

नगर निगम ने कर संग्रहण में इस बार अच्छा प्रदर्शन किया है। 57 करोड़ रुपये से ज्यादा कर नगर निगम के खाते में जमा हुए हैं। वाट्सअप के माध्यम से बिल और नोटिस भेजने वाली व्यवस्था का भी असर सीधे तौर पर देखने को मिला है। -नमामी बंसल, नगर आयुक्त

नवरात्र के चलते शहर में धार्मिक स्थलों के आसपास मीट की दुकानें बंद रहेंगी। नगर निगम ने इस संबंध में सभी मीट विक्रेताओं को आदेश जारी किया है। नगर मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खन्ना ने बताया कि 30 मार्च से नवरात्र शुरू हो चुके हैं। इसलिए लोगों की जनभावनाओं के मद्देनजर धार्मिक स्थलों के आसपास मीट की दुकानों को बंद करने को कहा गया है।

कॉर्बेट में बाघिन और टस्कर हाथी का हो गया आमना-सामना, घंटों चले संघर्ष के बाद एक ने गंवाई जान

रामनगर, एजेंसी। कार्बेट टाइगर रिजर्व के जंगल में एक बाघिन ने टस्कर हाथी से हुए संघर्ष में अपनी जान गंवा दी। सुबह वनकर्मियों को उसका शव जंगल में बरामद हुआ।हमले के दौरान टस्कर हाथी के दांत के प्रहार से बाघिन के सिर से रक्तस्राव होने से उसकी मौत हो गई।

कार्बेट टाइगर रिजर्व के ढेला रेंज के पथरूवा पूर्वी बीट कपार्टमेंट नंबर छह वन क्षेत्र में वन कर्मियों ने रविवार की सुबह एक बाघिन का शव देखा। उसके सिर से रक्तस्राव हो रहा था। सूचना पर कार्बेट के उपनिदेशक राहुल मिश्रा, कालागढ़ एसडीओ बिंदर पाल, ढेला रेंजर नवीन चंद्र पांडे भी मौके पर पहुंचे।

इसके बाद बाघिन के शव का ढेला रेस्क्यू सेंटर लाकर कार्बेट के वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी दुष्यंत शर्मा व रामनगर के वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी राजीव सिंह ने पोस्टमार्टम किया। एसडीओ बिंदर पाल ने बताया कि मौके पर हाथी व बाघिन के पैरों के निशान मिले हैं।

जिम कॉर्बेट का सफर फिर हुआ महंगा, सफारी और नाइट स्टे के लिए चुकाने होंगे इतने रुपये

रामनगर, एजेंसी। कार्बेट पार्क का सफर फिर महंगा हो गया है। पर्यटकों को सफारी कराने वाली पंजीकृत जिप्सियों का तीन साल बाद शुल्क बढ़ा दिया गया है। सीटीआर निदेशक डॉ. साकेत बडोला की ओर से शुल्क बढ़ाने को हरी झंडी देने के बाद आज से यह शुल्क लागू हो जाएगा।

डे-सफारी के लिए 200 रुपये प्रति जिप्सी का शुल्क बढ़ाया गया है। कार्बेट पार्क के ढिकाला, बिजरानी, ढेला, झिरना, दुर्गादेवी, गिरिजा पर्यटन जोन में पर्यटक सफारी करते हैं। इन जोन में सफारी के लिए 383 जिप्सियां कार्बेट कार्यालय में पंजीकृत हैं। काफी समय से जिप्सी मालिक शुल्क बढ़ाने की मांग कर रहे थे। जिस पर सहमति जताते हुए अब शुल्क का नया रेट कार्बेट प्रशासन ने जारी कर दिया है।

बिजरानी का शुल्क पहले 2500 रुपये था जो अब 2700 कर दिया गया है। इसी तरह झिरना, ढेला, दुर्गादेवी व गिरिजा पर्यटन जोन का शुल्क 2800 से तीन हजार रुपये कर दिया गया है। पार्क वार्डन अमित ग्वासाकोटी ने बताया कि एक अप्रैल से यह शुल्क लागू कर दिया जाएगा। कार्बेट की वेबसाइट में भी जिप्सियों के नये शुल्क की संशोधित सूचना अपलोड कर दी गई है। इसमें कालागढ़ के पाखरो व सोनानदी पर्यटन जोन के जिप्सी का संशोधित शुल्क शामिल नहीं है। इससे पूर्व नवंबर 2021 में जिप्सी का शुल्क बढ़ाया गया था।

अप्रैल अपने साथ बढ़ता हुआ तापमान लेकर आ गया है। मैदानी क्षेत्रों में उमस का प्रभाव बढ़ रहा है और फिर गुलजार होने लगा है शीतल पहाड़। इस समय मैदानी क्षेत्र से पर्यटकों का रुख बागेश्वर के पर्यटन स्थलों की ओर है। कौसानी, बैजनाथ तथा बागनाथ नगरी पर्यटकों से गुलजार है।

बागेश्वर नगर का तापमान अधिक रहता है, इसलिए पर्यटक बाबा बागनाथ के दर्शन के बाद कौसानी या बैजनाथ को लौट रहे हैं। मौसम साफ रहने से हिमालय की श्रृंखलाएं अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। वीकेंड पर पर्यटकों की भीड़ बढ़ रही है। ट्रेकिंग के शौकीनों का रुख पिंडारी की ओर है। दिल्ली, महाराष्ट्र, कोलकाता, मुंबई, गुजरात, राजस्थान, जयपुर, हरियाणा आदि स्थानों के पर्यटकों की पहली पसंद कौसानी है। इसलिए सप्ताहांत ही नहीं, बल्कि यह खास हिल स्टेशन पूरे सप्ताह गुलजार है। यहां का तापमान इस समय 20 से 25 डिग्री के बीच है।

जयपुर पिंक कब्स ने जीता हेड-टू-हेड का पहला मुकाबला

हरिद्वार, एजेंसी। वंदना कटारिया स्पोर्ट्स स्टेडियम रोशनाबाद में युवा ऑल स्टार्स कबड्डी चैंपियनशिप के पहले सुपर सिक्स मुकाबले में सोनीपत स्पार्टन्स ने जूनियर स्टीलर्स और दूसरे मैच में पलनी टस्कर्स ने चंडीगढ़ चार्जर्स को हराया। चैंपियनशिप में हेड-टू-हेड का पहला मुकाबला जयपुर पिंक कब्स ने जीता।

जूनियर स्टीलर्स और सोनीपत स्पार्टन्स के बीच हुए मैच में सोनीपत स्पार्टन्स ने 38-33 से जीत दर्ज की। सोनीपत स्पार्टन्स के अंकित कुमार राणा ने नौ अंक हासिल किए। जूनियर स्टीलर्स के घनश्याम मगर ने 10 अंक बनाए। स्टार रेडर ऑफ द मैच घनश्याम मगर, स्टार डिफेंडर ऑफ द मैच प्रियंक चंदेल, स्टार मोमेंट ऑफ द मैच अंकित राणा चुने गए।

पलनी टस्कर्स और चंडीगढ़ चार्जर्स के बीच हुए मैच में पलनी टस्कर्स की टीम 30-28 से विजयी हो गई। पलनी टस्कर्स के सक्तीवेल ने आठ अंक बनाए। चंडीगढ़ चार्जर्स के मोहित ने छह अंक हासिल किए। स्टार रेडर ऑफ द मैच चेतन साहू, स्टार डिफेंडर ऑफ द मैच शक्तिवेल, स्टार मोमेंट ऑफ द मैच हरीश चुने गए। पलनी टस्कर्स और युवा मुम्बा के बीच खेले गए मैच में युवा मुम्बा ने बाजी मारी। पलनी टस्कर्स 26 और युवा मुम्बा ने 30 अंक बनाए। युवा मुम्बा के अभिमन्यु रघुवंशी ने सात अंक प्राप्त किए। पलनी टस्कर्स के गौतम मुरुगन ने सात अंक बनाए।

वसीयत झूठी साबित करने के लिए पिता को जीवनकाल में ही मृत दर्शाया

देहरादून, एजेंसी। पिता की वसीयत झुठलाने के लिए बेटे ने अपने बेटे के साथ मिलकर उन्हें जीवनकाल में ही मृत दर्शा दिया। इसके लिए 25 साल बाद दाह संस्कार प्रमाणपत्र और मृत्यु प्रमाणपत्र बनवा लिया। सौतेले भाइयों ने शिकायत की तो नगर निगम ने भी जांच में मृत्यु प्रमाणपत्र को झूठा पाया। अक्तूबर 2024 में आई नगर निगम की रिपोर्ट के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई। अब एसएसपी से शिकायत हुई तो कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है। शहर कोतवाल चंद्रभान सिंह अधिकारी ने बताया कि मियांवाला के रहने वाले सज्जन सिंह ने शिकायत की है। सज्जन सिंह के तीन भाई सुंदर लाल, इंद्रलाल और राधेश्याम हैं। उनके पिता रामसहाय का तीन दिसंबर 1988 को देहांत हो गया था। उनका अंतिम संस्कार अगले दिन हरिद्वार श्मशान घाट पर हिंदू रीति-रिवाज के साथ किया गया था। इस वसीयत को सब रजिस्ट्रार देहरादून के यहां रजिस्टर्ड भी कराया गया। यह वसीयत सज्जन सिंह और उनके तीन भाइयों के नाम की गई थी। उनका एक सौतेला भाई जगनलाल भी है, जो कि उनके पिता की दूसरी शादी से है। वह पिता की मृत्यु के 25 साल पहले से चकतुनवाला में रह रहा था। आरोप है कि जगनलाल ने अपने भाई मनमोहन के साथ मिलकर लक्खीबाग श्मशान घाट से पिता के अंतिम संस्कार की एक रसीद बनवाई थी। यह रसीद 19 जून 1988 की थी।

देहरादून से लोहाघाट जा रही रोडवेज की बस पलटी, आईटीबीपी जवान सहित छह घायल

हरिद्वार, एजेंसी। सवारियों को लेकर देहरादून से लोहाघाट जा रही रोडवेज बस सोमवार को पलट गई। इसमें एक आईटीबीपी जवान समेत छह यात्री घायल हो गए। घटना की सूचना पर यातायात पुलिस टीम और एसपी सिटी पंकज कुमार गैरोला मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। वहीं, क्रेन की मदद से बस को हटाकर किनारे किया गया।

बताया जा रहा है कि देहरादून से लोहाघाट जा रही रोडवेज बस हरिद्वार बस स्टैंड पर सवारियों को लेने के लिए शहर में प्रवेश कर रही थी। ऋषिकुल घाट के पास बस का नियंत्रण बिगड़ा और पलट गई। इस दुर्घटना में देहरादून में तैनात आईटीबीपी के जवान सीएच नायडू निवासी आंध्र प्रदेश के अलावा ज्वालापुर निवासी कमल किशोर व चार अन्य घायल हो गए।

एसपी सिटी पंकज कुमार गैरोला ने बताया कि घायलों को तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया। इनमें चार घायलों को मामूली चोटें आई थीं। उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद भेज दिया गया। दो लोगों के गंभीर चोटिल होने के कारण अस्पताल में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। एसपी सिटी ने बताया कि घटना की मुख्य वजह स्टेयरिंग जाम होना बताया जा रहा है। फिलहाल वाहन चालक से पूछताछ और वाहन के पलटने का वास्तविक कारण पता किया जा रहा है।

टी सरकार का चला बल्ला, पहले दिन बनाए नाबाद 153 रन

देहरादून, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से आयोजित सीनियर चैलेंजर्स मल्टी डे वुमेन क्रिकेट ट्रॉफी में सोमवार से दूसरे मुकाबले की शुरूआत हुई। पहला मैच पुरकुल स्थित क्रिकेट स्टेडियम में टीम ए और टीम सी के बीच खेला गया। टीम ए ने टॉस जीत पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया।

टीम सी की शुरूआत निराशाजनक रही। ओपनर बल्लेबाज रिया चौधरी 11 और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की युवा ओपनर बल्लेबाज शेफाली वर्मा 40 रन के निजी स्कोर पर पवेलियन लौट गई। इसके भारतीय खिलाड़ी टी सरकार ने पारी को संभाला और 278 गेंदों में नाबाद 153 रनों की शानदार पारी खेली। जबकि उनका साथ जेमिमा आर ने दिया और 71 रन बनाए। इसके साथ ही दिन का मैच पूरा होने तक टीम ने 98 ओवर में 313 रन बनाए। टी ए के लिए मीनण्ने सबसे अधिक पांच विकेट चटकाए। जबकि तनुजा दो और अरुंधति, वासवी व एस सुभा एक-एक विकेट लेने में कामयाब रही।

ट्रॉफी का दूसरा मैच राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में टीम बी और टीम डी के बीच खेला गया। टीम डी ने टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। लेकिन टीम की शुरूआत कोई खास नहीं रही। आलम यह रहा कि ओपनर बल्लेबाज जी तृषा 31 और नंदनी कश्यप आठ रन के निजी स्कोर पर चलती बनी। इसके बाद राघवी ने 45 रनों की पारी खेल टीम को कुछ देर तो संभाला लेकिन दूसरे छोर से विकेटों के गिरने का सिलसिला जारी रहा। आठवें नंबर पर काशवी गौतम मैदान में आई तो उनके सामने न सिर्फ विकेट बचाने की चुनौती थी, बल्कि टीम के लिए सम्मानजनक स्कोर भी बनाने की जिम्मेदारी थी।

एस विश्वनाथ और सुमित ने मुक्केबाजी में जीता स्वर्ण

देहरादून, एजेंसी। अखिल भारतीय शहीद लेफ्टिनेंट गौतम बॉक्सिंग प्रतियोगिता का सोमवार को समापन हो गया। गोर्खा मिलिट्री इंटर कॉलेज, गढ़ी कैंट में आयोजित टूर्नामेंट में अंतिम दिन खिताबी मुकाबले खेले गए। पुरुष वर्ग की 47 किलोग्राम भार वर्ग में एस विश्वनाथ और 70 किलोभार वर्ग में सुमित कुमार ने स्वर्ण अपने नाम किया।

टूर्नामेंट के समापन पर खेल मंत्री रेखा आर्या ने बतौर मुख्य अतिथि व मेयर सौरभ थपलियाल ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

विभागों को बजट आय और व्यय के लिए दिशा-निर्देश जारी

देहरादून, एजेंसी। नया वित्तीय वर्ष को लेकर सचिव वित्त द्वारा दिशा-निर्देशों जारी किए गए हैं, जिसके तहत पूंजीगत परिव्यय में से स्वीकृत धनराशि का 80 प्रतिशत चालू योजनाओं पर होगा। नई योजनाओं पर केवल 20 फीसदी धनराशि खर्च हो सकेगी।

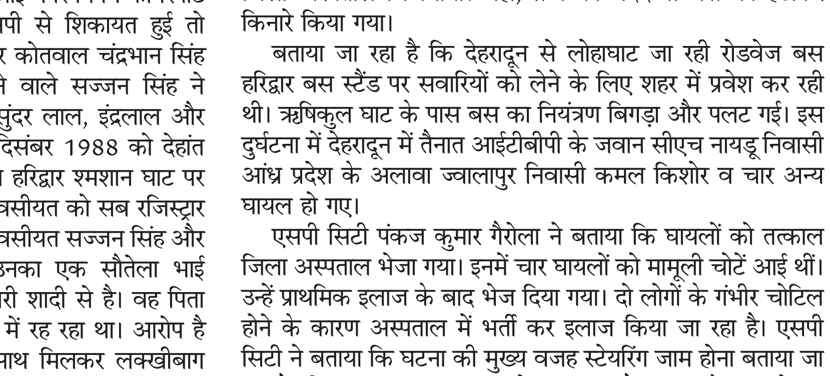

मंगलवार से प्रदेश सरकार का नया वित्तीय वर्ष 2025-26 शुरू हो गया है। वित्त विभाग ने सभी प्रशासकीय विभागों के लिए बजट आय और व्यय के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इस वित्तीय वर्ष से कैंपा की धनराशि का उपयोग केंद्र पोषित योजना की तर्ज पर होगा। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित उच्च अधिकार प्राप्त समिति ने यह निर्णय किया था, जिसे वित्त विभाग ने अपने दिशा-निर्देशों में शामिल कर दिया है। सचिव वित्त दिलीप जावलकर द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के मुताबिक, पूंजीगत परिव्यय में से स्वीकृत धनराशि का 80 प्रतिशत चालू योजनाओं पर होगा। नई योजनाओं पर केवल 20 फीसदी धनराशि खर्च हो सकेगी। हर वर्ष की तरह वित्त विभाग ने सभी विभागों को किफायत बरतने के निर्देश दिए हैं। एक करोड़ रुपये से अधिक के नए कार्यों की स्वीकृति वित्त विभाग तभी देगा जब उस पर गति शक्ति पोर्टल से जनरेटेड यूनिक आईडी का जिक्र होगा। विभागों को 30 अप्रैल तक योजनावार कार्यों की रिपोर्ट वित्त विभाग को भेजनी होगी।

पूंजीगत कार्यों के लिए नई वित्तीय स्वीकृति अंतिम तिमाही में न दी जाए। इसके लिए विभागाध्यक्ष, प्रशासनिक विभाग के साथ संबंधित वित्त व्यय नियंत्रण विभाग जवाबदेह बनाया गया है। वित्त विभाग ने प्रतीक(टोकन) धनराशि के आधार पर योजनाओं को स्वीकृति की परंपरा को उचित नहीं माना है।

शब्द कलश

सम्पादकीय

संघ-भाजपा में तालमेल

सैयद अहमर हसनैन

भले ही प्रसंग राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सौ साल पूरा होने का हो, लेकिन प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की संघ के मुख्यालय की पहली यात्रा के गहरे निहितार्थ भी हैं। जो इस बात का संकेत है कि पिछले आम चुनाव के दौरान संघ व भाजपा के रिश्तों में जिस खटास की बात कही जा रही थी, वह संवाद व संपर्क से दूर कर ली गई है। जो इस बात का भी संकेत है कि आने वाले वक्त में पार्टी व सरकार के अहम फैसलों में संघ की भूमिका बढ़ सकती है। यूं तो प्रधानमंत्री ने बीते रविवार को नागपुर यात्रा के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी की, लेकिन उनका प्रधानमंत्री के रूप में संघ मुख्यालय पहुंचना खास चर्चा में रहा। उल्लेखनीय है कि चौथाई सदी पहले संघ मुख्यालय पहुंचने वाले अटल बिहारी वाजपेयी पहले प्रधानमंत्री थे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि मोदी भी संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं।

साथ ही वे संघ की रीति-नीतियों से भली-भांति परिचित हैं। लेकिन पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के ऐसे बयान चर्चाओं में थे कि पार्टी का कद संघ से बड़ा हो गया है। जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक देखी गई। जिसकी कुछ इस तरह व्याख्या की गई कि पार्टी जिस तरह चार सौ पार के लक्ष्य से चूकी, उसके मूल में संघ कार्यकर्ताओं की उदासीनता रही है। बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य होने के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो आशातीत सफलता हाथ लगी, कहा जा रहा था कि उसमें संघ कार्यकर्ताओं का समर्पण व योगदान महत्वपूर्ण घटक रहा। अब संघ मुख्यालय में प्रधानमंत्री की यात्रा से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि दोनों की रीतियों-नीतियों फिर से बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है। अब राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि आने वाले दिनों में केंद्र सरकार के फैसलों में संघ के दृष्टिकोण का प्रभाव नजर आएगा। वहीं दूसरी ओर कहा तो यहां तक भी जा रहा है कि आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में संघ की भूमिका हो सकती है। ऐसा ही असर बदलते वक्त के साथ पार्टी के अन्य फैसलों पर भी नजर आ सकता है। यानी दोनों अब सामंजस्य व सहजता के साथ आगे बढ़ेंगे। अर्थात पार्टी अब अपने वैचारिक स्रोत के साथ बेहतर तालमेल करके चलना चाहेगी। यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने संघ मुख्यालय में कहा कि संघ का विचार बीज अब वट वृक्ष का रूप ले चुका है। उन्होंने संघ कार्यकर्ताओं के योगदान की चर्चा करते हुए संघ को भारतीय संस्कृति का विशाल वट वृक्ष बताया। बहरहाल, भाजपा संघ से कुछ मुद्दों पर असहमति से आगे निकल चुकी है। उल्लेखनीय है कि आम चुनाव परिणाम के बाद संघ प्रमुख ने नसीहत दी थी कि लोगों की सेवा करने वाले एक सच्चे सेवक में अहंकार नहीं होना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी कतिपय उन नेताओं की तरफ इशारा भी था जिन्होंने कहा था कि पार्टी बड़ी हो गई है और उसे संघ की पहले की तरह जरूरत नहीं है। इसके बाद संघ ने अपने महत्व का अहसास पार्टी को कराया। जिसका राजनीतिक लाभ भाजपा को कुछ राज्यों के विधानसभा चुनावों में मिला भी। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा नागपुर यात्रा के दौरान की गई टिप्पणियों का निष्कर्ष यह भी है कि संघ परिवार की अब सरकार व पार्टी में भूमिका बढ़ सकती है। राजनीतिक पंडितों को तब आश्चर्य नहीं होगा यदि पार्टी के नये अध्यक्ष के चयन में संघ की मोहर लगे। यह भी हकीकत है कि लोकसभा चुनाव में अपने बलबूते पूर्ण बहुमत से दूर रहने के कारण पार्टी की सहयोगी दलों पर निर्भरता बढ़ी है। जिसके चलते भाजपा अपनी सुरक्षा को मजबूत करने के लिये संघ पर अधिक निर्भर रहेगी। निर्विवाद रूप से आने वाले समय में पार्टी को पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में कठिन परीक्षा से गुजरना होगा। ऐसे में भगवा पार्टी को अगले दो वर्षों में बड़ी सफलता हासिल करने के लिये संघ पर निर्भर रहना पड़ेगा। जहां संघ अपनी आधार भूमि को विस्तार दे रहा है।

संघ के सौ वर्ष पूरे

संघ-भाजपा में तालमेल से जुड़े सुखद संकेत

ललित गर्ग

पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के कुछ अतिश्योक्तिपूर्ण एवं अहंकारी बयानों से भाजपा का कद संघ से बड़ा बताने की कोशिशें हुई थी, जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक एवं खटास देखी गई। जिसका असर लोकसभा चुनाव में चार सौ पार के लक्ष्य पर पड़ा, उसके मूल में संघ कार्यकर्ताओं की उदासीनता रही है। बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य होने के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ एवं दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो आशातीत सफलता हाथ लगी, कहा जा रहा था कि उसमें संघ कार्यकर्ताओं का समर्पण व सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण घटक रहा। अब संघ मुख्यालय में प्रधानमंत्री की यात्रा से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि दोनों की रीतियों-नीतियों फिर से बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है। इसका असर आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में संघ की भूमिका को लेकर देखने को मिलेगा, ऐसा ही असर बदलते वक्त के साथ पार्टी के अन्य फैसलों पर भी नजर आ सकता है। आने वाले समय में भाजपा के लिये संघ का सहयोग पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में अपनी जमीन मजबूत करने एवं जड़े जमाने में मील का पत्थर साबित होगा। इन राज्यों में संघ अपनी आधार भूमि को विस्तार दे रहा है। यानी दोनों अब सामंजस्य, सहयोग व सहजता के साथ आगे बढ़ेंगे...

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 25 साल बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय के अंगने में पहुंचकर संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर में श्रद्धांजलि दी, जिससे संघ एवं भाजपा के बीच एक नई तरह की ऊर्जामयी सोच एवं समझ विकसित हुई है। एक नई प्राणवान ऊर्जा का सूरज उगा है, नये संकल्पों को पंख लगे हैं। संघ के सौ वर्ष पूरे करने के ऐतिहासिक अवसर पर मोदी ने सही कहा कि संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है, जो निरंतर भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को ऊर्जा प्रदान कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने 34 मिनट की संबोधन में देश के इतिहास, भक्ति आंदोलन, इसमें संतों की भूमिका, संघ की नि:स्वार्थ कार्य प्रणाली, देश के विकास, युवाओं में धर्म-संस्कृति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा, भाषा और प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा करते हुए जहां नये बन रहे भारत की बानगी प्रस्तुत की, वही संघ की उपयोगिता एवं महत्व को चार-चांद लगाये। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की संघ के मुख्यालय की इस पहली यात्रा के गहरे निहितार्थ भी हैं तो दूरगामी परिदृश्य भी है।

जो इस बात का संकेत है कि पिछले आम चुनाव के दौरान संघ व भाजपा के रिश्तों में जिस खटास को अनुभव किया गया था, वह संवाद, समझ, सकारात्मक सोच व संपर्क से दूर कर ली गई है। जो इस बात का भी संकेत है कि आने वाले वक्त में भाजपा व सरकार के अहम फैसलों में संघ की भूमिका बढ़ेगी, जिससे देश हिन्दू राष्ट्र के रूप में सशक्त होते हुए विश्व गुरु बनने के अपने संकल्प को पूरा कर सकेगा। वसुधैव कुटुम्बकम के भारत के उद्घोष को अधिक सार्थक करते हुए दुनिया के लिये एक रोशनी बनेगा। यह सर्वविदित है कि मोदी भी संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। साथ ही वे संघ की रीति-नीतियों से भली-भांति परिचित हैं। लेकिन पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के कुछ अतिश्योक्तिपूर्ण एवं अहंकारी बयानों से भाजपा का कद संघ से बड़ा बताने की कोशिशें हुई थी, जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक एवं खटास देखी गई। जिसका असर लोकसभा चुनाव में चार सौ पार के लक्ष्य पर पड़ा, उसके मूल में संघ कार्यकर्ताओं की उदासीनता रही है। बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य होने के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ एवं दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो आशातीत सफलता हाथ लगी, कहा जा रहा था कि उसमें संघ कार्यकर्ताओं का समर्पण व सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण घटक रहा। अब संघ मुख्यालय में प्रधानमंत्री की यात्रा से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि दोनों की रीतियों-नीतियों फिर से बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है। इसका असर आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में संघ की भूमिका को लेकर देखने को मिलेगा, ऐसा ही असर बदलते वक्त के साथ पार्टी के अन्य फैसलों पर भी नजर आ सकता है। आने वाले समय में भाजपा के लिये संघ का सहयोग पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में अपनी जमीन मजबूत करने एवं जड़े जमाने में मील का पत्थर साबित होगा। इन राज्यों में संघ अपनी आधार भूमि को विस्तार दे रहा है। यानी दोनों अब सामंजस्य, सहयोग व सहजता के साथ आगे बढ़ेंगे। अर्थात भाजपा अब अपने वैचारिक एवं ऊर्जा स्रोत के साथ बेहतर तालमेल करके चलना चाहेगी। मोदी की नागपुर यात्रा के अनेक शुभ संकेत देखे जा रहे हैं, इसको औरंगजेब, राणा सांगा, संभल विवाद के बीच हिन्दुत्व की राजनीति को नई धार देने की कोई योजना के साथ जोड़कर भी देखा जा रहा है, नरेन्द्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत की इस मुलाकात को 2029 के चुनावों की कोई नई पटकथा तैयार करने की पृष्ठभूमि में भी देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के संघ मुख्यालय के दौरे पर जहां विपक्ष बौखला रहा है वहीं इस यात्रा ने संघ के भीतर भी कई लोगों को सुखद आश्चर्य में डाल दिया है। मोदी दीक्षाभूमि भी गए, जहां डॉ. बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर ने 1956 में अपने हजारों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया था। उन्होंने दीक्षाभूमि की सामाजिक न्याय और दलितों को सशक्त बनाने के प्रतीक के रूप में सराहना करते हुए डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के सपनों के भारत को साकार करने के लिए और भी अधिक मेहनत

करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहरा कर सबका दिल जीत लिया। मोदी की ओर से नागपुर में अपने संबोधन के दौरान संघ की भरपूर प्रशंसा को अपने वैचारिक मार्गदर्शक के प्रति भाजपा के रुख में आये बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। मोदी ने संघ की 'राष्ट्र निर्माण और विकास में रचनात्मक भूमिका' को रेखांकित करके अपनी '2047 तक विकसित भारत' की योजनाओं में संघ की भूमिका के महत्व को भी दर्शाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ मेले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए भी स्वयंसेवकों को श्रेय दिया था। इसके अलावा, हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों पर आरएसएस द्वारा की जाने वाली सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने पर लगाए गए प्रतिबंध को भी हटा दिया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने जीवन-संकल्पों एवं विचार-ऊर्जा के जिस आंगन में आठ वर्ष की आयु में कदम रख कर जीने की कला सीखी। उस संघ से संस्कार ग्रहण कर ही उनके दिल में राष्ट्रभक्ति की ज्योति प्रज्ज्वलित हुई। उसी संघ के आंगन में नरेन्द्र मोदी के जाने पर अलग-अलग कयास लगाने एवं स्तरहीन राजनीति करने की जरूरत नहीं है। इस पर ज्यादा आश्चर्य भी जताने का कोई औचित्य इसलिये नहीं है कि कोई अपने घर, अपने संस्कार-भूमि एवं अपनी पवित्र पाठशाला में गया है। संघ उनकी राजनीति की आत्मा तो है ही, जीवन-संस्कारदाता भी है। उनका संघ से रिश्ता दशकों पुराना है। नरेन्द्र मोदी के साथ संघ भी हमेशा चट्टान की तरह खड़ा रहा है। खुद को संघ के प्रचारक मानने वाले मोदी समय-समय पर संघ की तारीफ करने में नहीं चूकते।

ईद पर सौगात तो दीपावली पर उपहार क्यों नहीं ?

मुफ्त की रेवड़ियां

तनवीर जाफ़री

यूपी में भेदभाव सबसे बड़ा संकट है। ये भेदभाव नहीं चल सकता। हर किसी को उसके हक़ का मिलना चाहिए ये सबका साथ सबका विकास होता है। उन्होंने कहा,अगर होली पर बिजली मिलती है तो ईद पर भी बिजली मिलनी चाहिए।अगर रमज़ान में बिजली मिलती है तो दिवाली पर भी बिजली मिलनी चाहिए। गांव में क़ब्रिस्तान बनता है तो श्मशान भी बनना चाहिए। भेदभाव नहीं होना चाहिए। धर्म और जाति के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। तो क्या उपरोक्त प्रवचन केवल विपक्ष के लिये ही है? आज यह सवाल ज़रूरी क्यों नहीं कि मुसलमानों को ईद पर सौगात तो हिन्दुओं को दीपावली पर क्यों नहीं? गुरुपर्व पर सिक्खों को तोहफ़ा क्यों नहीं? ईस्टर या गुड फ्राइडे पर ईसाइयों को क्यों नहीं? यह भेदभाव क्यों और इसका कारण क्या है? दरअसल भाजपा ने कोरोना काल के बाद मुफ़्त राशन बांटकर आम जनता के वोट लेने का जो तरीक़ा अपनाया है और उसे मतदाताओं की नयी श्रेणी अर्थात लाभार्थी श्रेणी के रूप में चिन्हित किया है यह सौगात -ए -मोदी भी उसी तरह का एक खेल है जो बिहार चुनाव से पहले खेला जा रहा है। इस खेल के बहाने भाजपा लालू यादव व नितीश कुमार दोनों ही नेताओं के साथ खड़े मुस्लिम मतदाताओं को अपने पक्ष में लामबंद करने का एक प्रयास कर रही है...

भाजपा द्वारा गत दिनों सौगात-ए-मोदी नामक एक अभियान की शुरुआत की गयी। इस अभियान के अंतर्गत देश के 32 लाख मुसलमानों को ईद मनाने के लिए विशेष किट दिये जाने का समाचार है। ख़बरों के मुताबिक़ भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चे के कार्यकर्ताओं के माध्यम से देश की अनेक चयनित मस्जिदों में कम से कम 100 लोगों को सौगात-ए-मोदी रुपी विशेष किट देकर उन्हें सहायता पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मोदी की इस सौगात में महिलाओं के लिए सूट, पुरुषों के लिए कुर्ता-पायजामा, दाल, चावल, सेंवई, सरसों का तेल, चीनी, कपड़े, मेवा, खजूर आदि शामिल हैं। देश भर में मुसलमानों के साथ केंद्र से लेकर अनेक भाजपा शासित राज्यों द्वारा जिस तरह का सौतेला व्यवहार किया जा रहा है इन हालात के मद्देनज़र ईद पर सौगात-ए-मोदी पर चर्चा होना लाज़िमी है। सौगात-ए-मोदी से जुड़े ऐसे कई सवाल हैं जिसका जवाब देश की जनता सुनना चाहती है। पहला सवाल तो यही कि अपनी स्थापना के समय से ही कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगाने वाली भाजपा की नज़रों में क्या यह तुष्टिकरण नहीं है ?

क्या कांग्रेस या अन्य दल अल्पसंख्यकों के फ़ायदे के लिये कोई योजनाएं लाएं तो केवल वही तुष्टिकरण है और भाजपा जो करे उसे सन्तुष्टीकरण का नाम दे दे? दूसरी बात यह कि मोदी का मुस्लिम प्रेम न तो गुजरात में लंबे समय तक उनके मुख्यमंत्री रहते उमड़ा न ही पिछले दस वर्षों में उनकी प्रधानमंत्री काल में यह नज़र आया। फिर अब आख़िर इस सौगात की याद क्यों आई और इसकी ज़रुरत क्यों महसूस हुई ? कहीं यह इसी वर्ष अक्टूबर या नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र मुस्लिम मतों को लुभाने का एक शगूफ़ा तो नहीं ? एक सवाल यह भी कि दूसरे दलों पर वोटों की ख़ातिर मुफ़्त की रेवड़ियां बांटने का आरोप मढ़ने वाली भाजपा ईद पर बंटने वाली सौगात-ए-मोदी को क्या मुफ़्त की रेवड़ी नहीं कहेगी? और इन सबसे बड़ा सवाल यह कि यदि प्रधानमंत्री ईद पर मुसलमानों को सौगात दे रहे हैं तो क्या देश की बहुसंख्य हिन्दू आबादी दीपावली पर उपहार की हक़दार नहीं? प्रधानमंत्री को फ़रवरी 2017 में उत्तर प्रदेश के फ़तेहपुर की एक जनसभा में राज्य की तत्कालीन समाजवादी सरकार के लिये दिये गये उस बहुचर्चित व विवादित प्रवचन को नहीं भूलना चाहिये जिसमें उन्होंने कहा था कि- धर्म के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। यूपी में भेदभाव सबसे बड़ा संकट है। ये भेदभाव नहीं चल सकता। हर किसी को उसके हक़ का मिलना चाहिए ये सबका साथ सबका विकास होता है। उन्होंने कहा,अगर होली पर बिजली मिलती है तो ईद पर भी बिजली मिलनी चाहिए।अगर रमज़ान में बिजली मिलती है तो दिवाली पर भी बिजली मिलनी चाहिए। गांव में क़ब्रिस्तान बनता है तो श्मशान भी बनना चाहिए। भेदभाव नहीं होना चाहिए। धर्म और जाति के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। तो क्या उपरोक्त प्रवचन केवल विपक्ष के लिये ही है? आज यह सवाल ज़रूरी क्यों नहीं कि मुसलमानों को ईद पर सौगात तो हिन्दुओं को दीपावली पर क्यों नहीं? गुरुपर्व पर सिक्खों को तोहफ़ा क्यों नहीं? ईस्टर या गुड फ्राइडे पर

ईसाइयों को क्यों नहीं? यह भेदभाव क्यों और इसका कारण क्या है? दरअसल भाजपा ने कोरोना काल के बाद मुफ़्त राशन बांटकर आम जनता के वोट लेने का जो तरीक़ा अपनाया है और उसे मतदाताओं की नयी श्रेणी अर्थात लाभार्थी श्रेणी के रूप में चिन्हित किया है यह सौगात -ए -मोदी भी उसी तरह का एक खेल है जो बिहार चुनाव से पहले खेला जा रहा है। इस खेल के बहाने भाजपा लालू यादव व नितीश कुमार दोनों ही नेताओं के साथ खड़े मुस्लिम मतदाताओं को अपने पक्ष में लामबंद करने का एक प्रयास कर रही है। उसे लगता है कि जिसतरह मुफ़्त राशन बांटकर उसने भूखे व बेरोज़गार लोगों को अपने पक्ष में कर लिया है शायद सौगात -ए -मोदी किट भी बिहार में भाजपा के लिये उसी तरह फ़ायदेमंद साबित हो। परन्तु शायद ऐसा होने वाला इसलिए नहीं क्योंकि इस समय मुसलमानों की सबसे बड़ी चिंता उनकी सुरक्षा है,उनकी शिक्षा व रोज़गार है। उनकी इबादतगाहों की सुरक्षा है। उनके धार्मिक रीति रिवाजों को अमल में लाने की स्वतंत्रता है। उनके साथ निष्पक्षता से पेश आना तथा न्याय करना है। परन्तु इसी मोदी राज में देश के अनेक भाजपा शासित राज्यों में नमाज़ पढ़ने पर पाबंदी लगाई जा रही है। सड़कों,पार्कों यहाँ तक कि अपने घर की छतों पर भी नमाज़ पढ़ने पर रोक लगने की ख़बर है। हरियाणा में तो ईद का अवकाश ही 31 मार्च को बहाना बनाकर गज़ेटेड हॉलीडे की लिस्ट से हटा कर रिस्ट्रिक्टेड हॉलिडे कर दिया गया है। ऐसे में विपक्ष सवाल कर रहा है कि ईद मुसलमानों का एक ही सबसे बड़ा त्योहार होता है, जो पूरे देश में मनाया जाता है। ऐसे में आख़िर ईद की गज़ेटेड छुट्टी को वैकल्पिक छुट्टी के रूप में क्यों बदल दिया गया? आज जगह जगह मुसलमानों के आर्थिक बहिष्कार की ख़बरें आ रही हैं। यहाँ तक कि महाकुंभ जैसे आयोजन में कुछ लोगों ने मुसलमानों के मेला प्रवेश तक का विरोध किया। खुले आम भाजपाई समर्थक नफ़रत फैला रहे हैं। अनेक स्थानों से पुलिस,प्रशासनिक पक्षपातपूर्ण कार्रवाई की ख़बरें आ रही हैं। मुसलमानों के धर्म स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है। जगह जगह बेगुनाह लोगों के घरों पर बुलडोज़र चलाये जा रहे हैं। दिसंबर 2019 में नागरिकता संशोधन विधेयक पर होने वाले विरोध प्रदर्शनों को लेकर यह मोदी ने ही तो कहा था कि जो आग लगा रहे हैं, टीवी पर जो उनके दृश्य आ रहे हैं, ये आग लगाने वाले कौन हैं, उनके कपड़ों से ही पता चल जाता है। और आज उन्हीं को सौगात पेश की जा रही है?यदि भाजपा या मोदी वास्तव में मुसलमानों को सौगात देना चाहते हैं तो उन्हें व उनकी पार्टी व सरकार को भारतीय मुसलमानों से नफ़रत करने वाले लोगों की बयानबाज़ियों पर लगाम लगनी चाहिये। जब संसद में उनके सांसद खुले आम मुसलमानों को गालियां देने लगें तो समझा जा सकता है कि इस विरोध की जड़ें कितनी गहरी हैं। पक्षपात हर स्तर पर बंद होना चाहिये।

नवीनतम धर्म

आखिर दुनियांभर में क्यों बढ़ रही बहाई धर्म के अनुयायी ?

डॉ. अजय कुमार मिश्रा

इन्सान के जीवन की सबसे बड़ी ख़ोज में से धर्म एक है जिसके जरिये जीवन को जीने और परस्पर सहयोग समेत जीवन के अनेकों पहलुओं को समझने और आगे बढ़ना सिखाया जाता है। पर सभी धर्म के अनुयायी एक दूसरें से अपने धर्म को श्रेष्ठ मानतें है। जबकि इन्सान और इंसानियत ही सबसे बड़ी आवश्यकता इस धरती पर है। दुनियां का सबसे नवीनतम धर्म जिसे हम सभी बहाई धर्म के नाम से जानते है एक नयी और आधुनिक विचारधारा के साथ सामने आया है बहाई धर्म 19वीं सदी में ईरान में स्थापित एक स्वतंत्र धर्म है, जिसकी स्थापना मिर्जा हुसैन अली नूरी, जिन्हें बहाउल्लाह के नाम से जाना जाता है, ने की थी। यह धर्म आज दुनियां के लगभग सभी देशों में मौजूद है और इसके अनुयायी आपको मिल जायेंगे। यह धर्म एक ईश्वर में विश्वास करता है और इसकी मूल मान्यताओं के अनुसार मानवता एक है और दुनियां के सभी धर्म एक ही ईश्वर से उत्पन्न हुए है जिनका उद्देश्य समय-समय पर मानवता का विकास करना रहा है। इस धर्म का मानना है की एक सर्वशक्तिमान ईश्वर ही इस दुनियां का मुख्य स्रोत है इस धर्म के अनुसार दुनिया के प्रमुख धर्म हिन्दू धर्म, इस्लाम धर्म, ईसाई धर्म, बौद्ध धर्म सभी के जनक एक ही ईश्वर है और मानवता के विकास के लिए उनके दूत के रूप में समाज को नई दिशा देने के लिए महान लोगों का इस धरती पर जन्म हुआ।

इस धर्म का विश्वास है की धरती के सभी मनुष्य एक समान है इनमे किसी भी आधार पर किसी तरह का भेद-भाव नहीं होना चाहिए। इस धर्म की यह भी मान्यता है की बिना किसी के प्रभाव में आये सभी लोगों को सत्य की खोज स्वयं करना चाहिए। शिक्षा और विज्ञान व आध्यात्मिकता का समन्वय की अनिवार्यता पर यह विशेष बल देता है। इस धर्म की सबसे बड़ी विशेषता यह है की इस धर्म का मुख्य लक्ष्य विश्व शांति स्थापित करना है तथा शांति और न्याय इसका मजबूत आधार है। सादगी और अनुकूलनशीलता पर भी यह बल देता है। आज दुनियांभर में बहाई धर्म के अनुयायी आपको देखने को मिल जायेंगे जिनकी संख्या लगभग 8 मिलियन के करीब है दिल्ली में स्थित लोटस टेम्पल इसी धर्म की देन है। इसका मुख्य केंद्र हाइफा, इज़राइल में विद्यमान है। यह धर्म खासकर उन लोगों के बीच लोकप्रिय है जो शांति और एकता के संदेश से जुड़ाव महसूस करते हैं। अब प्रश्न यह भी उठता है की यह धर्म पहले से चल रहे अनेकों धर्म के होते हुए भी इसकी स्वीकार्यता क्यों बढ़ रही है इसके पीछे का कारण यह है इस धर्म की मान्यता के अनुसार सभी प्रमुख धर्म ईश्वर से ही उत्पन्न हुए है और उन धर्मो के संस्थापक ईश्वर के दूत रहें है जिनका मुख्य उद्देश्य मानव को समयानुसार सही मार्ग प्रसस्त करना रहा है जबकि इस धर्म के पूर्व के कई धर्म अपने को एकमात्र सत्य या अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करते हैं। एक तरफ जहाँ बहाई धर्म आधुनिक सामाजिक मुद्दों जैसे लैंगिक समानता, शिक्षा का अधिकार, गरीबी उन्मूलन और विश्व शांति पर जोर देता है और यह विज्ञान और धर्म के बीच सामंजस्य को बढ़ावा देता है वही अन्य धर्म कई पारंपरिक धर्मो में सामाजिक नियम प्राचीन संदर्भो पर आधारित हैं और आधुनिकता के साथ उनका समन्वय समय के साथ व्याख्या के माध्यम से हुआ है। इस धर्म के शुरुआत से ही इसे एक वैश्विक धर्म के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो मानवता की एकता और विश्व सरकार जैसी अवधारणाओं को बढ़ावा देता है। इसका लक्ष्य एक ऐसी दुनिया बनाना है जहां राष्ट्र, संस्कृतियाँ और लोग एकजुट हों जबकि कई धर्मो की शुरुआत स्थानीय या क्षेत्रीय संदर्भ में हुई और बाद में वे वैश्विक हुए। इसमें जटिल अनुष्ठान, मूर्तिपूजा या धार्मिक प्रतीकों का व्यापक अभाव है। प्रार्थना, ध्यान और सामुदायिक सभाएँ (19-दिवसीय भोज) इसकी मुख्य प्रथाएँ हैं और अन्य धर्मो से यह अधिक लचीला भी है। यह धर्म स्वयं को मानव इतिहास के वर्तमान युग के लिए एक नया धर्म मानता है, जो पिछले धर्मो को पूर्ण करने के बजाय उनके संदेश को आगे बढ़ाता है जबकि अधिकांश धर्म प्राचीन हैं और अपनी उत्पत्ति को हजारों साल पुरानी परंपराओं से जोड़ते हैं। सबसे खास बात इस धर्म की यह है की इस धर्म में शराब और नशीले पदार्थो का सेवन पूरी तरह निषिद्ध है, जो इसे कुछ अन्य धर्मो से अलग करता है।

अनमोल विचार

- जीवन में माँ बाप ही आपके सच्चे मित्र होते क्योकि वो आपके लिए कभी ग़लत नहीं सोच सकते ।
- जिस व्यक्ति में जीतने का जुनून होता है उसे कोई नहीं हरा सकता वो कही ना कही से लड़ कर आगे बढ़ जाता है ।
- सही निर्णय से व्यक्ति सफलता प्राप्त कर सकता है पर निर्णय लेते वक्त बहुत ध्यान से निर्णय को ले ।
- भविष्य को सुधारना है तो मेहनत आज से करनी होगी भविष्य आज से हो कर गुजरता है ।
- कर्म का फल भले कितनी बाधायें क्यों न आजाये मिलता ज़रूर है ।
- जीवन की ज्योति जब तक चलती है सच्चे मन से कार्य करते रहे सफलता अवश्य मिलेगी ।

जिज्ञासा — सच्ची पितृ-भक्ति

महान संत रामचंद्र डोंगरे जी महाराज एक बार गुजरात के किसी नगर में श्रीमद्भागवत की कथा सुना रहे थे। एक युवक बड़ी तन्मयता से उनकी कथा सुन रहा था। लीला प्रसंगों को सुनकर उसकी आंखें नम हो जाती थीं। जैसे ही रात के सात बजते वह कथा बीच में छोड़कर घर लौट जाता। एक दिन वह कथा से पूर्व डोंगरे जी के दर्शनों के लिए आया। संत जी ने उससे पूछ लिया, बेटा तुम कथा बीच में छोड़कर क्यों चले जाते हो? युवक ने बताया कि महाराज मेरी माता जी का निधन हो चुका है। घर में पिताजी अकेले रहते हैं। उन्हें आंखों से दिखाई नहीं देता। दिन छिपते ही मैं घर पहुंचकर दिया जलाता हूं। उन्हें दवा देता हूं। अपने हाथ से उनके लिए भोजन तैयार करता हूं। जब तक सो नहीं जाते उनके चरण दबाता हूं। इसलिए पूरी कथा नहीं सुन पाता। डोंगरे जी उस अनूठे पितृभक्त के समक्ष नतमस्तक हो उठे। युवक को संकोच में देखकर बोले, 'मैं तो मातृ-पितृ भक्तों की कथा ही सुनाता हूं। तुम तो अपने हाथों से माता-पिता की सेवा करते हो।' यह कहते-कहते उन्होंने युवक के हाथों को अपने हाथों में ले लिया।

आज का राशिफल

मेष: रुका हुआ पैसा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। आशंका-कुशंका रहेगी।

वृषभ: स्थायी संपत्ति की ख़रीद-फरोख्त हो सकती है। लंबे समय से रुके कार्य पूर्ण होने के योग हैं। बड़ा लाभ हो सकता है। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शत्रुओं से सावधानी आवश्यक है।

मिथुन: किसी भी निर्णय को लेने में विवेक का प्रयोग करें। परिवार के साथ जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। व्ययवृद्धि होगी। विवाद को बढ़ावा न दें। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है।

कर्क: कोर्ट व कचहरी के काम से छुटकारा मिल सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। लाभ होगा।

सिंह: मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। वरिष्ठ व्यक्तियों का मार्गदर्शन लाभ में वृद्धि करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी।

कन्या: उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विवाद को बढ़ावा न दें। आत्मसम्मान बना रहेगा। कोई बड़ा काम तथा बाहर जाने का मन बनेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभदायक रहेगा।

तुला: भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा।

वृश्चिक: कोई बड़ी परेशानी आ सकती है। भागदौड़ अधिक होगी। शोक समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह नकारात्मकता रहेगी। आलस्य हावी रहेगा।

धनु: विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। नौकरी में कोई नया काम कर पाएंगे। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त हो सकता है। निवेश में जल्दबाजी न करें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

मकर: चोट व दुर्घटना से हानि हो सकती है। भ्रम की स्थिति बन सकती है। किसी व्यक्ति के व्यवहार से मन को ठेस पहुंच सकती है। जल्दबाजी न करें। विवाद की स्थिति नहीं बनने दें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें।

कुंभ: पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत की सेवा करने का अवसर प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। पार्टनरों से सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मीन: आर्थिक उन्नति के लिए नई नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लंबे समय से रुके कार्य पूर्ण होने के योग हैं, प्रयास करते रहें। आय में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी न करें।

आज का पंचांग

2 अप्रैल को चैत्र शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि और बुधवार का दिन है। पंचमी तिथि आज रात 11 बजकर 50 मिनट तक रहेगी। आज चैत्र नवरात्र का पांचवा दिन है। आज देर रात 2 बजकर बजकर 50 मिनट तक आयुष्मान योग रहेगा। साथ ही आज सुबह 8 बजकर 50 मिनट तक कृत्तिका नक्षत्र रहेगा। इसके अलावा आज राम राज्य महोत्सव तथा श्री लक्ष्मी पंचमी भी मनाई जाएगी।

02 अप्रैल 2025 का शुभ मुहूर्त
चैत्र शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि- 02 अप्रैल 2025 को रात 11 बजकर 50 मिनट तक रहेगी
आयुष्मान योग- 02 अप्रैल 2025 को देर रात 2 बजकर बजकर 50 मिनट तक
कृत्तिका नक्षत्र- 02 अप्रैल 2025 को सुबह 8 बजकर 50 मिनट तक
02 अप्रैल 2025 व्रत-त्यौहार- नवरात्रि का पांचवा दिन, श्री लक्ष्मी पंचमी का व्रत
सूर्योदय-सूर्यास्त का समय
सूर्योदय- सुबह 6:10 बजे
सूर्यास्त- शाम 6:39 बजे

एआई से बन रही वेबसाइट-ऐप, तो क्या खत्म हो जाएंगी नौकरियां

नई दिल्ली, एजेंसी। तकनीक की दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तेजी से अपनी पकड़ बना रहा है। पहले जहां वेबसाइट, ऐप और सॉफ्टवेयर बनाने के लिए डेवलपर की जरूरत होती थी, अब वही काम एआई के जरिये चंद मिनट में हो रहा है। एआई आधारित गिटहब, कॉपायलट, चैटजीपीटी, कर्जर, टैबनाइन और

डेविन जैसे टूल कोडिंग को आसान बना रहे हैं। कई कंपनियां अब एआई का इस्तेमाल करके वेबसाइट और ऐप बना रही हैं। इससे डेवलपर की मांग घट रही है।

हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि एआई पूरी तरह इंसानों की जगह नहीं ले सकता। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीनियर डेवलपर की उत्पादकता बढ़ेगी, लेकिन नौकरियां खत्म नहीं होंगी। बिल गेट्स का कहना है कि एआई में रचनात्मकता और समस्या सुलझाने की क्षमता की कमी है। डीजैंगो के सह-संस्थापक साइमन विलिसन के अनुसार, एआई द्वारा लिखा कोड हमेशा भरोसेमंद नहीं होता।

नई स्किल्स सीखनी होंगी

रिपोर्ट के मुताबिक, 2027 तक 80 फीसदी सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को नई स्किल्स सीखनी होंगी। एंथ्रोपिक के सीईओ डेरियो अमोडेई का कहना है कि अगले दो साल में एआई लगभग हर तकनीकी कार्य में आगे निकल जाएगा। हालांकि, एआई में लीडरशिप, बिजनेस स्ट्रैटेजी और नैतिक निर्णय लेने की क्षमता नहीं है। जो डेवलपर्स एआई टूल्स का सही उपयोग और समस्या समाधान जैसी स्किल्स सीखेंगे, उनके लिए मौके बने रहेंगे।

रेलवे कवच सिस्टम का मिला है काम

ऑर्डर वैल्यू 762 करोड़, शेयरों में 12 प्रतिशत की तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। एचबीएल इंजीनियरिंग के शेयरों की कीमतों में आज तूफानी तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों का भाव 12 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया है। कंपनी के शेयरों में उछाल के पीछे की वजह सेंट्रल रेलवे से मिला कई काम है। कंपनी को रेलवे की आधुनिक कवच सिस्टम के लिए ऑर्डर मिला है। जिसकी

वजह से निवेशकों में उत्साह देखने को मिल रहा है। बीएसई में आज कंपनी के शेयर बढ़त के साथ 492.90 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 12 प्रतिशत से अधिक की उछाल के साथ 530.75 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। बता दें, कंपनी के शेयर 520 रुपये के लेवल पर ट्रेड कर रहा था।

क्या है वर्क ऑर्डर डीटेल्स

कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि उन्हें 413 स्टेशन के लिए कवच सिस्टम बनाने का काम मिला है। इस ऑर्डर के जरिए 3900 किलोमीटर की दूरी कवर होगी। इस प्रोजेक्ट के लिए कंपनी को 18 महीने का समय है। बता दें, कंपनी को मिल 5 काम की वैल्यू 762.56 करोड़ रुपये की है। इसमें 18 प्रतिशत की जीएसटी भी शामिल है।

एक्सएलआरआई ने पीजीडीएम और पीजीडीएम 2023-25 बैच के लिए प्लेसमेंट हासिल किया जो एक रिकॉर्ड है

जमशेदपुर, एजेंसी। ज़ेवियर स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट – एक्सएलआरआई ने पीजीडीएम (बीएम) और पीजीडीएम (एचआरएम) 2023–25 बैच के लिए अपने अंतिम प्लेसमेंट को सफलतापूर्वक संपन्न कर लिया है, जो भारत के प्रमुख बिज़नस स्कूल के रूप में अपनी विरासत को मजबूत कर रहा है। एक्सएलआरआई जमशेदपुर और एक्सएलआरआई दिल्ली एनसीआर कैम्पस से कुल 591 विद्यार्थियों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया, जिसमें 172 भर्तीकर्ताओं ने 600 से अधिक ऑफ़र दिए, जिनमें दो अंतरराष्ट्रीय ऑफ़र और 41 नए भर्तीकर्ता शामिल थे। बाज़ार की चुनौतीपूर्ण स्थितियों के बावजूद, मीडियन (माध्यिका) वेतन 29 लाख रुपये प्रति वर्ष तक पहुँच गया, शीर्ष 10 प्रतिशत ने औसत 52.03 लाख रुपये प्रति वर्ष हासिल किया और शीर्ष 25 प्रतिशत ने 44.35 लाख रुपये प्रति वर्ष हासिल किया। उच्चतम अंतरराष्ट्रीय ऑफर 1.10 करोड़ रुपये का था, जबकि उच्चतम घरेलू पैकेज 75 लाख रुपये प्रति वर्ष तक पहुँच गया। उद्योग जगत से संबंधित लोग एक्सएलआरआई प्रतिभा पर भरोसा करते हैं। प्लेसमेंट सीज़न में 34.17 प्रतिशत विद्यार्थियों को प्री–प्लेसमेंट ऑफ़र प्राप्त हुए, जो इंटर्नशिप के दौरान उनके शानदार प्रदर्शन का प्रमाण है ।कंसल्टिंग, बीएफ़एसआई और सेल्स एंड मार्केटिंग भर्ती के शीर्ष क्षेत्रों के रूप में उभरे हैं, जिसमें एक्सेंचर स्ट्रैटेजी, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप , ईवाय पार्थेनन, पी2सी इंडिया, रिलायंस और कोटक महिंद्रा बैंकजैसी प्रमुख कंपनियाँ सबसे ज़्यादा ऑफ़र दे रही हैं। एक्सएलआरआई के निदेशक डॉ. (फ़ादर) एस. जॉर्ज, एस जे ने छात्रों की उपलब्धियों पर अत्यधिक गर्व व्यक्त किया। बदलते आर्थिक परिदृश्य के बावजूद, एक्सएलआरआई के छात्रों ने एक बार फिर नेतृत्व करने और अनुकूलन करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। भर्तीकर्ताओं से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया हमारे छात्रों की योग्यता, मूल्यों और नेतृत्व क्षमता पर उद्योग के विश्वास को दर्शाती है। एक्सएलआरआई स्नातकों की लगातार बढ़ती माँग के साथ, संस्थान ने प्रबंधन शिक्षा में मानक स्थापित करना जारी रखा है, और शीर्ष स्तरीय बिज़नस स्कूल के रूप में अपनी स्थिति मज़बूत की है।

एसईटी 2025 और एसआईटीईई 2025 के ऐप्लीकेशनस जल्द बंद होने वाले हैं

- **सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड यूनिवर्सिटी) में अंडरग्रेजुएट प्रोग्रामों के लिए आवेदन का अंतिम अवसर**

नईदिल्ली, एजेंसी। सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड युनिवर्सिटी) 12 अप्रैल 2025 को सिम्बायोसिस एंट्रेन्स टेस्ट 2025 और एसआईटीईई (सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग एंट्रेंस एक्ज़ाम) के रजिस्ट्रेशन बंद करने जा रही है। एसईटी और एसआईटीईई दोनों एप्टीट्यूड आधारित, कम्प्यूटर बेस्ट टेस्ट हैं, जिनका संचालन सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड युनिवर्सिटी) द्वारा सिम्बायोसिस संस्थानों में फुल टाईम यूजी प्रोग्रामों जैसे बीबीए, बीसीए, बीए, बीएससी और बीटेक में प्रवेश के लिए किया जाता है। उम्मीदवार दो बार तक टेस्ट दे सकते हैं, जिसमें से ज़्यादा स्कोर के आधार पर परसेंटाइल की गणना की जाती है। वे छात्र जो इन कोर्सेज़ में प्रवेश लेना चाहते हैं वे अंतिम दिनांक से पहले ऑफिशियल पोर्टल के माध्यम से अपने ऐप्लीकेशन पूरे कर सकते हैं। सिम्बायोसिस एंट्रेंस टेस्ट के माध्यम से छात्र 11 जाने-माने अंडरग्रेजुएट संस्थानों में पुणे, नोएडा, नागपुर, बैंगलुरू और हैदराबाद कैंपस में विभिन्न विषयों जैसे मैनेजमेन्ट, मास कम्युनिकेशन, इकोनॉमिक्स, अप्लाईड स्टेटिसटिक्स एवं डेटा साइसं, इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी, स्पोर्ट एण्ड एक्सरसाइज़ साइसं, कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन्स एवं लिबरल आर्ट्स में प्रवेश पा सकते हैं। वहीं एसआईटीईई के माध्यम से छात्र तीन संस्थानों में रोचक विषयों जैसे आर्टीफिशियल इंटेलीजेन्स एण्ड मशीन लर्निंग, कम्प्यूटर साइंस, रोबोटिक्स एण्ड ऑटोमेशन, इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड टेलीकम्युनिकेशन और सिविल एण्ड मैकेनिकल इंजीनियरिंग में प्रवेरूश पा सकते हैं। सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के कैंपस पुणे, नागपुर और हैदराबाद में हैं। सिम्बायोसिस एंट्रेंस टेस्ट में जनरल इंग्लिश, क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड, जनरल अवेयरनैस और एनालिटिकल एवं लॉजिकल रीज़निंग का मूल्यांकन किया जाता है।

कलर्स रिश्ते डीडी फ्री डिश पर उपलब्ध हुआ

मुंबई, एजेंसी। कलर्स रिश्ते भारत के लाखों टीवी दर्शकों के लिए अपने लोकप्रिय शोज़ भारत के सबसे बड़े फ्री-टू-एयर प्लेटफ़ॉर्म डीडी फ्रीडिश पर पेश कर रहा है। ये प्रोग्राम 1 अप्रैल से चैनल नंबर 50 पर मुफ़्त में देखे जा सकेंगे। ये लोकप्रिय शोज़ तीन साल के अंतराल के बाद फिर से टीवी पर प्रसारित हो रहे हैं, जो एक बार फिर पूरे देश के दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। सुपरनैचुरल, फैंटेसी, फैमिली ड्रामा, माइथोलॉजी, और रियलिटी की शैलियों में कलर्स रिश्ते के विविध प्रोग्राम एक बार फिर घर-घर में लोकप्रिय हो जाएंगे। कलर्स रिश्ते एक बार फिर अपने प्रोग्राम की विस्तृत श्रृंखला पेश करने के लिए तैयार है, जो कभी भारत में लाखों दर्शकों के दिलों पर राज करते थे। मौनी रॉय और अर्जुन बिजलानी अभिनीत रोमांचक नागिन और सुरभि ज्योति, अनीता हसनंदानी एवं करिश्मा टन्ना अभिनीत नागिन - इंसाफ की जंग दर्शक देख सकेंगे। यह चैनल लोकप्रिय फैमिली ड्रामा 'ससुराल सिमर का' भी लेकर आया है, जिसमें अविका गोर और दीपिका कक्कड़ ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं।

सूखे के कारण खेती से नहीं मिलती थी पर्याप्त उपज

,एवोकाडो की खेती से बदली जिंदगी, होती है लाखों की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के हर इलाके का मौसम एक सा नहीं है। इसलिए किसान की खेती भी एक सी नहीं है। पंजाब-हरियाणा जैसे राज्यों के किसान साल में तीन फसल तो आराम से ले लेते हैं। लेकिन महाराष्ट्र का सूखाग्रस्त जिला बीड, वहां किसान एक फसल भी अच्छे तरीके से उगा ले तो अपने को धन्य मानता है। उसी बीड जिले के किसान परमेश्वर थोराट ने एवोकाडो की खेती पर दांव लगाया। उन्हें खास किस्म का चुनाव किया, खास तरीके अपनाये और आज प्रति एकड़ 10 लाख रुपये की कमाई करते हैं।

कैसे शुरू हुई एवोकाडो की खेती- परमेश्वर की एवोकाडो की खेती की कहानी साल 2018 में शुरू हुई। किसी काम से वह बेंगलुरु गए थे और वहां उन्होंने एवोकोडो की अर्का सुप्रीम किस्म की खेती देखी। इस किस्म के पेड़ गर्म मौसम में भी जीवित रह सकते हैं। यह किस्म 45एष्ट तक के तापमान को सह सकती है। उन्हें लगा कि यह किस्म तो बीड की कठोर परिस्थितियों के लिए बिल्कुल सही है। इसकी अच्छी पैदावार और क्षेत्र की जलवायु के अनुकूल होने की क्षमता ने उनके फैसले में मदद की। बस इसकी खेती का मन बना लिया।

चुनौती कम नहीं थी- एवोकाडो की खेती के लिए बीड की मिट्टी की गुणवत्ता और पानी की कमी एक बड़ी चुनौती थी। लेकिन परमेश्वर ने हार नहीं मानी। उन्होंने 0.75 एकड़ में कुछ निश्चित दूरी पर दो फीट बाई दो फीट के गड्ढे खोदे। उन गड्ढों को गोबर की खाद से भर दिया ताकि मिट्टी को उपजाऊ बनाया जा सके। इस तैयारी से यह सुनिश्चित हुआ कि मिट्टी पोषक तत्वों से भरपूर है और एवोकाडो के छोटे पौधों को सहारा देने के लिए तैयार है।

जैविक खेती के साथ बहुत कुछ किया

एवोकाडो का पौधा लगाने के बाद शुरु में उन्होंने रासायनिक खाद का इस्तेमाल किया। लेकिन बाद में उन्हें जैविक खेती के बारे में जानकारी मिली। फिर उन्होंने इसी पर शिफ्ट होने का मन बनाया। अब वह पौधों को खाद देने के लिए गोबर की खाद और प्राकृतिक तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। यह पौधों और ग्राहकों, दोनों के लिए स्वस्थ तरीका है। जैविक तरीकों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने न केवल उनके फल के स्वाद और गुणवत्ता में सुधार किया, बल्कि जैविक उत्पादों की बढ़ती मांग के साथ भी तालमेल बिठाया। परमेश्वर ने एवोकाडो के पौधों की उम्र और उपज बढ़ाने के लिए ग्राफ्टिंग भी की।

5 कंपनियां ट्रेड करने जा रही हैं एक्स-बोनस, रिकॉर्ड डेट इसी हफ्ते

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में इस हफ्ते 5 कंपनियां एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेंगी। इन 5 कंपनियों की लिस्ट में केबीएस ग्लोबल लिमिटेड, कैपिटल ट्रेड लिंक्स आदि शामिल है। आइए जानते हैं कि कौन सी कंपनी एक शेयर पर कितने रुपये का बोनस शेयर दे रही है।

रणजीत मेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड- कंपनी ने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर एक शेयर बोनस के तौर पर दिया जाएगा। इस बोनस इश्यू के लिए कंपनी ने 2 अप्रैल की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है।

शुक्रवार को कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 49.83 रुपये के लेवल पर था। बता दें, इसी महीने की 21 तारीख को कंपनी के शेयरों का बंटवारा भी 2 हिस्सो में कर दिया जाएगा।

कैपिटल ट्रेड लिंक्स लिमिटेड

कल यानी 2 अप्रैल को यह कंपनी भी एक्स–बोनस स्टॉक के तौर पर करेगी। कंपनी एक शेयर पर एक शेयर बोनस दे रही है। शुक्रवार को इस स्टॉक का भाव 42.55 रुपये के लेवल पर था। पिछले 2 हफ्ते में इस कंपनी के शेयरों का भाव 11 प्रतिशत बढ़ा है।

अडानी की कंपनी से मिला ऑर्डर, रॉकेट सा उड़ा छोटकू शेयर

आईपीओ में 75 रुपये का था शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मॉलकैप कंपनी विनसॉल इंजीनियर्स लिमिटेड के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। इस छोटी कंपनी के शेयर मंगलवार को 5 पर्सेंट से ज्यादा उछलकर 180.40 रुपये पर पहुंच गए हैं। विनसॉल इंजीनियर्स को अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी से नया सर्विस ऑर्डर मिला है। विनसॉल इंजीनियर्स का आईपीओ पिछले साल 6 मई को खुला था। आईपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 75 रुपये था। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 592 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 162 रुपये है।

अडानी ग्रीन एनर्जी से मिला है 2,20,54,332 रुपये का ऑर्डर- विनसॉल इंजीनियर्स ने अनाउंस किया है कि उसे अडानी ग्रीन एनर्जी से 2,20,54,332 रुपये का ऑर्डर मिला है। इस ऑर्डर से कंपनी को अपना कस्टमर बेस मजबूत होने और अपनी बिजनेस ग्रोथ में बड़ा योगदान करने की उम्मीद है। हाल में विनसॉल इंजीनियर्स ने घोषणा की थी कि उसे ग्रुप से दो इंक्रीमेंटल परचेज ऑर्डर्स और दो इंक्रीमेंटल वर्क ऑर्डर्स मिले हैं। इन ऑर्डर की वैल्यू 2.71 करोड़ रुपये है। कंपनी के ऑर्डर्स की टोटल वैल्यू अभी 11.01 करोड़ रुपये है।

75 रुपये का शेयर पहले ही दिन 365 रुपये पर पहुंचा- विनसॉल इंजीनियर्स के आईपीओ में शेयर का दाम 75 रुपये था। कंपनी के शेयर 14 मई 2024 को जबरदस्त फायदे के साथ 365 रुपये पर बाजार में लिस्ट हुए थे। लिस्टिंग वाले दिन ही विनसॉल इंजीनियर्स के शेयर उछाल के साथ 383.25 रुपये पर पहुंच गए।

विनसॉल इंजीनियर्स का आईपीओ टोटल 682.14 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 780.15 गुना सब्सक्राइब हुआ। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 1087.81 गुना दांव लगा। जबकि क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 207.23 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। विनसॉल इंजीनियर्स के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स सिर्फ 1 लॉट के लिए दांव लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 1600 शेयर थे।

रेनो ने खरीदी निसान की पूरी हिस्सेदारी

इससे रेनो को भारत में अपनी योजनाएं लागू करने में आसानी होगी

रेनो अब निसान के साथ मिलकर बनाई गई कंपनी की पूरी मालिक बन गई है

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रांस हेडक्वार्टर वाली मोटर व्हीकल बनाने वाली रेनो ने भारतीय ज्वाइंट वेंचर कंपनी में निसान की 51 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने वाली है। इस कंपनी का नाम रेनो निसान ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड है। अब रेनो इस कंपनी की पूरी मालिक बन जाएगी। यह सौदा सोमवार को घोषित किया गया। इसमें कितनी रकम का लेनदेन हुआ है, यह नहीं बताया गया है। लेकिन, दोनों कंपनियों के बीच भारत में आगे कैसे काम होगा, इस पर एक समझौता हुआ है। निसान कंपनी आरएनएआइपीएल से गाड़ियां खरीदना जारी रखेगी।

हो गया समझौता- आरएनएआइपीएल की तरफ से यहां जारी एक बयान के मुताबिक रेनो ग्रुप और निसान ने एक शेयर खरीदने का समझौता किया है। इसके अनुसार, कंपनी की ऑनरशिप रेनो ग्रुप को ट्रांसफर कर दी जाएगी। इस सौदे के बाद, रेनो ग्रुप आरएनएआइपीएल की पूरी मालिक होगी। दोनों कंपनियां अभी चल रहे प्रोजेक्ट्स पर मिलकर काम करना जारी रखेंगी। साथ ही, भारत में आगे भी मिलकर काम करने के लिए सहमत हुई हैं।

निसान का क्या है कहना-निसान ने कहा है कि वह भारत में गाड़ियां बनाने और उन्हें दूसरे देशों में भेजने के लिए आरएनएआइपीएल का इस्तेमाल करती रहेगी। कंपनियों ने इस सौदे की वित्तीय जानकारी नहीं दी है। समझौते में यह बताया गया है कि अभी कौन-कौन से प्रोजेक्ट चल रहे हैं और रेनो और निसान भारत में आगे कैसे काम करेंगी।

आगे की क्या है योजना- दोनों कंपनियां मिलकर रेनो निसान टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस सेंटर इंडिया को चलाती रहेंगी। निसान की आरएनटीबीसीआइ में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी रहेगी, जबकि रेनो ग्रुप के पास 51 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। आरएनएआइपीएल निसान की गाड़ियां बनाती रहेगी, जिसमें नई निसान मैग्नाइट भी शामिल है। यह फैक्ट्री भारत में निसान के विस्तार योजनाओं के लिए बहुत जरूरी है।

शेरा एनर्जी ने शेरा मेटल में 86 प्रतिशत हिस्सेदारी बढ़ाई

विकास को दी नई रफ्तार!

मुंबई, एजेंसी। शेरा एनर्जी लिमिटेड जो नॉन फेरस धातुओं से बने वाइंडिंग वायर और स्ट्रिप्स के प्रमुख निर्माताओं में से एक है, ने अपनी सहायक कंपनी, शेरा मेटल प्राइवेट लिमिटेड में अतिरिक्त निवेश को मंजूरी दी है। शेरा एनर्जी लिमिटेड अपनी सहायक कंपनी शेरा मेटल प्राइवेट लिमिटेड में हिस्सेदारी 82.13 प्रतिशत से बढ़ाकर 85.56 प्रतिशत करने जा रही है। यह अधिग्रहण 3.43 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी (35,00,000 इक्विटी शेयर) के जरिए किया जाएगा, जिसकी कुल कीमत ?10.15 करोड़ होगी। शेरा मेटल प्राइवेट लिमिटेड गैर–लौह धातु उत्पादों के निर्माण में अग्रणी है और बस बार, ट्यूब्स व विभिन्न औद्योगिक सेक्शनों का उत्पादन करती है। शेरा मेटल ने वित्त वर्ष 2024 में शानदार प्रदर्शन किया, ?294.43 करोड़ के कारोबार के साथ अपनी मजबूती साबित की। शेरा एनर्जी अपने विस्तार को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की योजना बना रही है। हिस्सेदारी बढ़ाने के साथ, कंपनी नए बाजारों में प्रवेश और उत्पाद नवाचार पर फोकस करते हुए खुद को उद्योग के प्रमुख खिलाड़ियों में स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। शेरा एनर्जी लिमिटेड अपने व्यापार पोर्टफोलियो को मजबूत करने और नॉन फेरस धातु क्षेत्र में अपनी नेतृत्वकारी स्थिति को और सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह अधिग्रहण दीर्घकालिक संचालन उत्कृष्टता और सतत विकास की दिशा में एक रणनीतिक कदम है ।निवेश पर प्रतिक्रिया देते हुए, शेरा एनर्जी लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री नसीम शेख ने कहा- यह रणनीतिक निवेश गैर–लौह धातु क्षेत्र में शेरा एनर्जी की स्थिति को मजबूत करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हल्दीराम ने मचाया तहलका, 85,000 करोड़ की वैल्यूएशन पर की डील!

नई दिल्ली, एजेंसी। मिठाई और नमकीन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी हल्दीराम ने भारतीय पैकेज्ड फूड इंडस्ट्री में तहलका मचा दिया है। कंपनी ने अपने स्नैक्स बिजनस में छह फीसदी हिस्सेदारी दो नये निवेशकों आईएचसी (इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी) और अल्फा वेव ग्लोबल को बेच दी है। कंपनी ने इस सौदे के ब्योरे का खुलासा नहीं किया है। उद्योग सूत्रों के अनुसार यह डील करीब 10 अरब डॉलर (लगभग 85,000 करोड़ रुपये) की वैल्यूएशन पर हुई है जो भारतीय पैकेज्ड खाद्य उद्योग के लिए सबसे बड़ा मूल्यांकन माना जा रहा है। इससे पहले कंपनी ने सिंगापुर की वैश्विक निवेश कंपनी टेमासेक द्वारा अल्पांश हिस्सेदारी खरीदने की पुष्टि की थी। हालांकि इस सौदे के विवरण का भी खुलासा नहीं किया गया है। हल्दीराम ने बयान में कहा कि कंपनी को टेमासेक की हाल की भागीदारी के बाद अपने जारी इक्विटी दौर में दो नये निवेशकों, आईएचसी (इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी) और अल्फा वेव ग्लोबल को जोड़ने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। इस रणनीतिक कदम से हल्दीराम की वित्तीय स्थिति और मजबूत होगी। कंपनी ग्लोबल स्तर पर खासकर अमेरिका और पश्चिम एशिया में अपने बिजनस का विस्तार करना चाहती है।

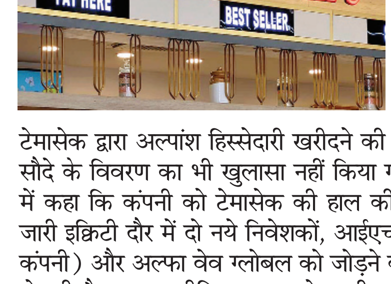

प्रोफ़ेसर पुष्पेश पंत का व्याख्यान 5 को

भोपाल। अज़ीम प्रेमजी विश्वोविद्यालय की पब्लिक लेक्चर सीरीज़ के तहत जाने–माने लेखक और इतिहासकार प्रोफ़ेसर पुष्पेश पंत का व्याख्यान होगा। यह व्याख्यान 5 अप्रैल को शाम 5–30 से 7 बजे तक ईपीसीओ – ई–5 पर्यावरण परिसर, अरेरा कॉलनी, भोपाल में आयोजित किया जाएगा। प्रोफेसर पंत भोपाल के खान–पान के ज़ायकेदार इतिहास पर चर्चा करेंगे।

साथ ही वे भोपाल के खाने को अपनी पहचान दिलाने वाले ऐतिहासिक और सांस्कृतिक प्रभावों को भी समझने–समझाने में हमारी मदद करेंगे। इसमें वे भोपाल के खान–पान की लंबी परंपरा का दिल्ली, रामपुर, अवध जैसी रियासतों के साथ उसके गहरे ऐतिहासिक रिश्तों को भी समझाएंगे। प्रोफ़ेसर पंत एक प्रख्यात खाद्य इतिहासकार, लेखक हैं और वे अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रोफ़ेसर भी रह चुके हैं। उनकी किताब इंडिया दा कुकबुक को भारतीय व्यंजनों का सबसे बड़ा संग्रह माना जाता है।

अश्विनी आईपीएल डेब्यू में चमके, पहली ही गेंद पर विकेट

नमन का डाइविंग कैच, बोल्ट की यॉर्कर पर नरेन बोल्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 में पहली जीत दर्ज करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स को 8 विकेट से हरा दिया। सोमवार को डेब्यूटेंट अश्विनी कुमार के 4 विकेट की बदौलत केकेआर की पारी 116 रन पर सिमट गई।

जवाब में रायन रिकेल्टन की शानदार फिफ्टी से एमआई ने 2 विकेट खोकर 121 रन बनाए और 43 बॉल रहते जीत हासिल कर ली। वानखेड़े स्टेडियम में कई मोमेंट्स और रिकॉर्ड्स देखने को मिले। अश्विनी एमआई डेब्यू मैच में 4 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बने। ट्रेंट बोल्ट की यॉर्कर पर सुनील नरेन बोल्ड हो गए। वेंकटेश को 2 ओवर में दो जीवनदान मिला। नमन धीर ने हर्षित राणा का डाइविंग कैच पकड़ा। कोलकाता ने पहले ही ओवर में विकेट गंवाया। ट्रेंट बोल्ट ने सुनील नरेन को ओवर की चौथी बॉल पर बोल्ड कर दिया। उन्होंने यॉर्कर बॉल फेंकी लेकिन समय से नरेन का बैट नीचे नहीं आ सका और वे बोल्ड हो गए। डेब्यू मैच खेल रहे अश्विनी कुमार ने अपनी पहली बॉल पर विकेट लिया। उन्होंने तीसरे ओवर की पहली बॉल पर कप्तान अजिंक्य रहाणे (11 रन) को तिलक वर्मा के हाथों कैच कराया। तिलक ने दूसरे प्रयास में डाइव लगाकर कैच पकड़ा।

भारत के लिए सबसे मैच खेलने वाली हॉकी खिलाड़ी वंदना कटारिया ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली महिला हॉकी खिलाड़ी वंदना कटारिया ने मंगलवार को अपने शानदार 15 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया।

उन्होंने कहा कि अपने चरम पर लिया गया यह फैसला उनके लिए कड़वा-मीठा और सशक्त बनाने वाला दोनों था। 32 वर्षीय अनुभवी स्ट्राइकर ने 320 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 158 गोल किए। वह 2020 टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा थीं। वंदना ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, आज भारी लेकिन आभारी दिल के साथ मैं अंतरराष्ट्रीय हॉकी से अपने संन्यास की घोषणा करती हूं। यह एक ऐसा फैसला है जो मेरे लिए कड़वा-मीठा और सशक्त बनाने वाला है।

मैं इसलिए पीछे नहीं हट रही हूं क्योंकि मेरे अंदर की आग फीकी पड़ गई है या मेरी हॉकी की ताकत खत्म हो गई है, बल्कि इसलिए क्योंकि मैं अपने चरम पर पहुंचकर खेल से विदा लेना चाहती हूं, जबकि मैं अभी भी अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर हूं। वंदना ने लिखा, मैं थकान की वजह से हॉकी को अलविदा नहीं कह रही हूं, बल्कि मेरे पास अंतरराष्ट्रीय मंच को अपनी शर्तों पर छोड़ने का विकल्प था। मेरा सिर गर्व से ऊंचा है और मेरी स्टिक की आग अभी भी धधक रही है। भीड़ का उत्साह बढ़ाना, हर गोल का रोमांच और भारत की जर्सी पहनने का गर्व हमेशा मेरी आत्मा में गूंजता रहेगा।

रोहित का सपना वनडे विश्व कप जीतना, वह इंग्लैंड जाकर भी खेले

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा के लिए आगामी टेस्ट दौरा खेलना मुश्किल लग रहा है। माना जा रहा है कि वह इंग्लैंड दौरे पर खुद ही नहीं जाएंगे। इंग्लैंड दौरे पर भारत ने 20 जून से 4 अगस्त तक 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने है। इसी बीच रोहित के बचपन के कोच दिनेश लाड का कहना है कि रोहित को पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्हें इंग्लैंड जाकर कप्तानी करनी चाहिए। उन्होंने पिछले दौरे पर वहां शतक बनाया था। वहां की परिस्थितियां उन्हें रास आएंगी। दिनेश लाड ने इसी दौरान रोहित के सफर और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की।

कोच ने कहा कि रोहित 12 साल की उम्र में उनके पास एक गेंदबाज के रूप में आए थे, लेकिन उन्हें बल्लेबाज बनाना और अब भारत को टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जिताते देखना बेहद सुखद अनुभव रहा है। कोच ने रोहित के सबसे बड़े सपने का जिक्र करते हुए कहा कि उनका अंतिम सपना वनडे विश्व कप उठाना है, जो 2023 में हम चूक गए। मेरा मानना है कि उन्हें अगले वनडे विश्व कप तक खेलना चाहिए और इसे जीतकर अपना और देश का सपना पूरा करना चाहिए।

रोहित की तकनीक और अनुभव की तारीफ करते हुए कोच ने कहा कि रोहित एक अलग तरह का खिलाड़ी है। वह तकनीकी रूप से मजबूत है और उसके पास अनुभव का खजाना है। पिछली इंग्लैंड यात्रा में उन्होंने शतक जड़ा था। मेरी राय में, उसे इंग्लैंड जाना चाहिए, अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिए और टीम का नेतृत्व अच्छे से करना चाहिए। बता दें कि 2024 में भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज की मेजबानी की थी। भारत ने 5 मैचों की सीरीज 4-1 से जीती थी।

3 क्रिकेटरों को किया गया बाहर

आईपीएल 2025 के बीच नए सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के ज्यादातर क्रिकेटर इन दिनों आईपीएल 2025 में खेल रहे हैं. लेकिन उधर उनके देश की क्रिकेट बोर्ड ने नए सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट का ऐलान कर दिया है. नए सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट में 23 खिलाड़ियों को जगह मिली है. खास बात ये है कि इस बार 3 नए खिलाड़ियों को भी सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट दिया गया है. वहीं, 3 खिलाड़ी ऐसे भी रहे हैं, जिनमें से दो तो चैंपियंस ट्रॉफी खेलने वाली टीम का भी हिस्सा थे, उन्हें नए करार से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है. जिन 3 खिलाड़ियों को सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट पहली बार मिला है, उनमें सैम कॉन्स्टस, मैट कुन्हेमन और ब्यू वेब्स्टर का नाम है. वहीं 23 खिलाड़ियों की नई लिस्ट से जो 3 खिलाड़ी बाहर हैं, उनमें टॉड मर्फी, शॉन एबट और आरोन हार्डी का नाम है. इनमें से आरोन हार्डी और शॉन एबट चैंपियंस ट्रॉफी खेलने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का भी हिस्सा थे. हालांकि, उन्हें वहां एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था. जबकि टॉड मर्फी की बात करें तो वो श्रीलंका के पिछले दौरे पर खेली टेस्ट सीरीज में तीसरे स्पिनर की हैसियत से ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थे. मगर 2025-26 में ऑस्ट्रेलिया को एशिया का दौरा नहीं करना है. सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट पाने वाले 3 नए खिलाड़ियों में सैम कॉन्स्टस की बात करें तो वो फिलहाल टेस्ट फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया का हिस्सा हैं. उन्होंने भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में मेलबर्न और सिडनी में 2 टेस्ट खेले थे. वहीं मैट कुन्हेमन को

श्रीलंका दौरे पर मिली सफलता का फायदा मिला है.

इन खिलाड़ियों का सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट बरकरार

इंजरी से जूझते रहने के बावजूद लांस मॉरिस और झाई रिचर्ड्सन का सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट बरकरार रहा है. रिचर्ड्सन का फिलहाल रिहैब चल रहा है. उनके कंधे की तीसरी सर्जरी हुई है. जेवियर बार्टलेट को चैंपियंस ट्रॉफी की टीम में जगह नहीं मिली थी. मगर वो सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट में अपनी जगह बरकरार रखने में कामयाब रहे हैं.

2025-26 सीजन में ऑस्ट्रेलिया का प्लान: 2025-26 सीजन में ऑस्ट्रेलिया 19 बाइलेटरल टी20 मुकाबले खेलने वाला है. इसके अलावा उसे अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में शिरकत करना है. टी20 सीरीज के अलावा 2025-26 सीजन में वो 9 वनडे मुकाबले और 7 टेस्ट मैच खेलेगा. ये मुकाबला ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के पास अपने कॉन्ट्रेक्ट को अपग्रेड करने का सुनहरा अवसर होगा.

ऑस्ट्रेलिया के वो खिलाड़ी, जिन्हें मिला सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट

स्कॉट बोलैंड, जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, पैट कमिस, नाथन एलिस , कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड. ट्रेविस हेड, उस्मान ख्वाजा, जोश इंग्लिस, सैम कॉन्स्टस, मैट कुन्हेमन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लायन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, लांस मॉरिस, झाई रिचर्डसन, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, ब्यू वेब्स्टर, एडम जैम्पा.

बिना संन्यास लिए

सिडनी सिक्सर्स का हिस्सा बने विराट कोहली?

नई दिल्ली, एजेंसी। बिग बैश लीग की टीम सिडनी सिक्सर्स ने मंगलवार सुबह को एक पोस्ट किया जिससे सोशल मीडिया तहलका मच गया। सिडनी सिक्सर्स ने इंस्टाग्राम पर भारत के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली की तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने जो दावा किया उसने सभी को हैरान कर दिया। बाद में इस दावे का सच भी सामने आया।

सिडनी सिक्सर्स ने शेयर किया पोस्ट

सिडनी सिक्सर्स ने जो तस्वीर शेयर की है उसमें कोहली भारतीय जर्सी में नजर आ रह हैं। उन्होंने तस्वीर पर लिखा, 'स्वागत विराट कोहली।'उन्होंने तस्वीर के कैप्शन में लिखा, 'किंग कोहली, विराट कोहली अगले दो सालों के लिए आधिकारिक तौर पर सिक्सर हैं।' महज दो घंटे में यह पोस्ट वायरल हो गया। जिसपर कई कमेंट आए।

बीसीसीआई का नियम नहीं देता इजाजत

लोग हैरान थे कि ऐसा कैसे संभव है। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार कोई भी खिलाड़ी तब तक किसी विदेशी लीग में नहीं खेल सकता जब तक वह संन्यास न ले लें। उन्हें संन्यास लेने के बाद बीसीसीआई से एनओसी लेना होता है। हालांकि विराट कोहली ने ऐसा कुछ नहीं किया है। उन्होंने टी20 फॉर्मेट से संन्यास तो लिया है लेकिन वह अब भी टेस्ट और वनडे टीम का हिस्सा हैं। ऐसे में नियमों के अनुसार उनका किसी विदेशी लीग में खेलना संभव नहीं है। एक्स पर उनके इस पोस्ट पर यूजर ने लिखा, 'सिडनी सिक्सर्स' कोहली कब जॉइन करने वाले हैं। इसका जवाब देते हुए सिडनी सिक्सर्स ने लिखा, 'एक अप्रैल 2025।' इसके बाद फैंस को पता लग गया कि यह एक अप्रैल फूल प्रैंक है। लोगों ने सिडनी सिक्सर्स की तारीफ की और कहा कि अप्रैल फूल का सही इस्तेमाल किया।

फीडे महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिपः

जू वेनज़ुन को टक्कर देंगी तान झोंगयी

शंघाई , चीन, एजेंसी। शतरंज की दुनिया में महिलाओं के सबसे प्रतिष्ठित खिताब महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2025 का आयोजन इस बार चीन के दो प्रमुख शहरों - शंघाई और चोंगकिंग - में किया जाएगा। मौजूदा विश्व चैम्पियन जू वेनजुन और चीन की ही चैलेंजर तान झोंगयी के बीच यह बहुप्रतीक्षित मुक़ाबला 1 से 23 अप्रैल 2025 के बीच खेला जाएगा।

यह चैंपियनशिप 12 मुकाबलों की एक क्लासिकल सीरीज के रूप में होगी। जो खिलाड़ी पहले 6.5 अंक प्राप्त करेगा, उसे विजेता घोषित किया जाएगा। यदि स्कोर 6-6 पर बराबर रहता है, तो रैपिड और आवश्यकता पड़ने पर ब्लिट्ज टाईब्रेक के माध्यम से विजेता तय किया जाएगा। जू वेनजुन मौजूदा महिला विश्व शतरंज चैंपियन हैं। उन्होंने 2018 में पहली बार तान झोंगयी को हराकर विश्व खिताब जीता था।

इसके बाद उन्होंने 2018 में नॉकआउट टूर्नामेंट, 2020 में गोर्याचकिना, और 2023 में लेई टिंगजी के खिलाफ अपना खिताब सफलतापूर्वक बचाया। जू की ताकत केवल क्लासिकल में ही नहीं है - उन्होंने 2017 और 2018 में वुमेन्स वर्ल्ड रैपिड और 2024 में वर्ल्ड ब्लिट्ज चैंपियनशिप भी जीती है।

वे चीन की स्वर्ण पदक विजेता ओलंपियाड टीम (2016, 2018) और विश्व टीम चैंपियनशिप (2009, 2011) का हिस्सा रही हैं। तान झोंगयी ने 2017 में अन्ना मुजिचुक को हराकर विश्व खिताब जीता था और उसके बाद से वह विश्व स्तर पर लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं। हालांकि 2018 में वे जू वेनजुन से खिताब हार गईं, लेकिन उन्होंने 2022 में वर्ल्ड रैपिड और 2024 में केर्न्स कप जैसे प्रतिष्ठित खिताब जीते। 2024 महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में उनके दमदार प्रदर्शन ने उन्हें इस बार की चैलेंजर बनाया।

वेस्टइंडीज क्रिकेट बड़े बदलाव की ओर, टेस्ट कप्तानी से हटे ब्रेथवेट, शाई होप को टी20 की कमान

नई दिल्ली, एजेंसी। कई बड़े आईसीसी टूर्नामेंट्स से नदारद रहने के बाद वेस्टइंडीज क्रिकेट अब बड़े बदलाव की ओर अग्रसर है। इसी कड़ी में क्रेग ब्रेथवेट ने चार साल बाद वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ दी है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने सोमवार को बताया कि शाइ होप को टी20 टीम का कप्तान बनाया गया है। 32 वर्ष के ब्रेथवेट को मार्च 2021 में जेसन होल्डर की जगह कप्तान बनाया गया था। वहीं वनडे टीम के कप्तान होप को रोवमैन पॉवेल की जगह टी20 टीम की कप्तानी दी गई है। रोवमन पॉवेल मई 2023 से टी20 कप्तान थे।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक बयान में कहा, ब्रेथवेट चाहते थे कि उनके खेल को अलविदा कहने से पहले टीम बदलाव के दौर से गुजर जाए। यही वजह है कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से पहले उन्होंने कप्तानी छोड़ दी ताकि नये कप्तान को खुद को स्थापित करने का समय मिल जाये। नए टेस्ट कप्तान का ऐलान जल्दी ही किया जाएगा। इस रेस में फिलहाल एलिक एथनाजे, मिकाइल लुईस, केसी कार्टी और जस्टिन ग्रीव्स जैसे खिलाड़ी हैं। इसके अलावा गुडाकेश मोती को भी हाल फिलहाल में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिल सकता है।

राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबाल चैंपियनशिप में हिमाचल उपविजेता

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की खिलाड़ी अपनी चुस्ती के चलते भारी पड़ीं। इस दौरान हिमाचल ने 10-8 से बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में उत्तर प्रदेश ने सधी हुई शुरुआत कर बढ़त बनाई। लखनऊ में हुई 47वीं राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबाल चैंपियनशिप के फाइनल में हिमाचल प्रदेश की टीम यूपी से कड़े मुकाबले में 19-17 से हार गई।

उत्तर प्रदेश फाइनल जीत कर पहली बार चैंपियन बनी। पहले हाफ में दोनों ही टीमों ने तेज आक्रमण किए। हिमाचल प्रदेश की खिलाड़ी अपनी चुस्ती के चलते भारी पड़ीं। इस दौरान हिमाचल ने 10-8 से बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में उत्तर प्रदेश ने सधी हुई शुरुआत कर बढ़त बनाई।

इस दौरान हिमाचल प्रदेश की खिलाड़ियों ने कई महत्वपूर्ण मौके भी गंवाए। उत्तर प्रदेश की गोलकीपर निहारिका ने दमदार खेल दिखाते हुए कई अटैक को विफल कर दिया। यूपी की ओर से

नैना ने सबसे अधिक 6 गोल दागे। रेशमा, सुमन, प्रीति और अनन्या ने इसमें बखूबी साथ दिया। 3-3 गोल करते हुए टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचाया। वहीं, दीया को एक गोल करने में सफलता मिली।

हिमाचल प्रदेश की ओर से जस्सी ने 6, काजल ने 5, कृतिका ने 4 और नितिका और मुस्कान ने 1-1 गोल किए। उत्तर प्रदेश की टीम ने पिछले सीजन में कांस्य पदक जीता था। समारोह में मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक रहे। उन्होंने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

संक्षिप्त समाचार

काशी और मथुरा के लिए आंदोलन में शामिल हो सकते हैं स्वयंसेवक!

नईदिल्ली, एजेंसी। आरएसएस यानी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने काशी और मथुरा को लेकर नई घोषणा की है। खबर है कि सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कार्यकर्ताओं को दोनों मामलों में सक्रिय भूमिका निभाने की अनुमति दे दी है। कन्नड़ पत्रिका से बातचीत में उन्होंने तीन भाषा नीति का भी समर्थन किया है। उनका कहना है कि यह नीति 95 फीसदी भाषा विवाद का समाधान कर सकती है। एक प्रतिष्ठित अखबार के अनुसार, कन्नड़ पत्रिका विक्रम से बातचीत में होसबाले ने कहा, उस समय (1984) में विश्व हिंदू परिषद, संतों और साधुओं ने तीन मंदिरों की बात की थी। अगर स्वयंसेवकों का एक वर्ग इन तीन मंदिरों (अयोध्या में राम जन्मभूमि मिलाकर) के मामले में जुटना चाहता है, तो हम उन्हें नहीं रोकेंगे। हालांकि, उन्होंने बड़े स्तर पर मस्जिदों पर सवाल उठाने के खिलाफ चेताया और सामाजिक मतभेद से बचने की बात कही है। होसबाले ने भारतीय भाषाओं के संरक्षण की भी बात कही है। उन्होंने कहा, हमारी सभी भाषाओं में बड़े स्तर पर साहित्यिक काम हुआ है। उन्होंने कहा, अगर भविष्य की पीढ़ियां इन भाषाओं को नहीं पढ़ेंगी और लिखेंगी, तो वे कैसे आगे बढ़ेंगी? अंग्रेजी के प्रति लगाव मुख्य रूप से व्यवहारिक कारणों से है...। एक और अहम पहलू ऐसा आर्थिक मॉडल बनाना है, जहां भारतीय भाषाओं में पढ़े लोगों को रोजगार मिल सके। उन्होंने कहा, वरिष्ठ बुद्धिजीवियों, न्यायाधीशों, शिक्षकों, लेखकों और राजनीतिक और धार्मिक नेताओं को इस मामले में प्रगतिशील रवैया अपनाना चाहिए। अखबार के अनुसार, उन्होंने कहा, इतने बड़े देश में अच्छा होगा कि सभी संस्कृत सीख लें। डॉक्टर आंबेडकर ने भी इसकी वकालत की थी। कई लोगों की बोली जाने वाली भाषा सीखने में कोई परेशानी नहीं है। जिन लोगों को रोजगार चाहिए, उन्हें उस राज्य की भाषा सीखनी चाहिए। परेशानी तब होती है, जब राजनीति और विपक्ष के नाम पर इसे थोपे जाने का मुद्दा बना दिया जाता है। क्या भाषा विविधता के बाद भी भारत एकजुट हजारों सालों से एकजुट नहीं है? ऐसा लग रहा है कि हमने भाषा को आज परेशानी बना दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा दिवस पर दी बधाई, कहा- उत्कल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मंगलवार को ओडिशा स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य के लोगों को बधाई दी और कहा कि भारत को अपने इतिहास, साहित्य और संगीत पर गर्व है। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले एक साल में, केंद्र और ओडिशा सरकार राज्य की प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। लगभग 2000 साल पुरानी ऐतिहासिक और भव्य सांस्कृतिक विरासत अपने हृदय में समेटे ओडिशा, भारत में इतिहास से लेकर वर्तमान तक एक अहम स्थान रखता है। मानवता को प्रेम और शांति का शाश्वत संदेश देने वाली इस भूमि की अद्वितीय सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य, वास्तुकला, हस्त कला तथा नृत्य कला पर देश को गर्व है। ओडिशा अपने दयालु एवं परिश्रमी लोगों के लिए भी जाना जाता है। 1 अप्रैल 1936 को भाषाई आधार पर 'उड़ीसा'का गठन किया गया था और 2011 में इसका नाम 'ओडिशा' कर दिया गया। भगवान जगन्नाथ, लिंगराज, कोणार्क और अन्य समृद्ध धरोहरों की भूमि ओडिशा ने दुनिया को शांति, प्रेम और हिंसा से दूर रहने का संदेश दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, उत्कल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। यह दिन ओडिशा की गौरवशाली संस्कृति के लिए एक सच्ची श्रद्धांजलि है। भारत को ओडिशा के इतिहास, साहित्य और संगीत पर गर्व है। ओडिशा के लोग मेहनती हैं और उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। पिछले एक साल में, केंद्र और ओडिशा सरकार राज्य की प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। उत्कल दिवस, जिसे ओडिशा स्थापना दिवस के रूप में भी जाना जाता है, हर साल 1 अप्रैल को मनाया जाता है। यह दिन राज्य के सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और भाषाई महत्व का सम्मान करता है। यह राज्य की समृद्ध विरासत, कला, साहित्य और आध्यात्मिकता में इसके योगदान का भी जश्न मनाता है।

नोएडा में प्रॉपर्टी खरीदना महंगा

नोएडा एजेंसी।
नोएडा में सेक्टर-14ए, 15ए, 44 (ब्लॉक ए व बी) और ग्रेटर नोएडा में संपत्ति (फ्लैट और प्लॉट) सबसे महंगी होने जा रही है। इन तीनों सेक्टरों में नए सर्किल रेट की प्रस्तावित दर 1.75 लाख से बढ़ाकर 1.92 लाख रुपये करने की तैयारी है।

जिले के तीनों प्राधिकरण ने अपने-अपने क्षेत्र में संपत्तियों की आवंटन दरों में वृद्धि कर दी है। जिला प्रशासन भी अप्रैल में गौतमबुद्ध नगर के सर्किल रेट बढ़ाने की तैयारी में है, जिसका ड्राफ्ट भी तैयार हो चुका और आम लोगों से आपत्ति और सुझाव मांगे जा रहे हैं। इसके लिए 5 अप्रैल की तिथि निर्धारित है। संपत्तियों की नई रेट लिस्ट भी सार्वजनिक कर दी गई है। सर्किल रेट बढ़ने से नोएडा और ग्रेनो समेत जिले में रजिस्ट्री कराना महंगा हो जाएगा।

नई रेट लिस्ट के मुताबिक जिला प्रशासन ने नोएडा के सेक्टर-14ए, 15ए और 44 ब्लॉक ए, बी को ए प्लस श्रेणी में रखा है, जबकि सेक्टर-14, 17, 19, 30, 35, 36, 39, 44 (ब्लॉक ए व बी) को छोड़कर, सेक्टर-47, 50, 52, 93, 93ए, 93बी को श्रेणी ए में रखा है। यहां पर 1.38 लाख रुपये नई दर प्रस्तावित है। इसके अलावा श्रेणी बी में सेक्टर-11, 12, 15, 20, 21, 22, 23, 25 से 29, 31, 33, 34, 37, 40, 41, 46, 48, 49, 53, 55, 56, 62, 70 से 78, 82, 92, 96 से 100, 105, 108 एवं 122 में नई आवंटन दर 96 हजार तय की है। इसी हिसाब से श्रेणी सी के सेक्टर-42, 43, 45, 63ए, 104, 107, 110, 118, 119, 120, 121, 128, 129, 130, 131, 133, 134, 135, 137, 143, 143बी, 144, 151 और 168 में नई आवंटन दर 70 हजार तय की है। श्रेणी डी के सेक्टर-86, 112, 113, 116, 117 में 58 हजार और श्रेणी ई के सेक्टर-102, 115, 158, 162 और व्यावसायिक को छोड़कर शेष अन्य सेक्टरों में आवासीय दर 53,000 रुपये के हिसाब से तय की गई है। ग्रेटर नोएडा सेक्टर-27 गोदरेज गोल्फ लिंक की नई दर 80 हजार, सेक्टर चाई-1, 2, 3, 4, 5, चाई फाई एक्सटेंशन और पी-1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, पाई-1 और 2, फाई-1, 2, 3, 4, जीटा 1, 2, सिग्मा-1, सेक्टर-36 व 37 (आरएचओ-1 व 2), ओमेगा-2 एनआईआर सिटी में नई दरें 54,000 तय की गई है। वहीं, ईटा-1, ओमीक्रॉन 1ए, 2, 3, सिग्मा-2,3,4 व ईटा-2, ओमेगा 1 और 3 में 51,000 रेट तय किए गए हैं। इसके अलावा टेकजोन, एडजायनिंग, टेकजॉन-4, सेक्टर-27 के आर-4 और 6 के 39 हजार रेट तय हुए हैं। नोएडा, ग्रेनो और यमुना सिटी में व्यावसायिक और औद्योगिक भूखंड की आवंटन दरें बढ़ गई हैं। इसके अलावा यहां सर्किल रेट में भी न्यूनतम 10 प्रतिशत तक का इजाफा प्रस्तावित है। इसके अलावा संस्थागत और अन्य श्रेणी के भूखंड की रजिस्ट्री के लिए भी लोगों को ज्यादा रकम चुकानी होगी। जिन सेक्टरों में प्राधिकरण और प्रशासन के रेट में अंतर है, वहां जिसकी दर अधिक होगी, उस हिसाब से रजिस्ट्री की जाएगी।

नोएडा के बरौला और भंगेल में सर्किल रेट की नई प्रस्तावित दर 28 हजार कर दी गई है। इसके अलावा पर्थला खंजरपुर में 17 हजार, मामूरा में 25,000 हरौला में 27 हजार तक नई दरें प्रस्तावित हैं। इसके अलावा अन्य गांवों में भी न्यूनतम दस प्रतिशत तक सर्किल रेट बढ़ेंगे। वहीं, ग्रेनो के गांवों में सूरजपुर दादरी मुख्य मार्ग के सर्किल रेट 24 हजार, साकीपुर, हबीबपुर, हल्दौना के 15 हजार, सुथियाना, साकीपुर, रामपुर जागीर, मुबारिकपुर, बिरौड़ा, बिरौंडी, ब्रह्मनपुर गजरौला, तुगलपुर, डाढ़ा, कुलेसरा, कासना, एच्छर के 14 हजार तक प्रस्तावित हैं। ग्रेटर नोएडा के जेपी ग्रीन में भी रजिस्ट्री महंगी हो जाएगी। जिला प्रशासन ने यहां पर नई दरें एक लाख रुपये प्रति वर्गमीटर प्रस्तावित की है, जो वर्ष 2019 तक 45 हजार रुपये थी।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने अनाथ नाबालिग से शादी करने वाले के खिलाफ पॉक्सो केस खारिज किया

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक हाई कोर्ट ने एक ऐसे व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया है, जिस पर एक नाबालिग अनाथ से शादी करने के लिए यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और अन्य आपराधिक कानूनों के तहत आरोप लगाए गए थे. अदालत ने अपना फैसला पत्नी द्वारा प्रस्तुत एक प्रमाण पत्र के आधार पर दिया. इसमें पुष्टि की गई थी कि वह मामले को खारिज करने का समर्थन करती है. कोलार जिले के मलूर तालुक के एक व्यक्ति ने मस्ती पुलिस स्टेशन में दर्ज एक एफआईआर और कोलार फास्ट ट्रैक कोर्ट द्वारा लिए गए संज्ञान को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने मामले की सुनवाई की और याचिकाकर्ता के पक्ष में फैसला सुनाया. अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता की पत्नी के माता-पिता नहीं हैं. वह अपने परिवार के लिए अकेला कमाने वाला है. अदालत ने कहा कि मामले को जारी रखने से याचिकाकर्ता और उसके परिवार दोनों को अनावश्यक परेशानी होगी. अदालत ने आगे स्पष्ट किया कि मामले को केवल पत्नी के हलफनामे के आधार पर खारिज किया जा रहा है. हालांकि, उसने चेतावनी दी कि अगर याचिकाकर्ता ने अपनी पत्नी को बिना किसी कारण के छोड़ दिया या उसे असुरक्षित स्थिति में छोड़ दिया, तो मामला फिर से खोला जा सकता है. आरोपी ने 14 मई 2023 को एक अनाथ लड़की से शादी की थी. बाद में जब वह गर्भवती हुई तो दंपति नियमित जांच के लिए एक स्थानीय अस्पताल गए. सत्यापन प्रक्रिया के दौरान डॉक्टरों ने पाया कि वह केवल 17 साल और 8 महीने की थी. उन्होंने मामले की सूचना मलूर बाल विकास परियोजना अधिकारी को दी, जिन्होंने बाद में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई. इस शिकायत के आधार पर आरोपी शख्स को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी गई. इसी बीच उसकी पत्नी ने एक बच्ची को जन्म दिया. कोलार फास्ट ट्रैक कोर्ट ने मामले का संज्ञान लेते हुए कार्यवाही शुरू कर दी. कानूनी लड़ाई के दौरान आरोपी की पत्नी ने एक हलफनामा पेश किया.

मुकेश अंबानी के बेटे की भक्ति यात्रा

द्वारका, एजेंसी।
देश के सबसे बड़े कारोबारी और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मालिक मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी एक बार सुर्खियों में हैं। अपने भक्ति भाव और आस्था के लिए पहचाने जाने वाले अनंत अंबानी इन दिनों गुजरात के जामनगर से द्वारकाधीश मंदिर तक पदयात्रा कर रहे हैं। इस पदयात्रा का आज 5वां दिन है। उनके साथ उनके बॉडीगार्ड और सैकड़ों की संख्या में समर्थक और श्रद्धालु भी पदयात्रा कर रहे हैं। इस दौरान वह और उनके साथ पदयात्रा में शामिल लोग हनुमान चालीसा का पाठ करते नजर आए। बताया जा रहा है कि अनंत अंबानी 10 अप्रैल को द्वारका में अपना जन्मदिन मनाएंगे।

अनंत अंबानी ने कहा, पदयात्रा हमारे घर जामनगर से द्वारका तक है। यह पिछले 5 दिनों से चल रही है और हम अगले 2-4 दिनों में पहुंच जाएंगे। मेरी पदयात्रा जारी है। भगवान द्वारकाधीश हमें आशीर्वाद दें। मैं युवाओं से कहना चाहूंगा कि भगवान द्वारकाधीश पर विश्वास रखें, सनातन धर्म पर विश्वास रखें और कोई भी काम करने से पहले भगवान द्वारकाधीश को याद करें। वह काम बिना किसी बाधा के अवश्य पूरा होगा और जब भगवान मौजूद हैं, तो चिंता करने की कोई बात नहीं है। वनतारा के वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक, अनंत अंबानी की भगवान श्री द्वारकाधीश में गहरी आस्था है। उन्होंने जय द्वारकाधीश के जयकारों के साथ 28 मार्च 2025 को जामनगर के रिलायंस इंडस्ट्रीज टाउनशिप से भगवान कृष्ण की नगरी द्वारका तक 141 किलोमीटर लंबी पदयात्रा शुरू की है। वह अपना जन्मदिन 10 अप्रैल 2025 को द्वारका में मनाने की योजना बना रहे हैं। अनंत अंबानी के साथ उनकी सुरक्षा टीम और सहयोगियों का एक बड़ा काफिला भी साथ चल रहा है। उनकी पदयात्रा से यातायात बाधित न हो, इसलिए वह देर रात यात्रा कर रहे हैं। हर दिन वह करीब 10 से 12 किलोमीटर की दूरी तय कर रहे हैं। 10 अप्रैल को वह द्वारका पहुंचेंगे और भगवान द्वारकाधीश के दर्शन के साथ अपना जन्मदिन मनाएंगे। अनंत अंबानी के दोस्तों के अलावा सैकड़ों ब्राह्मण और श्रद्धालु भी इस पदयात्रा में शामिल हुए हैं। यात्रा के दौरान श्रद्धालु जय द्वारकाधीश का नारा लगाते हुए भजन-कीर्तन कर रहे हैं।

अन्नामलाई छोड़ेंगे तमिलनाडु में पद? क्या भाजपा के पुराने यार ने बढ़ा दी दरार

चेन्नई, एजेंसी।
तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में एक साल का समय बाकी है। इससे पहले ही राज्य की राजनीति में बड़े बदलाव के आसार हैं। खबर है कि भारतीय जनता पार्टी के मौजूदा प्रदेश प्रमुख के अन्नामलाई अध्यक्ष पद छोड़ सकते हैं। हालांकि, कहा जा रहा है कि उन्हें पद से हटाए जाने का फैसला जातिगत समीकरणों के चलते लिया जा सकता है। ये संभावनाएं ऐसे समय पर सामने आ रही हैं, जब हाल ही में भाजपा के पुराने साथी एआईएडीएमकेके नेताओं और अन्नामलाई दोनों ने ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात की थी।

रिपोर्ट के अनुसार, अन्नामलाई तमिलनाडु

भाजपा अध्यक्ष पद छोड़ सकते हैं। कभी तमिलनाडु में साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाली भाजपा और एआईएडीएमके साल 2023 में अलग हो गए थे। तब अन्नामलाई को इसकी बड़ी वजह माना जा रहा था। अखबार से बातचीत में भाजपा सूत्रों का कहना है कि यह फैसला अन्नामलाई के लिए सजा नहीं, बल्कि जातिगत समीकरणों के चलते लिया जा सकता है।

दिल्ली में शाह संग हुई एआईएडीएमके नेताओं की बैठक के बाद से ही आगामी विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन की अटकलें तेज हो गई थीं। अब रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भाजपा के इस फैसले को लेकर अन्नामलाई को शाह के साथ हुई बैठक के दौरान सूचित कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि दक्षिण भारतीय राज्य में भाजपा को चर्चा में लाने वाले अन्नामलाई से कहा गया है, दिल्ली को उनके लिए उज्ज्वल भविष्य नजर आ रहा है।

हर अच्छे काम का विरोध होता है

नई दिल्ली, एजेंसी। एक तरफ जब केंद्र सरकार वक्फ संशोधन बिल को संसद के पटल पर रखने की तैयारी में है तभी सीएम योगी आदित्यनाथ ने पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में इस विषय पर खुलकर अपनी राय रखी है। इस बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हर अच्छे काम का विरोध होता है। इसी तरह वक्फ संशोधन विधेयक पर भी हंगामा हो रहा है। जो लोग इस मुद्दे पर हंगामा कर रहे हैं, मैं उनसे पूछना चाहता हूं...क्या वक्फ बोर्ड ने कोई कल्याण किया है सब कुछ छोड़िए, क्या वक्फ ने मुसलमानों का भी कोई कल्याण किया है? सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वक्फ निजी स्वार्थ का केंद्र बन गया है। यह किसी भी सरकारी संपत्ति पर जबरन कब्जा करने का माध्यम बन गया है और सुधार समय की मांग है और हर सुधार का विरोध किया जाता है। सीएम योगी ने कहा कि मैं एक नागरिक के रूम में काम करता हूं। खुद को विशेष नहीं मानता हूं। अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों को पूरा करता हूं। मेरे लिए राष्ट्र सबसे ऊपर है।

आप के मंत्रियों और विधायकों के खिलाफ किसानों का हल्लाबोल

चंडीगढ़, एजेंसी।
पंजाब के किसानों ने पुलिस की ओर से प्रदर्शनकारी किसानों को शंभू और खनौरी बॉर्डर से हटाए जाने के विरोध में आम आदमी पार्टी के विधायकों के आवासों के बाहर सोमवार को प्रदर्शन किया। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। किसानों ने पंजाब पुलिस की ओर से 19 मार्च को की गई कार्रवाई की आलोचना की। पुलिस ने 19 मार्च को किसान नेताओं को उस समय हिरासत में ले लिया था, जब वे चंडीगढ़ में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक करने के बाद वापस आ रहे थे। प्रदर्शनकारी किसानों की मांग, खासकर न्यूनतम समर्थन मूल्यकी गारंटी पर चर्चा करने के वास्ते उक्त बैठक का आयोजन किया गया था। जैसे ही किसान मोहाली में दाखिल हुए तो उन्हें भारी अवरोधकों का सामना करना पड़ा और उनके कुछ नेताओं को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने शंभू और खनौरी बॉर्डर से प्रदर्शनकारी किसानों और उनके अस्थायी ढांचों को भी हटा दिया। इसके बाद शंभू-अंबाला और संगरूर-जींद राजमार्ग पर वाहनों का आवागमन फिर से शुरू हो गया है। किसान मजदूर संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष सतनाम सिंह पन्नू ने सोमवार को

कहा कि 17 जिलों में सात मंत्रियों और 21 विधायकों के घरों के बाहर प्रदर्शन किया गया। किसान नेताओं ने भगवंत मान सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि उसने भारतीय जनता पार्टी नीत केंद्र सरकार के साथ मिलीभगत करके शंभू और खनौरी बॉर्डर से किसानों को हटाने का काम किया। केएमएम के नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि वे पुलिस की ओर से अस्थायी ढांचों को हटाए जाने के बाद विरोध स्थलों से ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और अन्य सामान की चोरी के लिए भी मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसान चाहते हैं कि विरोध स्थल से उनका सामान चुराने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर प्रदर्शन करने वाले कई किसानों ने दावा किया कि ट्रॉलियों सहित उनका सामान गायब है और हो सकता है कि वह चोरी हो गया हो।

साध्वी प्राची ने उठाई राष्ट्रीय पुरुष आयोग बनाने की मांग, कहा-पुरुषों का हो रहा अब महिलाओं से ज्यादा उत्पीड़न

हरिद्वार , एजेंसी। जहां एक ओर देश में पत्नियों से प्रताड़ित पतियों की संख्या बढ़ती जा रही है. वहीं दूसरी ओर कुछ से राष्ट्रीय पुरुष आयोग के गठन की मांग की जा रही है.अक्सर अपने बयानों से चर्चा में रहने वाली विश्व हिंदू परिषद की फायर ब्रांड नेता साध्वी प्राची ने इस बार पुरुषों को लेकर एक बड़ा बयान दिया है. जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से पुरुषों के लिए महिलाओं के जैसा पुरुष आयोग बनाने की मांग उठाई है. उनका कहना है कि पिछले सालों में पुरुषों का उत्पीड़न महिलाओं से ज्यादा देखा जा रहा है. ऐसे में देश को जरूरत है कि महिलाओं के जैसा ही एक पुरुष आयोग भी बने.

हिंदूवादी नेत्री साध्वी प्राची ने पुरुष आयोग बनाने की मांग की है. लगातार सामने आ रहे पुरुषों के उत्पीड़न के मामलों के बाद साध्वी प्राची ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पुरुष आयोग बनाने की मांग की. हरिद्वार स्थित अपने आश्रम में मीडिया से बात करते हुए साध्वी प्राची ने कहा कि पहले महिलाओं का उत्पीड़न होता था, जिसके लिए महिला आयोग बनाया गया और उससे महिलाओं को संरक्षण भी मिला. लेकिन अब जिस तरह देश भर के अलग-अलग हिस्सों से कई ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जिसमें पुरुषों का उत्पीड़न और हत्याएं हो रही हैं. अब समय आ गया है कि पुरुषों को उत्पीड़न से बचाने के लिए पुरुष आयोग भी बनाया जाए. बता दें कि देश में राष्ट्रीय पुरुष आयोग बनाने की मांग तेज होती जा रही है.

दिल्ली-मेरठ और पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर सफर महंगा

गाजियाबाद में बकाया हाउस टैक्स पर लगेगा 12 प्रतिशत ब्याज

गाजियाबाद एजेंसी।
गाजियाबाद जिले में एक अप्रैल से कई बदलाव होने जा रहे हैं। लोगों को अब ज्यादा जेब ढीली करनी पड़ेगी। दिल्ली-मेरठ और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के साथ एनएच-9 पर 31 मार्च रात 12 बजे के बाद टोल महंगा हो गया। वहीं, गृहकर न देने वालों पर 12 फीसदी ब्याज लगेगा। कुछ कागजी स्टाम्प भी चलन से बाहर हो गए। जीडीए से नक्शा पास कराना महंगा हो गया।

दिल्ली-मेरठ और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के साथ एनएच-9 पर 31 मार्च रात 12 बजे से टोल महंगा हो गया है। दिल्ली से मेरठ तक एक्सप्रेसवे पर कार-जीप का टोल 5 और बस-ट्रक का टोल 20 रुपये ज्यादा वसूला गया। अन्य श्रेणी के वाहनों की टोल दरें भी बढ़ गई हैं। एनएच-9 के छिजारसी टोल प्लाजा पर नई दर से वसूली की गई। मेरठ

एक्सप्रेसवे पर सराय काले खां से मेरठ तक कार और जीप का एक तरफ का टोल 170 रुपये हो गया। अभी 165 रुपये वसूला जा रहा था। हल्के व्यावसायिक वाहन का एक तरफ का मेरठ तक टोल 275 रुपये हो गया। इन वाहनों पर दस रुपये बढ़ाए गए हैं। बस-ट्रक की नई टोल दर 580 रुपये की गई है। इन वाहनों से अभी 560 रुपये वसूला जा रहा था। इन वाहनों पर 20 रुपये बढ़े हैं। इसके अलावा इंदिरापुरम से मेरठ तक कार और जीप का एक तरफ का टोल 115 रुपये हो गया। आने-जाने का टोल 175 रुपये देना होगा। वहीं, हल्के व्यावसायिक वाहन का एक तरफ का टोल 185 और आने-जाने का 280 रुपये टोल हो गया। उधर, 135 किलोमीटर लंबे ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर भी टोल दर बढ़ाई हैं। दुहाई से कार और जीप के जाखौली तक का टोल 100 रुपये, मवीकला के 60 रुपये, बड़ागांव के 45 रुपये हो गए हैं। नगर निगम वित्त वर्ष खत्म होते हाउस टैक्स जमा नहीं करने वाले करदाताओं से 12 फीसदी ब्याज वसूलेगा।साढ़े चार लाख करदाताओं में से करीब एक लाख ने हाउस टैक्स जमा नहीं किया।मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ. संजीव सिन्हा ने बताया कि हाउस टैक्स वसूली के लिए पांचों जोन में टीम ने सालभर अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि 300 करोड़ से अधिक की टैक्स वसूली हुई है। हाउस टैक्स जमा नहीं करने वाले करदाताओं से अब 12 फीसदी ब्याज लगाकर वसूली की जाएगी। मेरठ में स्टाम्प पेपर को लेकर हुए घोटाले के मामले के बाद 10 से लेकर 25 हजार रुपये के कागजी स्टाम्प एक अप्रैल से चलन से बाहर हो गए। जिनके पास यह थे, उन्हें 31 मार्च तक वापसी का मौका दिया गया था। 31 मार्च तक केवल पांच लोगों ने 15,32,700 रुपये के स्टाम्प वापसी का आवेदन किया। निबंधन विभाग के मुताबिक, मेरठ में स्टाम्प पेपर का घोटाला हुआ था। इसमें 10 हजार, 15 हजार और 25 हजार रुपये वाले फर्जी स्टाम्प लगाकर रजिस्ट्री कराई गई थी। इससे बड़ा नुकसान हुआ था। जीडीए से इस वित्तीय वर्ष नक्शा पास कराना महंगा होगा। शासन के निर्देशानुसार इसमें करीब पांच फीसदी तक बढ़ोतरी होगी, जिससे प्राधिकरण क्षेत्र में भूखंड पर मकान बनाना महंगा हो जाएगा। इसका आमजन पर सीधे असर पड़ेगा। जीडीए की स्वीकृत योजना में भूखंड पर मकान बनाने के लिए प्राधिकरण से ही मानचित्र स्वीकृत कराया जाता है।

नूंह-अलवर हाईवे का 47 किलोमीटर हिस्सा होगा 4 लेन, केंद्र ने मेवातियों को दी खुशियों वाली ईदी

नूंह, एजेंसी। हरियाणा के नूंह से अलवर नौगांव बॉर्डर तक नेशनल हाईवे-248ए के 47 किलोमीटर लंबे हिस्से को चार लेन बनाया जाएगा। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इसके लिए 400 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया है। केंद्र सरकार ने इस तोहफे से मेवातियों की ईद की खुशी को चार गुना बढ़ा दिया है।

क्षेत्रवासी इस परियोजना को ईद का तोहफा मान रहे हैं। वन विभाग की एनओसी के बाद जल्द ही टेंडर और निर्माण कार्य किया जाएगा। केंद्र सरकार से बजट मंजूरी के बाद लोगों ने एक दशक लंबे संघर्ष के लिए प्रख्यात स्वयंसेवक राजूद्दीन को बधाइयां दी है। शिक्षाविद् मास्टर अब्दुल वहाब ने कहा कि इस हाईवे फोरलेन के लिए मेवात आरटीआई मंच ने वर्ष 2018 में बड़कली चौक पर छह दिन का धरना दिया था। धरने में सामाजिक कार्यकर्ता राजूद्दीन ने अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने मेवात क्षेत्र के सिंगल हाईवे को फोरलेन बनाने की मुहिम सड़क से लेकर संसद तक चलाई। खास बात यह रही थी उनकी पत्नी सबीला जंग भी इसमें शामिल रहीं। डेढ़ दशक लंबे संघर्ष के दौरान मेवात आरटीआई मंच एवं मौजी फाउंडेशन ने भूख-हड़ताल, ज्ञापन पत्र, हस्ताक्षर अभियान, धरना-प्रदर्शन, स्लोगन पेंटिंग आदि बनाकर विरोध प्रदर्शन किए थे। नूंह-अलवर सिंगल हाईवे पर पिछले 10 साल में करीब 2500 मौत हुई हैं। मंच की तरफ से 2019 में 100 फुट लंबे कपड़े पर 20 हजार लोगों के हस्ताक्षर कराकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजा गया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सैयद अहमर हसनैन द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन , 55- बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक - सैयद अहमर हसनैन R.N.I.No-UPHIN/2008/27122 - Ph : 0522-4048974, Email : news@group5.in समाचार पत्र के समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

क्या लोकसभा की तर्ज पर एनडीए में बिहार विधानसभा सीटों का होगा बंटवारा?

पटना, एजेंसी। बिहार में इस साल विधानसभा का चुनाव होना है। बीजेपी के चाणक्य अमित शाह के बिहार दौरे के बाद सीट शेयरिंग को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। एनडीए में पांच घटक दल शामिल हैं। विशेषज्ञ भी कह रहे हैं लोकसभा में एनडीए के घटक दलों ने आसानी से समझौता किया था इसलिए फार्मूला लोकसभा वाला हो सकता है। ऐसे सभी दल की इच्छा होती है कि अधिक से अधिक सीट मिले और इसलिए विधानसभा में इस बार प्रेशर अधिक होगा।

सीट शेयरिंग को लेकर चर्चा: लोकसभा चुनाव में भी पांचों घटक दल थे और 40 लोकसभा सीटों में से 17 बीजेपी, 16 जदयू, पांच लाजपा रामविलास, एक सीट हम और एक सीट उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा को मिला था।अब लोकसभा के तर्ज पर ही बिहार विधानसभा के 243 सीटों का भी बंटवारा होगा। आधिकारिक रूप से भले ही घोषणा नहीं हुई है लेकिन अंदर खाने से जो खबर आ रही है विधानसभा में सीट शेयरिंग का फार्मूला लोकसभा के फार्मूले को ध्यान में रखकर ही किया जाएगा।

जिताऊ उम्मीदवार पर जोर: अमित शाह बिहार दौरे में जहां बीजेपी को और एनडीए के घटक दलों को विजय का मूल मंत्र दिया है तो वही एकजुटता दिखाने की कोशिश भी की है। बिहार में एनडीए के पांचों घटक दल लोकसभा चुनाव में एकजुटता के साथ ताकत दिखाई थी। राष्ट्रीय लोक मोर्चा को छोड़ दें तो सभी घटक दलों ने लोकसभा में खाता खोला। हालांकि बाद में उपेंद्र कुशवाहा को भी राज्यसभा से एनडीए ने सांसद बना दिया है।

चिराग पासवान को नुकसान: बिहार में पिछले लंबे समय से पांचों घटक दल संयुक्त रूप से अभियान चला रहे हैं। आने वाले समय में विधानसभा स्तर पर भी कार्यक्रम चलेगा। 2020 विधानसभा चुनाव में चिराग पासवान ने अकेले चुनाव लड़ा था एनडीए से तालमेल नहीं हो पाया था और इसके कारण चिराग पासवान को बहुत नुकसान हुआ। साथ ही जदयू को भी नुकसान हुआ। जदयू पहली बार तीसरे नंबर की पार्टी हो गई और 43 सीटों पर सिमट गई जबकि चिराग पासवान को केवल एक सीट पर ही जीत हासिल हो पाई।

मांझी मांग रहे 40 सीट: चिराग पासवान और उपेंद्र कुशवाहा इस बार एनडीए में मजबूती से मौजूद हैं और हर मौके पर एकजुटा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। जीतन राम मांझी 2020 में भी एनडीए के साथ थे और उन्हें चार विधानसभा सीटों पर जीत भी हासिल हुई थी। इस बार भी एनडीए के साथ है हालांकि जीतन राम मांझी कई मौकों पर बयान भी दे देते हैं जो चर्चा में रहता है 40 सीटों की डिमांड करते रहे हैं। हालांकि बाद में अपने बयान से मुकर भी जाते हैं।

लोकसभा में एनडीए को मिली थी 40 सीट: पिछले साल लोकसभा चुनाव में एनडीए ने एकजुटता दिखाते हुए 40 में से 30 सीटों पर शानदार जीत हासिल की। चिराग पासवान को 5 सीट मिला था पांचों पर जीत हासिल हुई बीजेपी ने 17 में से 12 सीट तो जदयू ने 16 में से 12 सीट पर जीत हासिल किया हम को एक सीट मिला था।

लोकसभा के फार्मूले पर बंटवारा हुआ तो आपत्ति

अब सवाल यह है कि क्या यदि लोकसभा की तर्ज पर विधानसभा में पांचो घटक दल के बीच सीटों का बंटवारा होता है तो जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा इसके लिए तैयार होंगे या नहीं? क्योंकि उन्हें केवल छह या सात विधानसभा सीट ही मिलेगी।

लोकसभा के फार्मूले से किसे कितना सीट मिलेगा

लोकसभा के फार्मूले पर यदि बिहार में सीटों का बंटवारा हुआ तो 243 सीटों को लोकसभा की 40 सीटों के हिसाब से बांटते हैं तो प्रत्येक लोकसभा सीट पर छह विधानसभा सीट के आसपास बैठता है। ऐसे में बीजेपी को 17 सीट लोकसभा में मिला था तो विधानसभा में 102 सीट होता है, जदयू को 16 सीट मिला था तो विधानसभा में 96 सीट होता है।

जिताऊ उम्मीदवार पर जोर

लोकसभा चुनाव के दौरान भी वीआईपी को लाने की कोशिश हुई थी लेकिन मुकेश सहनी का डिमांड बहुत ज्यादा था और बीजेपी उसके लिए तैयार नहीं हुई। ऐसे तो विधानसभा चुनाव में अभी 6- 7 महीने का समय है और वीआईपी भी एनडीए में आ गई तो उसे भी एनडीए के बड़े घटक दलों को अपने हिस्से से कुछ सीट देना होगा। अमित शाह के बिहार दौरे में जहां भाजपा नेताओं को जीत का मूल मंत्र दिया गया है तो ही एनडीए के घटक दलों को भी जिताऊ उम्मीदवार पर जोर देने और एकजुटता दिखाने की नसीहत दी गई है।

2020 में थे 5 दल

2020 विधानसभा चुनाव में एनडीए में चार दल शामिल थे। बीजेपी और जदयू के बीच लगभग बराबर सीटों का बंटवारा हुआ था। जदयू को 122 सीट मिला था तो बीजेपी को 121 सीट जदयू ने अपने कोटे की सीट में से जीतन राम मांझी की पार्टी को 7 सीट दिया था जबकि भाजपा ने वीआईपी को 11 सीट बाद में वीआईपी एनडीए से बाहर हो गई वहीं चिराग पासवान की पार्टी और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी एनडीए में शामिल हो गए।

पांचों दल एकजुटता दिखा रहें

लोकसभा में एनडीए में 5 दल थे और विधानसभा चुनाव में भी पांचों दल अपनी एकजुटता दिखा रहे हैं। एक बार फिर से बीजेपी और जदयू के बीच लगभग बराबर बराबर सीटों का बंटवारा होना तय माना जा रहा है। कुछ सीटों का अंतर हो सकता है और शेष बचे सीटों में शेष तीनों दलों को दिया जाएगा और उसमें भी सबसे बड़ा हिस्सा चिराग पासवान की पार्टी को जाना है।

225 सीट जीतने का लक्ष्य

2020 की तरह चिराग पास इस बार कोई गलती करेंगे इसकी संभावना कम है। बिहार एनडीए ने इस बार 225 सीट जीतने का लक्ष्य रखा है और राजनीतिक जानकार कह रहे हैं कि सीटों के बंटवारे में कोई विवाद नहीं हुआ तो एनडीए 2010 वाली फिर से विजय पताका फराह सकती है।

संक्षिप्त समाचार

5 हजार रुपए के लिए युवक पर जानलेवा हमला

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद के अंबा बाजार में मंगलवार शाम को एक लेनदेन विवाद में युवक पर नुकीले हथियार से हमला कर दिया गया। घायल युवक आकाश कुमार उर्फ रंजन को पहले कुटुंबा रेफरल अस्पताल और फिर गंभीर स्थिति में सदर अस्पताल रेफर किया गया। घटना की जानकारी देते हुए आकाश ने बताया कि उसने अपने भाई राहुल की शादी के लिए ज्वैलर्स के मालिक अक्षय सोनी से 2।5 लाख रुपए के गहने उधार लिए थे। उसने 2 लाख रुपए चुका दिए थे।

शेष 50 हजार रुपए के लिए दुकानदार लगातार दबाव बना रहा था। इस विवाद में पहले भी दो बार मारपीट हो चुकी थी।

फोन पर गालियां भी दीं– अंबा थाने में पुलिस ने एक महीने में पैसे चुकाने का बांड बनवाया था। आकाश ने 45 हजार रुपए और चुका दिए। मात्र 4-5 हजार रुपए बाकी थे। मंगलवार शाम को दुकानदार का कर्मचारी चंदन सोनी पैसे मांगने आया। आकाश ने धंधा मंदा होने की बात कही। इस बात पर वह चंदन के फोन पर गालियां दीं।

क्या बोली पुलिस– आकाश जब दुकान पर बात करने गया, तो दुकानदार और उसके साथियों ने मिलकर उस पर हमला कर दिया। नुकीले हथियार से वार किए गए, जिससे कई जगह से खून निकलने लगा। थानाध्यक्ष राहुल राज ने कहा कि मारपीट की सूचना मिली है। आवेदन मिलते ही स्न्ढ्ढक्रदर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

प्रसव के बाद प्रसूता की बिगड़ी तबीयत, मौत

छपरा, एजेंसी। छपरा के भगवान बाजार थाना क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में चिकित्सकीय लापरवाही से एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान मकेर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव निवासी देवेंद्र कुमार की पत्नी नेहा देवी के रूप में हुई है। मृतका के परिजनों ने बताया कि नेहा का पांच दिन पहले प्रसव हुआ था।

खून की कमी के कारण उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने ब्लड चढ़ाने की सलाह दी। पहला यूनिट सफलतापूर्वक चढ़ाया गया। दूसरे यूनिट के दौरान अस्पताल कर्मियों ने लापरवाही बरती।

घटना के बाद अस्पताल छोड़कर भागे कर्मी– मृतका के पति देवेंद्र कुमार ने बताया कि स्टाफ ने बार-बार सुई लगाने की कोशिश की। असफल होने पर उन्हें पैसों का इंतजाम करने के लिए बाहर भेज दिया। एक घंटे बाद लौटने पर नेहा की हालत गंभीर थी और बाद में उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया। अस्पताल का समूचा स्टाफ मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना के बाद पहुंची भगवान बाजार थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और फरार अस्पताल कर्मियों की तलाश जारी है।

खड़े ट्रक से टकराई बाइक, चालक की मौत

जमुई, एजेंसी। जमुई में मलयपुर-गिद्धौर मुख्य मार्ग पर एक दुर्देवी घटना सामने आई। कटौना के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से एक बाइक टकरा गई। हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान टाउन थाना क्षेत्र के प्रतापपुर निवासी अशर्फी राम के बेटे विनोद राम (40) के रूप में हुई।

परिजनों ने बताया कि विनोद का खुद का एक ट्रक था। सोमवार की रात वह अपने ट्रक का निरीक्षण करने मलयपुर गए थे। वापसी के दौरान कटौना के पास उनकी बाइक तेज रफ्तार और अंधेरे के कारण सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गई। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने घायल विनोद को सदर अस्पताल पहुंचाया। लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

ऑटो और ई-रिक्शा से बच्चों को स्कूल ले जाने पर बैन, नीतीश सरकार के फैसले से यूनियन नाराज

पटना, एजेंसी। एक अप्रैल यानी मंगलवार से ऑटो और ई-रिक्शा से स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसे लागू करने के लिए यातायात पुलिस ने तैयारी पूरी कर ली है। मंगलवार से जो भी ऑटो और ई-रिक्शा स्कूली बच्चों को ढोते पाए जाएंगे, उनपर यातायात पुलिस कार्रवाई करेगी। इसके लिए ट्रैफिक एसपी ने कर्मियों को निर्देश जारी किया है।

ट्रैफिक एसपी अपराजित लोहान ने बताया कि मंगलवार सुबह से ही प्रमुख चौक-चौराहे सहित स्कूलों के समीप यातायात पुलिस की टीम तैनात रहेगी। निर्देश के बावजूद परिचालन करते पाए जाने पर ऑटो और ई-रिक्शा मालिकों पर जुर्माना लगाया जाएगा। राजधानी में नियमों के विपरीत ऑटो और ई-रिक्शा से स्कूली बच्चों को ढोया जा रहा है। उन वाहनों में बच्चों की सुरक्षा के उपाय तो दूर तीन यात्री की सीट पर आठ से 10 बच्चों को ठूंस कर बिठाया जा रहा है।

वहीं, अप्रशिक्षित चालक होने के कारण ऑटो और ई-रिक्शा से लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। पटना में करीब पांच हजार ऑटो और ई-रिक्शा स्कूली सेवा में लगे हैं। कार्रवाई के लिए आयकर गोलंबर, डाकबंगला चौराहा, बोरिंग रोड और दीघा चौराहे के अलावा स्कूलों के समीप यातायात पुलिस मौजूद रहेगी। परिवहन विभाग भी स्थिति पर नजर रखेगा। जुर्माना के अलावा वाहन जब्त भी किए जा सकते हैं।

ऐसे वाहनों के लिए नियम तय– स्कूली बच्चों को ढोने वाले वाहनों के लिए नियम तय हैं। वाहन का रंग पीला और चालक प्रशिक्षित होने के साथ ही बच्चों की सुरक्षा के लिए खिड़की पर ग्रिल लगा होना चाहिए। वाहन में प्राथमिक चिकित्सा किट और आग बुझाने वाले उपकरण अनिवार्य हैं।

यूनियन विरोध में उतरा– ऑटो और ई-रिक्शा से बच्चों को स्कूल नहीं ले जाया जाएगा। इसका फैसला तमाम ऑटो यूनियनों ने लिया है। मंगलवार से कई स्कूल खुल रहे हैं। ऑटो और ई-रिक्शा से बच्चों को स्कूल नहीं ले जाने के आदेश का विरोध तमाम ऑटो यूनियन कर रहे हैं। इसको लेकर ऑटो यूनियन द्वारा बुधवार को गर्दनीबाग में धरना भी दिया जाएगा। ऑटो यूनियन के अजय पटेल ने बताया कि परिवहन विभाग के इस आदेश से ऑटो और ई-रिक्शा चालक की रोजी-रोटी प्रभावित होगी। आदेश के विरोध में हमलोगों ने बच्चे को स्कूल नहीं ले जाने का फैसला किया है। माना जा रहा है कि इस आदेश से राजधानी समेत जिले के 50 हजार से अधिक स्कूली बच्चे प्रभावित होंगे। ये बच्चे ऑटो या ई-रिक्शा से स्कूल आते-जाते हैं।

बिहार में 62 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को राहत, श्रमिकों की भी बढ़ी मजदूरी

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार ने 62 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को राहत दी है। आज से स्मार्ट प्रीपेड मीटर वाले उपभोक्ताओं को 25 पैसे प्रति यूनिट सस्ती बिजली मिलेगी। बिहार में 2.12 करोड़ से अधिक बिजली उपभोक्ता है। उसमें से सवा करोड़ ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं को 54 पैसे प्रति यूनिट आज से कम भुगतान करना होगा। 31 मार्च 2026 तक यह व्यवस्था लागू रहेगी।

बिजली उपभोक्ताओं को राहत

ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं को अभी 50 यूनिट तक 7.42 रुपये प्रति मिनट की राशि का भुगतान करना पड़ता है। वहीं 50 से अधिक यूनिट होने पर 7.96 प्रति यूनिट का भुगतान करना पड़ता है। हालांकि सरकार इस पर सब्सिडी देती है। 50 यूनिट में तो कोई फेर बदल नहीं किया गया है। 50 यूनिट से अधिक खर्च करने वाले उपभोक्ताओं को 54 पैसे कम यानी 7.42 रुपये प्रति यूनिट का भुगतान करना होगा।

प्रीपेड मीटर वाले उपभोक्ताओं के लिए शानदार ऑफर

उधर शहरी घरेलू उपभोक्ताओं को अभी 100 यूनिट बिजली खर्च करने पर 7.42 रुपए प्रति यूनिट के दर से भुगतान करना होता है। 100 यूनिट से अधिक खर्च करने पर 8.95 प्रति मिनट का भुगतान करना होता है। शहरी उपभोक्ताओं के लिए कोई फेर बदल नहीं किया गया है लेकिन प्रीपेड मीटर वाले उपभोक्ताओं को 25 पैसे प्रति यूनिट कम राशि देना होगा। सरकार शहरी और ग्रामीण दोनों उपभोक्ताओं के लिए के लिए सब्सिडी देती है। 2024 -25 में नीतीश सरकार 15343 करोड़ सब्सिडी दे रही है।

6 महीने तक नहीं लगेगा जुर्माना

स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को सरकार पहले से ही राहत दे रही है। अगर ऐसे उपभोक्ता 6 महीने तक लोड से अधिक बिजली की खपत करते हैं तो उन्हें जुर्माना नहीं देना होगा। हालांकि जिन उपभोक्ताओं के स्मार्ट मीटर 6 महीने से पुराने हो चुके हैं और वह तय लोड से अधिक की खपत कर रहे हैं तो उन्हें इसके लिए जुर्माना देना होगा।

बिहार में श्रमिकों की बढ़ी मजदूरी:

वहीं बिहार सरकार ने श्रमिकों की मजदूरी भी आज से ?12 बढ़ा दी है और कुशल मजदूरों को प्रतिदिन 412 रुपये के बदले अब 424 रुपये प्रतिदिन मजदूरी मिलेगी। श्रम संसाधन विभाग की ओर से न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948 के अंतर्गत बढ़ोतरी की गई है। अर्द्ध कुशल मजदूर को 428 के जगह अब 440 रुपये प्रतिदिन मिलेगा। वहीं कुशल मजदूरों को 521 रुपये की जगह अब 533 रुपये प्रतिदिन मिलेगा अति कुशल श्रमिकों को 636 के जगह 654 रुपये प्रतिदिन मिलेगा।

सहरसा का 72वां स्थापना दिवस

कोसी प्रमंडल का मुख्यालय, लेकिन विश्वविद्यालय की कमी से छात्र परेशान

सहरसा, एजेंसी। सहरसा जिले को स्थापित हुए 72 वर्ष पूरे हो गए हैं। एक अप्रैल 1954 को भागलपुर और मुंगेर के कुछ हिस्सों को मिलाकर इस जिले का गठन किया गया था। 2 अक्टूबर 1972 को इसे कोसी प्रमंडल का मुख्यालय बनाया गया। जिले में सदर अस्पताल, राजकीय पॉलिटेक्निक, महिला कॉलेज और स्कूलों की स्थापना हुई। साथ ही, सरकारी कार्यालय और आवासीय परिसर भी बनाए गए। लेकिन आज तक जिले में एक भी विश्वविद्यालय नहीं है।

मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य नहीं हुआ शुरू– शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में जिले ने प्रगति की है। दो निजी मेडिकल कॉलेज, सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज और आईटीआई की स्थापना हुई है। पिछले साल सरकारी मेडिकल कॉलेज को मंजूरी मिली। लेकिन अभी तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है।

लालू राज में नहीं बना विश्वविद्यालय– रिटायर्ड प्रोफेसर रामजी प्रसाद (80) बताते हैं कि 1980 के दशक में तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ। जगन्नाथ मिश्रा ने विश्वविद्यालय निर्माण की पहल की थी। सहरसा कॉलेज में इसकी आधारशिला भी रखी गई। लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद मुख्यमंत्री लालू प्रसाद के कार्यकाल में यह विश्वविद्यालय मधेपुरा में स्थानांतरित कर दिया गया।

विकास की नई संभावनाएं– हालांकि, मक्का आधारित उद्योग, मछली और मखाना उत्पादन से जिले की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है। शहर में हवाई पट्टी के विस्तार की योजना है। छोटे विमानों के संचालन से विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

छात्रों को होती है परेशानी

विद्यार्थी विद्याभूषण ने बताया कि बिहार के सभी 9 प्रमंडलों के जिला मुख्यालयों में विश्वविद्यालय है। केवल सहरसा ही ऐसा कमिश्नरी मुख्यालय है, जहां विश्वविद्यालय नहीं है। इससे क्षेत्र के छात्रों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विकास की एक अन्य बड़ी बाधा है रेलवे फ्लाईओवर का न होना। दो भागों में विभक्त रेल मार्ग के ऊपर आज तक फ्लाईओवर का निर्माण नहीं हो सका है, जिससे नागरिकों को दैनिक यातायात में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

हालांकि, संपर्क सुविधाओं में सुधार हुआ है। कोसी नदी पर बलुआहा पुल बनने से पश्चिमी क्षेत्रों से जुड़ाव बढ़ा है। 2005 में ब्रांड गेज से जुड़ने के बाद पटना, कोलकाता, दिल्ली और मुंबई के लिए सीधी रेल सेवा शुरू हुई। लेकिन एनएच 107 और उग्रतारा मार्ग का निर्माण पूरा होने पर यातायात और सुगम होगा।

प्रो डॉ गोपाल प्रसाद सिंह कहना है कि लालू की सरकार में विश्वविद्यालय को जब मधेपुरा में स्थानांतरित कर दिया गया। जनता को उसी समय सरकार के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए थी। साथ ही, शिक्षकों को आगे आकर अपनी मांग रखनी चाहिए थी। लेकिन उस समय किसी ने इसका विरोध नहीं किया और यहीं वजह है कि आज तक हमारे जिले में विश्वविद्यालय नहीं है।

ललन सिंह ने तेजस्वी पर कसा तंज, कहा- सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र के बाद तेजस्वी यादव का ही स्थान है

पटना, एजेंसी। बिहार में इसी साल विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। इसे देखते हुए प्रदेश में बड़े नेताओं का दौरा जारी है। उनके मिशन बिहार और बयानों पर सिसायत भी घमासान का रूप लेता जा रहा है। शनिवार को बीजेपी के चाणक्य अमित शाह दो दिवसीय पर बिहार आए और पटना और गोपालगंज में हुंकार भरी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अमित शाह पर झूठ बोलकर जनता को भ्रमित करने का आरोप लगाया तो नीतीश कुमार की पार्टी जदयू के ललन सिंह ने पलटवार कर दिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र के बाद तेजस्वी यादव का ही स्थान है।

ललन सिंह से पटना में पत्रकारों ने अमित शाह को लेकर तेजस्वी यादव के बयान पर सवाल पूछा। इस पर तंज कसते हुए ललन सिंह ने कहा कि सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र के बाद तेजस्वी यादव का ही स्थान है। हरिश्चचंद्र बनते रहें और पीठ अपना थपथपाते रहें। अमित शाह ने जो भी कहा है, सत्य कहा है। तेजस्वी यादव को चिंता करने की जरूरत नहीं है वे अपनी चिंता करें। बिहार की जनता तय कर लेगी कि उनका स्थान कहां है। एनडीए के सभी घटक दल मजबूती से साथ हैं और हम लोग एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे और 2025 में बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनेगी।

अमित शाह के दौरे पर लालू यादव का भी बयान आया है। पांच साल में बिहार को बाढ़ की समस्या पर पूर्ण नियंत्रण करने के अमित शाह के बयान पर लालू यादव ने कहा कि बीस सालों से बाढ़ को आमंत्रण दे रहे थे क्या? सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लालू प्रसाद ने लिखा कि एक बार हमे मौके मिले तो बाढ़ नियंत्रण का काम करेंगे। अमित शाह के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी बिहार में आ रहे हैं। 24 अप्रैल को मधुबनी में उनकी जनसभा प्रस्तावित है। राष्ट्रीय पंचायत दिवस के मौके पर बिहार भर के पंचायत प्रतिनिधि जुटेंगे और मोदी देश को हजारों करोड़ की सौगात देंगे।

बाढ़ में थिनर फैक्ट्री में लगी आग

ट्रैक्टर, लॉरी समेत 7 वाहन जलकर राख

पटना, एजेंसी। बाढ़ के गुलाबबाग में सोमवार देर शाम थिनर फैक्ट्री में आग लग गई। चंद मिनटों में ही आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग लगने के एक घंटे बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची। 4 घंटे की मशक्कत के बाद 12 दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया गया।

आगजनी की घटना में चार ट्रैक्टर, 2 मैजिक और एक लॉरी जलकर राख हो गई। जैसे-जैसे आग फैलती? गई, वैसे-वैसे थिनर के ड्रम तेज आवाज के साथ फटते? गए। लपटें? इतनी तेज थी कि कई कर्मचारी भी मामूली तौर पर झुलस गए। एक को अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।?

कई घरों को नुकसान– स्थानीय राजेश कुमार ने बताया कि फैक्ट्री के पास खेतों में गेहूं की फसल लगी थी। आग से फसलों को भी नुकसान हुआ है। कई घरों को भी नुकसान पहुंचा है। पानी की टंकी भी जल गई है। यहां औरतें भी काम करती थी।

घंटों मशक्कत के बाद पाया काबू– वहीं, पटना अग्निशमन पदाधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। फैक्ट्री के आसपास के घरों में अगर आग लग जाती तो काफी जान माल की क्षति हो सकती थी। इथेनॉल या थिनर की आग पेट्रोल से भी ज्यादा भयानक होती है। ऐसी स्थिति में हम लोगों के लिए चुनौती भरा कार्य था। एक थिनर भरा टैंकर भी जलकर राख हो गया।

जांच के बाद कार्रवाई करेंगे– ग्रामीण एसपी विक्रम सिहाग ने बताया कि फैक्ट्री में फायर सेफ्टी के इंतजाम थे या नहीं इसकी जांच की जाएगी। अगर फायर सेफ्टी के नियम का पालन नहीं किया गया होगा तो जांच के बाद फैक्ट्री मालिक पर कार्रवाई करेंगे।

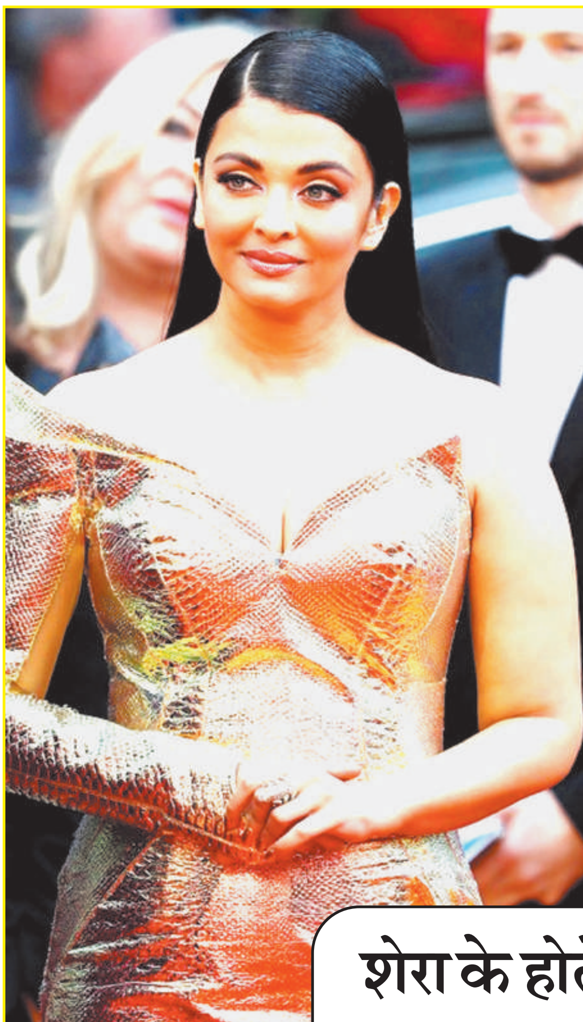

क्या वाकई दिशा वकानी की जगह

काजल पिसल निभाएंगी दया बेन की भूमिका ?

साल 2017 के बाद से दिशा वकानी तारक मेहता का उल्टा चश्मा से दूर हैं। वे मैटरनिटी लीव पर गई थीं और इसके बाद उन्होंने शो में वापसी नहीं की। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि उनकी जगह अब यह भूमिका काजल पिसल निभाएंगी?

टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा लंबे वक्त से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। इस शो का हर किरदार बेहद खास है और दर्शकों से सीधे तौर पर जुड़ा है। मगर, जेठालाल और दयाबेन की बात ही अलग है। दयाबेन का किरदार अभिनेत्री दिशा वकानी ने बड़ी ही खूबसूरती से अदा किया। साल 2017 में वे मैटरनिटी लीव पर चल गईं। तब से फैंस शो में उनकी वापसी का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, अब दिशा वापस नहीं आएंगी। शो के निर्माता असित मोदी भी इसकी पुष्टि कर चुके हैं। कहा जा रहा है कि मेकर्स को दिशा का रिप्लेसमेंट भी मिल गया है।

कयासों को बताया फेक न्यूज

कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि अभिनेत्री काजल पिसल अब तारक मेहता शो में दयाबेन की भूमिका करती दिखेंगी। इस तरह के कयासों पर खुद काजल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे दावों को फेक न्यूज बताया है। काजल ने स्पष्ट किया है कि वे तारक मेहता का उल्टा चश्मा में दयाबेन की भूमिका नहीं अदा कर रही हैं। हालांकि, काजल ने यह भी कहा कि उन्होंने शो के लिए ऑडिशन दिया था।

मैं झनक में काम कर रही हूं

दावे किए जा रहे हैं कि काजल पिसल ने अब दिशा वकानी को रिप्लेस कर दिया है। उनकी तस्वीर भी वायरल हो रही है। इस बारे में जूम से बातचीत में काजल पिसल ने स्पष्ट किया कि ऐसी खबरें पूरी तरह झूठ हैं। साथ ही बताया कि तस्वीर पुरानी है। काजल ने कहा कि उनके पास इस खबर को लेकर कई कॉल और मैसेज आ रहे हैं, लेकिन इस खबर में कोई सच्चाई नहीं है। काजल ने कहा, मैं पहले से ही झनक में काम कर रही हूं। ऐसे में यह खबर झूठ है। हां, मैंने दया बेन के लिए साल 2022 में ऑडिशन दिया था और वो फोटो अब वायरल हो रही है।

शेरा के होते हुए

रशिमका मंदाना के बॉडीगार्ड बने सलमान खान, जमाने के सामने किया...

सलमान खान की फिल्म सिकंदर ईद से ठीक पहले बॉक्स ऑफिस पर दस्तक दे चुकी है. सिनेमाघरों में फिल्म सिकंदर को लेकर जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है. लोग लगातार फिल्म सिकंदर को देखने के लिए सिनेमाघरों के बाहर लाइन लगा रहे हैं. फिल्म सिकंदर में सलमान खान का जाबड़तोड़ एक्शन लोगों को खूब पसंद आ रहा है. इसी बीच फिल्म सिकंदर स्टार की एक वीडियो ने लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचना शुरू कर दिया है. इस वीडियो में सलमान खान फिल्म सिकंदर में अपनी कोस्टार रशिमका मंदाना के साथ नजर आ रहे हैं. वीडियो में सलमान खान ने रशिमका मंदाना के साथ कुछ ऐसा किया है जिसे देखकर हर कोई चौंक गया है. वायरल हो रहे वीडियो में सलमान खान रशिमका मंदाना के साथ एक इवेंट से जाते नजर आ रहे हैं. जैसे ही रशिमका मंदाना अपनी कार तक पहुंचीं. वैसे ही सलमान खान ने बिना देर किए रशिमका मंदाना के लिए कार का दरवाजा खोल दिया. इतना ही नहीं जाने से पहले सलमान खान ने रशिमका मंदाना को अपने गले भी लगा लिया. सलमान खान का ये अंदाज देखकर रशिमका मंदाना मुस्कुराती नजर आई. फैंस को भी सलमान खान का ये अंदाज काफी पसंद आ रहा है.

संगर नेहा कक्कड के झूठ का पर्दाफाश !

बॉलीवुड की फेमस सिंगर नेहा कक्कड़ अपने ऑस्ट्रेलिया टूर के बाद से लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं. बता दें कि नेहा कक्कड़ का ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में कॉन्सर्ट था, जिसमें वह 3 घंटे देरी से पहुंची थी. हालांकि जैसे ही नेहा कक्कड़ स्टेज पर आईं तो वहां मौजूद जनता का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने सिंगर को वापस जाने के लिए कहा. इसके बाद नेहा कक्कड़ स्टेज पर ही फूट-फूटकर रोने लगी थीं और उन्होंने केवल 1 घंटे ही परफॉर्मेंस दी. इस घटना के बाद सिंगर को काफी बुरा-भला कहा जा रहा था, जिसके बाद नेहा कक्कड़ ने शो में देर से पहुंचने का ठीकरा ऑर्गेनाइजरों पर फोड़ दिया और कहा कि ऑर्गेनाइजर्स ने अपने किसी भी वादे को पूरा नहीं किया था, जिसकी वजह से वह लेट हुईं और कॉन्सर्ट में देरी से पहुंची. इसके साथ ही नेहा कक्कड़ ने ये भी कहा था कि उन्होंने मेलर्बन का वह कॉन्सर्ट फ्री में किया है. अब नेहा के इन दावों के बाद कॉन्सर्ट के ऑर्गेनाइजरों का बयान आया हौ उन्होंने सिंगर के झूठ का पर्दाफाश किया है.

ऑर्गेनाइजरों ने नेहा कक्कड़ के झूठ का किया पर्दाफाश

दरअसल नेहा कक्कड़ के मेलबर्न कॉन्सर्ट को ऑर्गेनाइज करने वाले प्रोडक्शन हाउस ने एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने सिंगर के दावों को सिरे से खारिज कर दिया है और कहा है कि नेहा की वजह से वह कर्जे में डूब गए हैं. इसके साथ ही उन्होंने नेहा के अव्यवस्था वाले दावों की पोल खोलते हुए कुछ वीडियोज और होटल बिल्स भी शेयर किए हैं. प्रोडक्शन हाउस ने एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें कई सारी गाड़ियां नेहा कक्कड़ को एयरपोर्ट से रिसीव करती नजर आ रही हैं. बता दें कि सिंगर ने दावा किया था कि ऑर्गेनाइजर्स पैसा लेकर भाग गए और उन्हें किसी ने भी एयरपोर्ट पर रिसीव नहीं किया.

जब अपने ही फैन का धमकी भरा मेल देखकर घबराईं ऐश्वर्या राय

सलमान खान और ऐश्वर्या राय को लेकर सालों पहले खूब हंगामा मच चुका है. जब लोगों को लगने लगा था कि सलमान खान और ऐश्वर्या राय जल्द शादी कर लेंगे ठीक उसी समय उनके बीच झगड़ें की खबरें सामने आने लगीं. एक समय ऐसा भी आया जब सलमान खान पर ऐश्वर्या राय के साथ मारपीट करने का आरोप लगा. इतना ही नहीं लोगों ने तो सलमान खान के परिवार को भी इस झगड़े में घसीटना शुरू कर दिया था. हद तो तब हो गी जब इस ड्रामे के बीच ऐश्वर्या राय के एक फैन ने सलमान खान को धमकी दे डाली. सलमान खान पर नशे की हालत में पारपीट करने के आरोप लगने के बाद ऐश्वर्या राय ने एक इंटरव्यू दिया था. इस इंटरव्यू में ऐश्वर्या राय ने सलमान खान को लेकर कई खुलासे किए थे. ऐश्वर्या राय ने कहा, लोग सलमान खान और मेरे परिवार के लोगों को भी इस सब में घसीट रहे हैं. इस घटना को सांप्रदायिक घटना का रूप दे दिया गया है जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है. ऐश्वर्या राय ने आगे कहा, ये पढ़कर मुझे बहुत बुरा लगा. मीडिया ने मुझे एक बुरी बेटी साबित कर दिया. सलमान खान की इमेज खराब हुई. ऐश्वर्या राय ने आगे कहा, इस घटना के लिए कहीं न कहीं मैं जिम्मेदार थी लेकिन मीडिया ने दोनों के परिवार को बीच में लाकर सारा मामला खराब कर दिया.

अनीता हसनंदानी क्यों नहीं घटा पाती हैं वजन

'काव्यांजलि', 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' और 'नागिन 3' जैसे शो में शानदार काम कर लोकप्रिय हुई अनीता हसनंदानी ने इस बारे में मजेदार खुलासा किया कि वह क्यों 'कुछ किलो' वजन नहीं घटा पाती हैं। अनीता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपने बेटे आरव रेड्डी के साथ मस्ती से टहलती नजर आ रही हैं। वीडियो पर एक ओवरले टेक्स्ट लिखा था, मैं कुछ किलो वजन घटाना चाहती हूं। लेकिन मैं कभी नहीं घटा पाती हूं। मैं विजेता हूं। नताशा ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 1998 में टेलीविजन शो इधर उधर से की थी और अपने फिल्मी करियर की शुरुआत तेलुगू फिल्म नुव्वु नेनु से की थी। 2001 से 2002 तक, उन्होंने कभी सौतन कभी सहेली में तनुश्री की भूमिका निभाई। 2005 में काव्यांजलि के साथ उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया। 2007 में उन्होंने पहली बार कयामत में स्वाति भाटिया की भूमिका निभाई। इसके बाद वह हिंदी फिल्म दस कहानियां और जस्ट मैरिड में दिखाई दीं। 2007 से 2008 तक उन्होंने नमन शॉ के साथ क्योंकि सास भी कभी बहू थी में सांची विरानी की भूमिका निभाई। इसके बाद अभिनेत्री कसम से, क्या दिल में है और किस देश में है मेरा दिल जैसी फिल्मों में देखी गईं।

उन्होंने अपनी गर्भावस्था के कारण ब्रेक लिया और तुषार कपूर के साथ हिंदी फिल्म मारीच से वापसी की। उन्होंने ये है मोहब्बतें, मधुबाला - एक इश्क एक जुनून, ये है आशिकी में काम करके खुद को हिंदी टेलीविजन की अग्रणी अभिनेत्रियों में स्थापित किया। 2018 से 2019 तक, अभिनेत्री नागिन 3 में नागिन विशाखा की भूमिका निभाई। 2020 में वह नागिन 4 में विशाखा के रूप में अपनी भूमिका को दोहराई। इसके साथ ही वह हम रहे ना रहे हम के साथ टेलीविजन पर लौटीं, जहां वह जय भानुशाली के साथ नजर आईं।

अल्लू 'पुष्पा 2' की सफलता के बाद बदलेंगे अपना नाम !

तेलुगु सुपरस्टार अल्लू अर्जुन 'पुष्पा 2' की बड़ी सफलता के बाद अपनी सक्सेस का लुत्फ उठा रहे हैं. इस फिल्म ने साल 2024 की आखिरी महीने में रिलीज होकर कई बड़ी फिल्मों के रिकाईस को चकनाचूर किया था. सुकुमार के डायरेक्शन और अल्लू अर्जुन की दमदार परफॉर्मेंस ने दर्शकों से खूब प्यार बटोरा था. अब भी फिल्म को उसके जबरदस्त डायलॉग, एक्शन सीक्रेंस, गाने के लिए याद किया जाता है. थिएटर्स के बाद फिल्म को डिजिटल डेब्यू पर भी बहुत सरहाया गया. इस बीच अब खबर आ रही है कि फिल्म की बाद पुष्पा भाउ यानी अल्लू अर्जुन अपना नाम बदलने की सोच रहे हैं. हालांकि, इसपर एक्टर की ओर से कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है.

क्या अपना नाम बदलेंगे अल्लू अर्जुन?

कोइमोई और सिने जोश की रिपोर्ट्स के मुताबिक, अल्लू अर्जुन अंक ज्योतिषी की सिफारिश के आधार पर अपने नाम में जोड़ सकते हैं, जिससे उनके उनका करियर और भविष्य दोनों सफल और अच्छा रहे. रिपोर्ट्स में बताया गया है कि एक्टर अपने नाम में दो ' ' और दो 'ह्' जोड़ने सकते हैं. हालांकि, इसपर अल्लू अर्जुन ने कोई पुष्टि नहीं की है. मालूम हो कि अल्लू अर्जुन से पहले भी कई एक्टर्स ने अपने नाम के अक्षर में बदलाव किया है.

मैं सफलता या असफलता को ज्यादा महत्व नहीं देती: जेनेलिया देशमुख

सफलता और असफलता के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, मैं सफलता या असफलता को ज्यादा महत्व नहीं देती। यह हमारे जीवन का हिस्सा है। मुझे लगता है कि हम अपनी सफलता को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर बताते हैं और असफलता पर बहुत जोर देते हैं। जबकि आपके दैनिक जीवन का प्रभाव और इरादा महत्वपूर्ण है।

एक ऐसी अभिनेत्री होने के नाते, जिसने छह भाषाओं में काम किया है, एक ऐसी अभिनेत्री जिसने बच्चों के जन्म के कारण ब्रेक लिया, मुझे याद है कि लोग मुझसे कहते थे, ओह, तुम 10 साल बाद फिल्मों में वापस आना चाहती हो, यह काम नहीं करेगा, लेकिन मेरी वापसी वाली फिल्म एक कल्ट बन गई। हमें लोगों की बात नहीं सुननी चाहिए। जेनेलिया ने मातृत्व और स्टारडम के बीच के अंतरसंबंध के बारे में भी खुलकर बात की, इस बात पर जोर देते हुए कि कैसे उन्होंने अपने एक दशक के ब्रेक के दौरान अपने बच्चों को प्राथमिकता दी। उन दस सालों के दौरान, मैं खुद पर, अपने बच्चों पर ध्यान केंद्रित कर रही थी, और मुझे याद है कि रितेश ने मुझसे कहा था कि हमें अपने बच्चों को सक्षम बनाना होगा।

मैं एक मांसाहारी हूँ और मुझे आसानी से प्रोटीन लेने की आदत है, इसलिए मुझे इससे जूझना पड़ा। यहीं से इमेजिन का जन्म हुआ। यह हर उ स फ्लेक्सिटेरियन के लिए है, जो हफ़्ते में पाँच दिन मांस खाता है, लेकिन हफ़्ते में दो बार अन्य विकल्प चुनता है। यहाँ तक कि जब शाकाहारी खाने की बात आती है, तो प्रोटीन सेवन की बात आती है तो हमारे पास चुनने के लिए बहुत कम विकल्प होते हैं। इसने मुझे और रितेश को एक स्थाई विकल्प बनाने के लिए प्रेरित किया।

पैनल में मसाबा गुप्ता, मेघना घई पुरी, अनन्या बिड़ला, अश्विनी अय्यर तिवारी और अन्य जैसे उल्लेखनीय नाम शामिल थे, जिन्होंने महत्वाकांक्षा और कल्याण के बीच नाजुक संतुलन का पता लगाया।

जाट में सनी देओल संग नजर आएंगी उर्वशी रोतेला

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला 12 साल बाद अभिनेता सनी देओल संग काम कर रही हैं। रौतेला जल्द ही 'जाट' के गाने 'टच किया' में नजर आएंगी। अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर अभिनेत्री काफी उत्साहित हैं। उर्वशी ने कहा, 12 साल बाद सनी देओल सर के साथ काम करना शानदार है और इसके लिए मैं खुद को लकी मानती हूं। वह बेहतरीन एक्शन हीरो हैं और मैं 'जाट' में उनके साथ काम करने के लिए रोमांचित हूं। उर्वशी रौतेला साल 2013 में आई फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' में सनी देओल के साथ काम कर चुकी हैं। उन्होंने कहा, जब मैं 19 साल की थी, तब उन्होंने मुझे 2013 की हिट फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' में काम दिया था, जो मेरी पहली मुख्य भूमिका वाली फिल्म थी। हम अपकमिंग फिल्म के लिए फिर से साथ हैं। उर्वशी ने कहा, 'सिंह साहब' तो बस शुरुआत थी। 'जाट' एक अलग लेवल पर होगी। 1 अप्रैल को दर्शकों के सामने कुछ खास आने वाला है ! उनके साथ 12 साल बाद पर्दे पर वापसी को लेकर मैं उत्साहित हूं। मैत्री मूवी मेकर्स ने रविवार को गाने का स्टिल पोस्टर जारी किया, जिसमें उर्वशी की एक झलक भर दिखी। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर लिखा, बड़े पैमाने पर जाट के ट्रेलर को लॉन्च करने के बाद अब फिल्म से एक धमाकेदार गाने का समय आ गया है। 'जाट' का पहला गाना 'टच किया' 1 अप्रैल को जारी होगा। उर्वशी रौतेला की फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' सिंह साहब (सनी देओल) की कहानी है, जो जिम्मेदार के साथ ही ईमानदार इंसान है और रिश्तों को निभाने में विश्वास रखता है, लेकिन भूदेव (फिल्म में खलनायक) एक चालाक आदमी है और वह उसके खिलाफ साजिश रचता है।

साभार एजेंसी

भारत कृषि उत्पादों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाता है, जवाबी कार्रवाई का यह सही समय : अमेरिका

» न्यूयॉर्क वाशिंगटन।, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी कृषि उत्पादों पर भारत 100 प्रतिशत शुल्क लगाता है और अन्य देशों के उच्च शुल्कों के कारण अमेरिकी उत्पादों को इन देशों में निर्यात करना वस्तुत- असंभव हो जाता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी वस्तुओं पर भारत और अन्य देशों द्वारा लगाए गए उच्च शुल्क की बार-बार आलोचना की है। वह दो अप्रैल यानी बुधवार से जवाबी शुल्क की एक श्रृंखला शुरू करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने दो अप्रैल को अमेरिका का मुक्ति दिवस करार दिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने सोमवार को कहा, दुर्भाग्यवश, ए देश बहुत लंबे समय से हमारे देश को लूट रहे हैं और मुझे लगता है कि उन्होंने अमेरिकी श्रमिकों के प्रति अपनी उपेक्षा को बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है।

उन्होंने कहा, यदि आप व्यापार अनुचित चलन पर गौर करें तो अमेरिकी दुग्ध उत्पादों पर यूरोपीय संघ 50 प्रतिशत शुल्क और अमेरिकी चावल पर जापान 700 प्रतिशत शुल्क लेता है। अमेरिकी कृषि उत्पादों पर भारत 100 प्रतिशत और अमेरिकी मक्खन एवं पनीर पर कनाडा करीब 300 प्रतिशत शुल्क वसूलता है। लेविट ने कहा, इससे इन बाजारों में अमेरिकी उत्पादों का आयात करना लगभग

असंभव हो गया है और इसने पिछले कई दशकों में बहुत से अमेरिकियों को कारोबार करने एवं इससे जुड़े रोजगार के अवसरों से वंचित कर दिया है। उन्होंने कई देशों द्वारा लगाए गए उच्च शुल्क का उल्लेख करते हुए एक चार्ट पेश किया और कहा, ... यह जवाबी शुल्क लगाने और राष्ट्रपति द्वारा ऐतिहासिक बदलाव करने का सही समय है, जो अमेरिकी लोगों के लिए उचित होगा....यह बुधवार से होने जा रहा है। लेविट ने हालांकि यह नहीं बताया कि शुल्क किस तरह के होंगे और कौन से देश इससे प्रभावित होंगे।

अमेरिका ने चीन और हांगकांग के छह अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाया

हांगकांग। अमेरिका ने चीन और हांगकांग के उन छह अधिकारियों पर प्रतिबंध लगा दिया है जिन पर आरोप है कि वे अंतरराष्ट्रीय दमन समेत ऐसे अन्य कृत्यों में शामिल थे जिससे हांगकांग की स्वायत्तता को और नुकसान पहुंचने का खतरा था। इस पर पलटवार करते हुए हांगकांग की सरकार ने मंगलवार को प्रतिबंध लगाने के लिए अमेरिका की आलोचना की। जिन छह अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाया गया है उनमें न्याय सचिव पॉल लैम, सुरक्षा कार्यालय निदेशक डोंग जिंगवेई और पुलिस आयुक्त रेमन शामिल हैं। यह प्रतिबंध अमेरिका और चीन के बीच के तनाव को और बढ़ा सकते हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार शुल्क और ताइवान जैसे अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर पहले से ही मतभेद हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा, बीजिंग और हांगकांग के अधिकारियों ने हांगकांग के सुरक्षा कानूनों का दुरुपयोग उन 19 लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं को धमकाने, चुप कराने और परेशान करने में किया और उन्हें डराकर या दबाव डालकर विदेश भागने पर मजबूर किया गया। इन कार्यकर्ताओं में एक अमेरिकी नागरिक एवं चार अन्य अमेरिका निवासी व्यक्ति शामिल हैं। सोमवार को जारी बयान में कहा गया कि जिन छह अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं, वे उन संगठनों या कार्यों से जुड़े थे जो हांगकांग के सुरक्षा कानून का उपयोग करके लोगों पर दबाव बनाने के साथ जबरदस्ती गिरफ्तार करने, हिरासत में लेने या जेल में डालने का काम कर रहे थे या फिर इस कानून को लागू कर रहे थे।

हूती विद्रोहियों का अमेरिकी ड्रोन गिराने का दावा

दुबई। यमन के हूती विद्रोहियों ने अमेरिकी का एक और एमक्यू-9 रीपर ड्रोन गिराने का मंगलवार को दावा किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हूतियों और उनके मुख्य संरक्षक ईरान का चेतावनी जारी करने के बीच हूती विद्रोहियों ने अमेरिकी ड्रोन गिराने का दावा किया है। हूती विद्रोहियों ने मारिब प्रांत में एक ड्रोन गिराने का दावा किया है। मारिब प्रांत एक महत्वपूर्ण इलाका है, क्योंकि यहां तेल व गैस के बड़े अड्डे हैं जो अब भी यमन की निर्वासित केंद्रीय सरकार के सहयोगियों के नियंत्रण में है। सोशल मीडिया पर जारी तस्वीरों में आग की लपटें भी निकलती नजर आ रही हैं। हूती विद्रोहियों के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने अलग से एक पूर्व-रिकॉर्ड वीडियो संदेश में एमक्यू-9 ड्रोन को गिराने का दावा किया। सारी ने बताया कि विद्रोहियों ने ड्रोन को स्थानीय रूप से निर्मित मिसाइल से निशाना बनाया। वहीं अमेरिकी सेना ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि उसे रीपर ड्रोन के गिराने की खबरों के बारे में जानकारी है, हालांकि उसने इस पर और कोई विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया। इससे पहले ट्रंप ने सोशल मीडिया वेबसाइट ट्रुथ सोशल पर हूतियों और उनके मुख्य संरक्षक ईरान पर निशाना साधते हुए लिखा था, हूतियों के कई लड़ाके और नेता मारे जा चुके हैं। हम दिन-रात हूतियों पर हमले कर रहे हैं, ताकि क्षेत्र में सुरक्षा बनी रहे और समुद्री मार्गों को खतरा न हो। ट्रंप ने कहा कि हूती विद्रोहियों के आतंक का समुद्री मार्गों की स्वतंत्रता के लिए खतरा बने रहने तक अमेरिका हूती विद्रोहियों पर हमला जारी रखेगा।

शवों को तेल अल-सुल्तान के किनारों पर एक बंजर क्षेत्र में दफनाया

इजराइली बलों ने 15 फलस्तीनी चिकित्सा कर्मियों की हत्या की, सामूहिक कब्र में दफनाया : संयुक्त राष्ट्र

» दीर अल-बला (गाजा पट्टी), भाषा।

इजराइली सैनिकों ने दक्षिणी गाजा में 15 चिकित्साकर्मियों एवं आपात स्थिति में बचाव कार्य करने वाले कर्मियों की हत्या कर उन्हें एक सामूहिक कब्र में दफना दिया। संयुक्त राष्ट्र और अन्य सहायता एजेंसियों ने यह जानकारी दी। फलस्तीन में मानवीय सहायता पहुंचाने में मदद करने वाले पैलिस्टिनीयन रेड क्रिसेंट ने कहा कि कर्मियों और उनके वाहनों पर स्पष्ट रूप से चिकित्सा एवं मानवीय सहायता कर्मियों का चिह्न लगा हुआ था। उसने इजराइली सैनिकों पर इन कर्मियों की बेरहमी से हत्या करने का आरोप लगाया।इस बीच, इजराइली सेना ने कहा कि उसके सैनिकों ने संदिग्ध रूप से उनके पास आ रहे ऐसे वाहनों पर गोलियां चलाईं जिन पर ऐसा कोई चिह्न नहीं था जो उनकी पहचान बता सके। मृतकों में रेड क्रिसेंट के आठ कर्मी, गाजा की नागरिक सुरक्षा आपातकालीन इकाई के छह सदस्य और फलस्तीनियों के लिए संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूएनआरडब्ल्यूए का एक सदस्य शामिल था।

इंटरनेशनल रेड क्रॉसरेड क्रिसेंट ने कहा कि यह पिछले आठ साल में उसके कर्मियों पर सबसे घातक हमला है। संयुक्त राष्ट्र ने इन हत्याओं के लिए न्याय और जवाब मांगा। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय प्रमुख टॉम फ्लेचर ने कहा, वे लोगों की जान बचाने की कोशिश करते समय इजराइली बलों द्वारा मारे गए। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 18 महीने पहले गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से इजराइल के हमलों में 100 से अधिक नागरिक सुरक्षा कर्मी और 1,000 से अधिक चिकित्साकर्मी मारे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि इजराइली सेना ने उसे बताया कि उसने शवों को तेल अल-सुल्तान के किनारों पर एक बंजर क्षेत्र में दफनाया

है जिसके बाद संयुक्त राष्ट्र के दल वहां पहुंचे। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी फुटेज में नारंगी जैकेट पहने बचावकर्मी मिट्टी खोदकर एक दूसरे के ऊपर रखे शवों को निकालते दिख रहे हैं। ये शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हैं। संयुक्त राष्ट्र के एक अधिकारी जोनाथन व्हिटॉल ने कहा, उनके शवों को इस सामूहिक कब्र में दफना दिया गया था। जो यहां हुआ वह बहुत भयावह है। दक्षिणी शहर खान यूनिस के नासिर अस्पताल के मुर्दाघर के बाहर सोमवार को फलस्तीनियों ने इन शवों को पूरी विधि के साथ सुपुर्द-ए-खाक किया। इजराइल की सेना ने सोमवार को गाजा पट्टी के दक्षिणी शहर रफा के अधिकांश हिस्सों को खाली करने के आदेश जारी किए हैं, जो गाजा पट्टी के सबसे दक्षिणी शहर में इजराइली सेना द्वारा एक और बड़ा जमीनी अभियान शुरू करने के संकेत हैं। इजराइल ने इस महीने की शुरूआत में हमास समूह के साथ अपने युद्ध विराम को समाप्त कर दिया और हवाई एवं जमीनी युद्ध को फिर से शुरू कर दिया।

इजराइल ने हिज्बुल्ला नेता को निशाना बनाकर दक्षिणी बेरूत पर किया हमला

बेरूत। इजराइली सेना ने सोमवार देर रात बेरूत के दक्षिणी उपनगरीय क्षेत्र में एक इमारत पर हमला किया और कहा कि उसने इस हमले में हिज्बुल्ला के एक सदस्य को निशाना बनाया। यह हवाई हमला बिना किसी पूर्व चेतावनी के किया गया। इससे पहले, इजराइल ने शुक्रवार को भी लेबनान की राजधानी बेरूत पर हमला किया था। शुक्रवार को किया गया हमला पिछले साल 27 नवंबर 2024 को इजराइल और हिजबुल्ला उग्रवादी समूह के बीच युद्ध विराम होने के बाद बेरूत पर पहला हमला था। इजराइली सेना ने एक बयान में कहा कि सोमवार देर रात किए हमले में हिज्बुल्ला के एक सदस्य को निशाना बनाया गया जो इजराइल के खिलाफ हमलों में गाजा पट्टी में फलस्तीनी हमास समूह की मदद कर रहा था। इजराइली सेना ने कहा कि यह हमला इजराइल की घरेलू खुफिया एजेंसी शिन बेट के निर्देशन में किया गया था। हिज्बुल्ला ने हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की। हताहतों के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं दी गई है। सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा की गई तस्वीरों एवं वीडियो में एक इमारत की ऊपरी तीन मंजिल क्षतिग्रस्त दिखाई दे रही हैं। इमारत के नीचे कई कार पर मलबे के ढेर देखे जा सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

मलेशिया में गैस पाइप फटने से लगी भीषण आग में 100 से अधिक लोग झुलसे, 49 मकान क्षतिग्रस्त

» कुआलालंपुर, भाषा।

मलेशिया में कुआलालंपुर के बाहरी इलाके में गैस पाइपलाइन फटने से मंगलवार को लगी भीषण आग में 100 से अधिक लोग घायल हो गए और कई मकानों में भारी नुकसान हुआ। कुआलालंपुर के बाहर पुत्रा हाइट्स में एक गैस स्टेशन के पास लगी आग की लपटें कई किलोमीटर ऊपर तक दिखाई दे रही थीं और कई घंटों तक धधकती रही। यह घटना सार्वजनिक अवकाश के दिन हुई क्योंकि मलेशिया में बहुसंख्यक मुस्लिम ईद के दूसरे दिन जश्न मनाते हैं। राष्ट्रीय तेल कंपनी पेट्रोनास ने एक बयान में कहा कि उसकी एक गैस पाइपलाइन में सुबह आठ बजकर 10 मिनट पर आग लगी और प्रभावित पाइपलाइन को बाद में बाकी लाइनों से काट दिया गया। आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने कहा कि वाल्व बंद करने से आग बुझ जाएगी।

मध्य सेलंगोर राज्य के अग्निशमन विभाग ने स्टार अखबार को बताया कि 20 मंजिल जितनी ऊंची लपटों वाली आग पर अपराह्न पौने तीन बजे काबू पा लिया गया। बरनामा न्यूज एजेंसी ने सेलंगोर के डिप्टी पुलिस चीफ मोहम्मद जैनी अबू हसन के हवाले से बताया कि कम से कम 49 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं और 112 लोग घायल हुए हैं जिनमें से 63 को झुलसने और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि अन्य चोटिल हैं। सेलंगोर के मुख्यमंत्री अमीरुद्दीन शारी ने बताया कि अग्निशमन विभाग ने सुरक्षा उपाय के तौर पर आस-पास के मकानों से निवासियों को तुरंत बाहर निकाल लिया। उन्होंने कहा कि स्थिति के नियंत्रण में आने तक उन्हें अस्थाई रूप से पास की एक मस्जिद में रखा जाएगा।

भारत अंतरिक्ष से अद्भुत दिखता है, अपने पिता की जन्मभूमि पर जरूर जाऊंगी : सुनीता विलियम्स

» न्यूयॉर्क, भाषा।

नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने कहा भारत अंतरिक्ष से अद्भुत दिखता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वह अपने पिता की जन्मभूमि जाएंगी और वहां के लोगों के साथ अंतरिक्ष खोज के बारे में अपने अनुभव साझा करेंगी। सोमवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान सुनीता ने यह बात कही। उनसे पूछा गया था कि जब वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र में थीं तो वहां से भारत कैसा दिखता था और अंतरिक्ष खोज पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के साथ उनके सहयोग की कोई संभावना है? इस पर उन्होंने कहा, भारत अद्भुत है। मैं आपको बताना चाहूंगी कि हम जब भी हिमालय के ऊपर से गुजरे तो बुच ने हिमालय की कुछ अविश्वसनीय तस्वीरें लीं। बेहद अद्भुत है।

सुनीता विलियम्स और उनके साथी अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर ने स्पेसएक्स क्रू-9 मिशन के तहत पृथ्वी पर लौटने के कुछ दिनों बाद अपने पहले संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। ये दोनों नौ माह से अधिक समय तक अंतरिक्ष में फंसे रहे थे। उन्होंने कहा, मुझे आशा और यकीन है कि मैं अपने पिता के देश (भारत) जाऊंगी और लोगों से मिलूंगी तथा अंतरिक्ष के बारे में अपने अनुभव साझा करूंगी। एक्सिओम मिशन पर जा रहे भारतीय नागरिक शानदार हैं। उन्होंने ये टिप्पणी एक्सिओम मिशन 4 (एक्स-4) वाणिज्यिक अंतरिक्ष यात्री मिशन का जिक्र करते हुए कीं, जिसमें भारत के मिशन पायलट शुभांशु शुक्ला भी शामिल होंगे। लखनऊ में जन्मे शुक्ला, 1984 में अंतरिक्ष में जाने वाले भारतीय वायुसेना के पूर्व अधिकारी राकेश शर्मा के बाद भारत के दूसरे अंतरिक्ष यात्री होंगे। उन्होंने कहा, उनके पास वहां अपने देश का हीरो होगा जो इस बारे में बात कर सकेगा कि उनके दृष्टिकोण से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन कितना अद्भुत है। लेकिन मुझे उम्मीद है कि मैं किसी समय उनसे मिल पाऊंगी और हम भारत में जितना संभव हो सके उतने लोगों के साथ अपने अनुभव साझा कर सकेंगे, क्योंकि यह एक महान देश है, एक अद्भुत लोकतंत्र है, जो अंतरिक्ष के क्षेत्र में काम करने वाले देशों में अपना पैर जमाने की कोशिश कर रहा है और हम इसका हिस्सा बनना तथा उनकी मदद करना पसंद करेंगे। सुनीता के पिता दीपक पंड्या गुजरात से थे और 1958 में अमेरिका आए थे। उन्होंने क्लीवलैंड, ओहायो में मेडिसिन में इंटर्नशिप और रेजीडेंसी ट्रेनिंग की। सुनीता का जन्म ओहायो में दीपक और उर्सुलाइन बोनी पंड्या के घर हुआ था। जब विल्मोर ने सुनीता से पूछा कि क्या वह अपने क्रू (चालक दल) सदस्यों को भारत की यात्रा पर अपने साथ ले जाने की योजना बना रही है, तो उन्होंने हंसते हुए जवाब दिया बिल्कुल। हम आपको मसालेदार भोजन खिलाएंगे, अच्छा रहेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुनीता और उनके साथी क्रू-9 सदस्यों का अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लंबे मिशन के बाद पृथ्वी पर लौटने पर स्वागत किया था। उन्होंने कहा कि उनका अटूट दृढ़ संकल्प हमेशा लाखों लोगों को प्रेरित करेगा। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आपका स्वागत है, क्रू-9 धरती को आपकी याद आई। नासा के अंतरिक्ष यात्री सुनीता, निक हेग और विल्मोर तथा रोस्कोस्मोस के अंतरिक्ष यात्री अलेक्सांद्र गोरबुनोव, 18 मार्च को स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान से पृथ्वी पर वापस लौटे, जो फ्लोरिडा के तल्हासी तट के पास समुद्र में उतरा।

फिर से बोइंग स्टारलाइनर कैप्सूल पर उड़ान भरने के लिए तैयार हैं : अंतरिक्ष यात्री

केप कैनवेरल। नासा के प्रसिद्ध अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स ने सोमवार को कहा कि उनकी अंतरिक्ष यात्रा के दौरान जो कुछ भी गलत हुआ, उसके लिए कुछ हद तक वे स्वयं जिम्मेदार हैं। प्रसिद्ध अंतरिक्ष यात्रियों ने कहा कि वे बोइंग स्टारलाइनर पर पुनःउड़ान भरेंगे। स्पेसएक्स ने हाल में दोनों अंतरिक्षयात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर नौ महीने से अधिक समय तक रहने के बाद धरती पर पहुंचाया है। बोइंग पिछले साल उनके बिना ही पृथ्वी पर लौट आया था। घर लौटने के बाद अपने पहले संवाददाता सम्मेलन में दोनों ने कहा कि वे लोगों की इतनी दिलचस्पी देखकर आश्चर्यचकित हैं और उन्होंने जोर देकर कहा कि वे केवल अपना काम कर रहे थे और मिशन को स्वयं तथा यहां तक कि अपने परिवार से भी ऊपर रख था। विल्मोर ने बोइंग की असफल परीक्षण उड़ान के लिए कुछ हद तक दोष स्वीकार करने में संकोच नहीं किया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मैं खुद को जिम्मेदार मानता हूं। मैंने कुछ सवाल पूछे होते, तो शायद चीजें अलग होतीं। उन्होंने कहा, ऊपर से नीचे तक सभी जिम्मेदार हैं। हम सभी इसके लिए जिम्मेदार हैं। दोनों अंतरिक्ष यात्रियों ने कहा कि वे फिर से स्टारलाइनर में सवार होंगे। उन्होंने कहा, हम उन सभी समस्याओं को ठीक करने जा रहे हैं जिनका हमने सामना किया। हम उन्हें सुधारेंगे। हम इसे काम करने लायक बनाएंगे। विल्मोर ने कहा कि अगर मौका मिला तो वह बिना देर किए फिर से अंतरिक्ष में जाएंगे। विलियम्स ने कहा कि स्टारलाइनर में बहुत क्षमता है और वह इसे सफल होते देखना चाहती हैं। दोनों बुधवार को बोइंग के शीर्ष नेतृत्व से मिलेंगे और उड़ान तथा इसकी समस्याओं के बारे में जानकारी देंगे।

चीन ने ताइवान के पास के इलाकों में बड़ा सैन्य अभ्यास शुरू किया

» बीजिंग, भाषा।

चीन ने ताइवान पर अपनी संप्रभुता का दावा करने के लिए उसके आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार को संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया जिसमें उसके कई बलों ने हिस्सा लिया। इस अभ्यास का मकसद ताइवान की उन ताकतों को कड़ी चेतावनी देना है जो स्वयं को स्वायत्त बताती हैं। चाइनीज पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ईस्टर्न थिएटर कमांड के एक प्रवक्ता ने बताया कि कमान ने मंगलवार को ताइवान द्वीप के आसपास संयुक्त अभ्यास शुरू किया। थिएटर कमांड के प्रवक्ता सीनियर कर्नल शी ई ने सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के हवाले से कहा कि कमान ने अपनी थलसेना, नौसेना, वायुसेना और रॉकेट बलों को कई दिशाओं से ताइवान द्वीप के पास पहुंचने के लिए संगठित किया चीन ताइवान को अपनी मुख्य भूमि का हिस्सा मानता है।

उसने हाल के दिनों में इसी तरह के सैन्य अभ्यास किए हैं, लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए सत्ता संभालने के बाद से ताइवान के आसपास यह पहला बड़ा सैन्य अभ्यास है। शी के अनुसार, ये अभ्यास मुख्य रूप से समुद्री एवं हवाई युद्ध के लिए तैयारी गश्त, उत्कृष्ट संयुक्त अभ्यास, समुद्री और जमीनी लक्ष्यों पर हमले का

पाकिस्तान: पुलिस ने नाबालिग लड़की से बलात्कार एवं हत्या के चार आरोपियों को मुठभेड़ में मार गिराया

लाहौर, (भाषा)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पुलिस ने 11 वर्षीय लडक़ी से कथित दुष्कर्म व उसकी हत्या के चार आरोपियों को मंगलवार को एक मुठभेड़ में मार गिराया। पुलिस के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि लाहौर से करीब 400 किलोमीटर दूर बहावलपुर जिले में 24 मार्च को लडक़ी के साथ बलात्कार के बाद उसकी हत्या करने वाले संदिग्ध उसके रिश्तेदार थे।

इनमें उसके दो मामा और दो चचेरे भाई थे। सूत्र ने कहा कि 30 मार्च को गिरफ्तार किए गए चारों संदिग्धों ने अपना अपराध कबूल कर लिया था। उन्होंने बताया, चूंकि संदिग्धों ने नाबालिग लडक़ी के साथ क्ररूरतापूर्वक बलात्कार किया और उसकी हत्या कर दी, इसलिए ऐसे दरिंदों के साथ कोई नरमी नहीं बरती जा सकती। उन्होंने कहा कि आरोपियों को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया। हालांकि, पुलिस के एक बयान में दावा किया गया है कि संदिग्धों को पीड़िता का गला काटने में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी के लिए एक स्थान पर ले जाया गया था। चाकू बरामद होने के बाद लौटते समय संदिग्धों के साथियों ने पुलिस दल पर गोलीबारी की। बयान में कहा गया, जवाबी गोलीबारी में चारों संदिग्ध मारे गए, जबकि उनके साथी भागने में सफल रहे। थाना प्रभारी (एसएचओ) राव शहजाद बाबर ने नाबालिग से साथ क्रूर बलात्कार एवं हत्या की घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने शुरू में 15 संदिग्धों को पकड़ा और उनके डीएनए नमूने जांच के लिए भेजे।

आपदा — परिवारों को स्वच्छ पानी, भोजन और चिकित्सा सामग्री की आपूर्ति की भारी कमी

म्यांमा में भूकंप से अब तक 2,700 से अधिक लोगों की मौत

» बैंकॉक, भाषा।

म्यांमा में पिछले सप्ताह आए 7.7 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप से ढही एक इमारत के मलबे से 63 वर्षीय महिला को कई घंटों के बाद सुरक्षित रूप से बाहर निकाल लिया गया। म्यांमा में आए विनाशकारी भूकंप में मरने वालों की संख्या 2,700 से अधिक हो गई है जबकि हजारों लोग घायल है। वहीं, अब मलबे में दबे लोगों के जीवित बचे होने की उम्मीदें धूमिल होती नजर आ रही हैं। नेपीता में अग्निशमन विभाग ने कहा कि शुक्रवार दोपहर आए विनाशकारी भूकंप से एक इमारत ढह जाने के 91 घंटे बाद महिला को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि आपदा के 72 घंटों के बाद जीवित बचे लोगों के मिलने की संभावना कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि मृतकों की संख्या में वृद्धि हो सकती है। वेस्टर्न न्यूज वेबसाइट पर जारी खबर के अनुसार, म्यांमा की सैन्य सरकार के प्रमुख एवं वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने राजधानी नेपीता में बताया कि भूकंप के कारण अब तक 2,719 लोगों की मौत हो गई है जबकि 4,521 व्यक्ति घायल हैं और 441 लापता हैं। म्यांमा में आए भूकंप ने देश के बड़े हिस्सों को प्रभावित किया है जिससे कई क्षेत्रों में बिजली, टेलीफोन या मोबाइल फोन कनेक्शन ठप हो गए तथा सड़कें और पुल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इसके कारण आपदा से हुए नुकसान का आकलन करना मुश्किल हो गया है। म्यांमा के लिए यूनिसेफ की उप प्रतिनिधि जूलिया रीस ने कहा, जरूरतें बहुत बड़ी हैं और हर घंटे यह बढ़ती जा रही हैं। उन्होंने कहा, ...भूकंप से प्रभावित हुए क्षेत्रों में परिवारों को स्वच्छ पानी, भोजन और चिकित्सा सामग्री की आपूर्ति की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। म्यांमा के अग्निशमन विभाग ने बताया कि भूकंप के केंद्र मांडले में 403 लोगों को बचाया गया है और अब तक 259 शव बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि एक इमारत के ढह जाने के बाद 50 बौद्ध भिक्षुओं की मौत हो गई जबकि 150 से अधिक लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है।

आइसलैंड में ज्वालामुखी विस्फोट की आशंका एक कस्बे और ब्लू लैगून स्पा को खाली कराया

लंदन। आइसलैंड में ज्वालामुखी विस्फोट की आशंका के चलते मंगलवार को अधिकारियों ने एक कस्बे और ब्लू लैगून स्पा को खाली करा दिया। राष्ट्रीय प्रसारक आरयूवी ने कहा कि ग्रिंडाविक शहर के पास एक ज्वालामुखी से लावा बहना शुरू हो गया है और यहां से करीब 40 घरों को खाली कराया गया है। रेक्जेनेस प्रायद्वीप पर बसे इस समुदाय को एक वर्ष पहले भी वहां से निकाला गया था, जब 800 वर्षों तक निष्क्रिय रहा ज्वालामुखी अचानक सक्रिय हो गया था। आइसलैंड के मौसम कार्यालय ने कहा कि पूर्व के विस्फोट के समान मंगलवार को लावा प्रवाह के साथ एक तीव्र भूकंप भी आया। कार्यालय ने कहा, अभी तक लावा मैदानी इलाकों में नहीं पहुंचा, लेकिन विस्फोट होने की आशंका है।